दैनिक

बुलन्द मंज़िल

Daily Bilingual News Paper (Hindi & English)

PRGI NO. - UPBIL/25/A4797

उ.प्र. के जनपद सम्भल से प्रकाशित...
बरेली मण्डल व मुरादाबाद मण्डल के जनपद अमरोहा, रामपुर, बिजनौर से प्रसारित...

वर्ष : 01 अंक : 91 संभल, शुक्रवार 13 मार्च 2026 पृष्ठ : 12 मूल्य: 05/-रू.

आवश्यकता है
मेरठ, हापुड़, बरेली, गाज़ियाबाद, नई दिल्ली, लखनऊ आदि शहरो में जनपद स्तर, तहसील स्तर, ब्लॉक स्तर पर पत्रकारों की आवश्यकयकता है।
सम्पर्क सूत्र
मोब.- 8630704122

पेज :- 03- झटका मशीन बनी काल: खेत पर किसान की करंट....
पेज :- 04- रोटरी क्लब हापुड़ के नवनियुक्त अध्यक्ष मुस्लिम कुरैशी..

एलपीजी आपूर्ति को लेकर मुख्यमंत्री सख्त

घबराहट न फैलने दें और समयबद्ध वितरण सुनिश्चित करें: मुख्यमंत्री

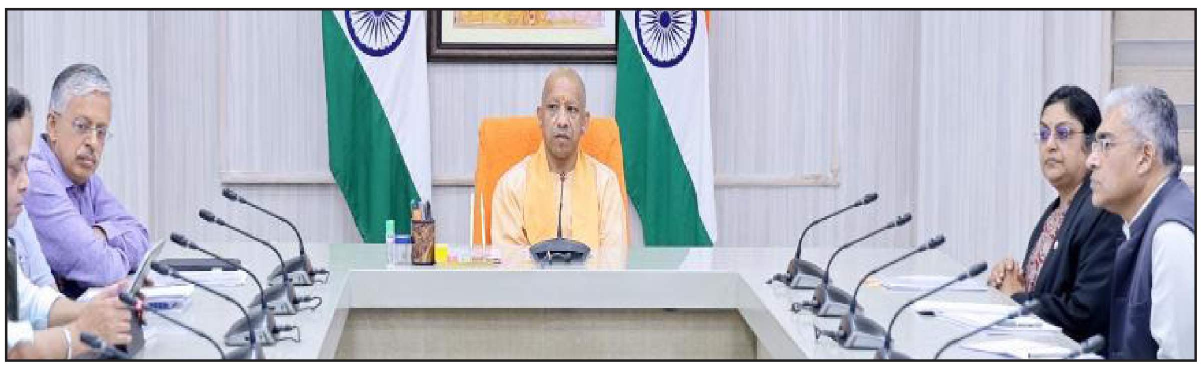

लखनऊ,: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में रसोई गैस (एलपीजी) की निर्बाध और सुचारु आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में एलपीजी की उपलब्धता को लेकर किसी भी प्रकार की घबराहट की स्थिति न बनने दी जाए तथा आमजन को समय-समय पर सही और तथ्यात्मक जानकारी उपलब्ध कराई जाए। गुरुवार को मुख्यमंत्री ने शासन के वरिष्ठ अधिकारियों और तेल कंपनियों के उच्च अधिकारियों के साथ बैठक कर प्रदेश में एलपीजी की वर्तमान मांग और आपूर्ति की स्थिति की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि किसी भी स्तर पर कृत्रिम कमी उत्पन्न न होने पाए तथा जिन उपभोक्ताओं ने एलपीजी की बुकिंग कराई है, उन्हें निर्धारित नियमों के अनुसार समयबद्ध ढंग से सिलेंडर की आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। साथ ही उपभोक्ताओं को उनकी अगली रिफिल की संभावित तिथि के संबंध में भी समुचित जानकारी उपलब्ध कराई जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्थिति उतनी गंभीर नहीं है, जितना कि अफवाहों के माध्यम से प्रचारित करने का प्रयास किया जा रहा है। तेल कंपनियां प्रशासन के साथ समन्वय स्थापित करते हुए एलपीजी की आपूर्ति और वितरण की वास्तविक स्थिति के बारे में आमजन को नियमित रूप से अवगत कराएं। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार भी आपूर्ति एवं वितरण व्यवस्था को सामान्य बनाए रखने के लिए आवश्यक प्रयास कर रही है। मुख्यमंत्री ने सख्त निर्देश देते हुए कहा कि यदि कोई वितरक एजेंसी अथवा निजी व्यक्ति कालाबाजारी या जमाखोरी में लिप्त पाया जाता है, तो उसके विरुद्ध तत्काल एफआईआर दर्ज कर कठोरतम कार्रवाई की जाए। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि आवश्यकता पड़ने पर एलपीजी वितरक केंद्रों पर पुलिसकर्मियों की तैनाती की जाए, ताकि कहीं भी अव्यवस्था की स्थिति न बने और वितरण कार्य सुचारु रूप से संपन्न हो सके।

मुख्यमंत्री योगी अयोध्या में, राष्ट्रपति दौरे की तैयारियों का जायजा लिया

अधिकारियों को दिए कड़े निर्देश

अयोध्या। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अयोध्या दौरे पर हैं। जहां पर उन्होंने 19 मार्च को होने वाले राष्ट्रपति के कार्यक्रम को लेकर तैयारियों का जायजा लिया और रामलला के दर्शन किए। गोरक्षपीठाधीश्वर व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गुरुवार को एक दिवसीय दौरे पर अयोध्या पहुंचे। उन्होंने सबसे पहले संकटमोचन हनुमानगढ़ी मंदिर में दर्शन-पूजन किया और प्रदेश की सुख-शांति की कामना की। इसके बाद सीएम योगी ने श्रीराम मंदिर में श्रीरामलला के चरणों में शीश झुकाया। उन्होंने श्रीराम मंदिर परिसर के निर्माण कार्यों की प्रगति की जानकारी भी ली। मुख्यमंत्री ने अपने दौरे की शुरूआत संकटमोचन हनुमानगढ़ी मंदिर से की। उन्होंने यहां विधिवत पूजा-अर्चना करते हुए प्रदेशवासियों के सुखमय जीवन की प्रार्थना की। यहां से निकल कर मुख्यमंत्री श्रीराम मंदिर पहुंचे। यहां उन्होंने श्रीरामलला के दर्शन किए। आरती उतारी और मंदिर की परिक्रमा की। इस अवसर पर उन्होंने मंदिर परिसर में निर्माण कार्यों की प्रगति की जानकारी भी ली। श्रीराम मंदिर ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री को निर्माण कार्यों की वर्तमान स्थिति और आगामी योजनाओं से अवगत कराया। मुख्यमंत्री ने संतों से भी की मुलाकात, पूछा कुशलक्षेम मुख्यमंत्री ने हनुमानगढ़ी में संतों से भी मुलाकात की और उनका कुशलक्षेम जाना। मुख्यमंत्री यहां सबसे पहले महंत प्रेमदास जी महाराज से मिले। इसके बाद मुख्यमंत्री ने अन्य संतों से भी मिलकर उनका हालचाल जाना। इससे पहले मुख्यमंत्री के अयोध्या आगमन पर रामकथा पार्क हेलीपैड पर जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने उनका स्वागत किया।

सार संक्षेप

सिद्धू मूसेवाला हत्याकांड, सुप्रीम कोर्ट ने दो आरोपियों पवन बिश्नोई और जगतार सिंह को दी जमानत

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को चर्चित सिद्धू मूसेवाला हत्याकांड से जुड़े दो आरोपियों पवन बिश्नोई व जगतार सिंह को जमानत दे दी है। अदालत ने यह फैसला मामले में आरोपियों की हिरासत की अवधि और ट्रायल की प्रगति की समीक्षा के बाद सुनाया। सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दौरान मामले से जुड़े तथ्यों और जांच की स्थिति पर विचार किया। गौरतलब है कि पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला की 29 मई 2022 को पंजाब के मानसा जिले में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस सनसनीखेज घटना के बाद पूरे राज्य में हड़कंप मच गया था और मामले की व्यापक जांच शुरू की गई थी। इस हत्याकांड में कई आरोपियों के नाम सामने आए थे, जिनके कथित तौर पर संगठित आपराधिक नेटवर्क से जुड़े होने की बात कही गई थी। मामले की जांच के दौरान पुलिस ने कई लोगों को गिरफ्तार किया और चार्जशीट भी दाखिल की। फिलहाल, सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद दोनों आरोपियों को जमानत मिल गई है, जबकि मामले की सुनवाई संबंधित अदालत में जारी है।

दिल्ली में कोई भी लड़की ग्रेजुएशन तक की शिक्षा से वंचित नहीं रहनी चाहिए: रेखा गुप्ता

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बृहस्पतिवार को कहा कि दिल्ली की सभी लड़कियों को कम से कम स्नातक स्तर तक की शिक्षा प्राप्त करनी चाहिए। इंदिरा गांधी दिल्ली तकनीकी महिला विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए गुप्ता ने कहा कि उनकी सरकार महिलाओं को अवसर प्रदान करने के लिए लगातार काम कर रही है। गुप्ता ने अपनी सरकार द्वारा शुरू की गई श्लखपति बिटिया योजनाश् का उल्लेख करते हुए कहा कि इस योजना के तहत प्रत्येक पात्र लड़की को स्नातक करने के बाद 1.25 लाख रुपये मिलेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा, ष्मेरी कामना है कि दिल्ली में कोई भी लड़की स्नातक स्तर तक की शिक्षा से वंचित नहीं रहे। लड़कियों को न केवल स्कूल बल्कि कॉलेज भी जाना चाहिए और अपने पसंदीदा पाठ्यक्रम व विषय पढ़ने चाहिए। गुप्ता ने कहा कि भारत अब महिला नीत विकास की ओर अग्रसर है। उन्होंने इंदिरा गांधी दिल्ली महिला तकनीकी विश्वविद्यालय की छात्राओं से न केवल अपने सपनों को साकार करने और करियर बनाने का आग्रह किया।

लोकसभा में बोले पेट्रोलियम मंत्री हरदीप पुरी

दुनिया ने कभी ऐसे हालात का सामना नहीं किया

जात-पात देश की गुलामी का कारण रहा ■ आज भी समाज को बांटने को हो रही साजिश

नई दिल्ली। पेट्रोलियम मंत्री हरदीप पुरी ने गैस की किल्लत के मुद्दे पर लोकसभा में कहा, भारत की कच्चे तेल की आपूर्ति की स्थिति सुरक्षित है। उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री के राजनयिक प्रयासों के कारण, भारत ने उतनी मात्रा में कच्चा तेल सुरक्षित कर लिया है। उन्होंने साफ किया कि देश में पेट्रोल, डीजल और केरोसिन की कोई कमी नहीं है। लोकसभा में केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने पश्चिम एशिया संकट के बाद देश में गैस की किल्लत के मुद्दे पर बयान दिया। उन्होंने कहा कि दुनिया के ऊर्जा इतिहास में शायद ही कभी ऐसा समय आया हो जैसा अभी पश्चिम एशिया के संकट के कारण देखने को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि यह स्थिति वैश्विक तेल और गैस आपूर्ति के लिए बेहद गंभीर मानी जा रही है। लोकसभा में मंत्री कहा कि मोदी सरकार की प्राथमिकता यह है कि भारत के 33 करोड़ परिवारों की रसोई में किसी भी प्रकार की (ईंधन की) कमी न हो। 'होर्मुज से 20 प्रतिशत आवाजाही प्रभावित' पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप पुरी ने अपने बयान में कहा, 'होर्मुज से 20 प्रतिशत आवाजाही प्रभावित हुई है, 40 प्रतिशत कच्चा तेल दूसरे देश से आ रहा हैं। उन्होंने इस दौरान कहा कि हमारे पास पर्याप्त कच्चा तेल है। केंद्रीय मंत्री ने आगे बताया कि भारत की क्रूड सप्लाई पूरी तरह से सुरक्षित है और भारत में पेट्रोल-डीजल की किसी भी तरह की कोई दिक्कत नहीं, देश में अभी पर्याप्त गैस है। गैस की किल्लत को लेकर अफवाहों के बीच केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सीएनजी की सप्लाई 100 प्रतिशत जारी है, भारत में एलएनजी के कार्गो रोज आ रहे हैं। गैस सिलेंडर को लेकर किसी भी तरह से पैनिक होने की जरूरत नहीं है, पैनिक होने की वजह से डिमांड बढ़ी है। 'संकट से निकटने को लेकर पूरी तरह से तैयार' इस दौरान केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी ने बताया कि देश में एलपीजी का उत्पादन 28 फीसदी बढ़ा है और देश लंबे समय तक इस संकट से निकटने को लेकर पूरी तरह से तैयार है। पेट्रोलियम मंत्री ने आगे कहा कि भारत अभी भी कनाडा, नार्वे और रूस से तेल ले रहा है और हमने गैस की कालाबाजारी को रोकने के निर्देश जारी किए है। 'पहली बार लगभग बंद हुआ होर्मुज जलडमरूमध्य' मंत्री ने बताया कि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग होर्मुज जलडमरूमध्य लगभग बंद हो गया है। उनके अनुसार, दर्ज इतिहास में पहली बार ऐसा हुआ है कि यह समुद्री रास्ता व्यावसायिक जहाजों के लिए प्रभावी रूप से बंद जैसा हो गया है। यह वही मार्ग है जिससे दुनिया के बड़े हिस्से तक कच्चा तेल पहुंचता है। संकट में सावधानी से आगे बढ़ना होगा- केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी ने संसद में कहा कि भारत इस संघर्ष का कारण नहीं है, लेकिन इसके असर से बच पाना भी संभव नहीं है।

हमेशा निष्पक्षता का प्रयास, किसी को नियम से परे जाकर बोलने का विशेषाधिकार नहीं

नईदिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने बृहस्पतिवार को कहा कि उन्होंने निष्पक्षता और नियमों के अनुरूप सदन की कार्यवाही संचालित करने का प्रयास किया है तथा किसी भी सदस्य को नियमों से परे जाकर बोलने का विशेषाधिकार नहीं है। बिरला ने विपक्ष द्वारा उनके खिलाफ लाए गए संकल्प को सदन द्वारा अस्वीकार किए जाने पर सदस्यों का आभार व्यक्त किया और कहा कि वह पूरी निष्ठा और संवैधानिक मयार्दा के साथ जिम्मेदारी निभाने का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा, "सदन द्वारा मुझ पर व्यक्त किए गए विश्वास के लिए सभी का आभार व्यक्त करता हूं, इस विश्वास को अपनी जिम्मेदारी मानते हुए पूरी निष्ठा, निष्पक्षता और संवैधानिक मयार्दा के साथ निभाऊंगा।" बिरला ने कहा कि उनके खिलाफ लाए गए संकल्प पर सदन में पिछले दो दिन में हुई चर्चा में "कुछ सदस्यों का मानना था कि नेता प्रतिपक्ष सदन से ऊपर हैं और किसी भी विषय पर बोल सकते हैं, लेकिन ऐसा विशेषाधिकार किसी को नहीं है और सभी को नियम के अनुसार ही बोलने का अधिकार है। ये नियम सदन ने ही बनाए हैं और मुझे विरासत में मिले हैं।" बिरला ने कहा, "चर्चा के दौरान कुछ सदस्यों ने नेता प्रतिपक्ष को बोलने से रोकने की बात की। सदन के नेता हों या प्रतिपक्ष के नेता या कोई मंत्री, सभी को नियमों के तहत और प्रक्रिया के तहत बोलने का अधिकार है।" लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री और मंत्रियों को भी वक्तव्य देने के लिए अध्यक्ष से अनुमति लेनी पड़ती है।

समाज में नकली संतों का होगा अंत : अखिलेश

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने गुरुवार को लखनऊ के कृष्णानगर क्षेत्र में शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती से मुलाकात की और कहा कि शंकराचार्य का आशीर्वाद मिलने से समाज में फैले नकली संतों का अंत होगा। अखिलेश यादव दोपहर करीब 12:30 बजे अपने आवास से कृष्णानगर स्थित कार्यक्रम स्थल पहुंचे और स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद से भेंट की। मुलाकात के बाद अखिलेश यादव ने कहा कि वह शंकराचार्य से आशीर्वाद लेने आए थे। उन्होंने कहा कि किसी भी अच्छे कार्य की शुरूआत से पहले शंकराचार्य का आशीर्वाद मिलना सौभाग्य की बात होती है। उन्होंने गोरक्षा के मुद्दे पर भी अपनी बात रखते हुए कहा कि समाजवादी सरकार के समय गायों की सेवा और संरक्षण के लिए कई फैसले लिए गए थे और भविष्य में भी गायों की सेवा के लिए जो संभव होगा, वह किया जाएगा। इस दौरान अखिलेश यादव ने कार्यक्रम स्थल पर मौजूद संतों को हाथ जोड़कर प्रणाम भी किया। उनके साथ पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं पूर्व मंत्री राजेंद्र चौधरी और पूर्व सांसद अनु टंडन भी मौजूद रहीं।

दांडी सत्याग्रह की वर्षगांठ पर अमित शाह समेत कई नेताओं ने महात्मा गांधी को किया याद

नई दिल्ली। भारत के स्वतंत्रता संग्राम के महत्वपूर्ण अध्याय दांडी नमक सत्याग्रह की वर्षगांठ मनाई जा रही है। इस अवसर पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह समेत कई नेताओं ने महात्मा गांधी को याद किया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया, 1930 में आज ही के दिन महात्मा गांधी जी ने दांडी सत्याग्रह शुरू किया था, जिसने हर आयु और वर्ग के भीतर स्वतंत्रता की इच्छा को और भी प्रबल बनाया। यह स्वदेशी की दिशा में उठाया गया ऐसा कदम था, जिसने स्वाधीनता आंदोलन की दिशा बदल दी। दांडी सत्याग्रह के सभी महापुरुषों को नमन करता हूं। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने एक्स पोस्ट में लिखा, महात्मा गांधी ने 1930 में आज ही के दिन अंग्रेजों के अत्याचारी नमक कानून के विरोध में साबरमती आश्रम से ऐतिहासिक दांडी नमक सत्याग्रह की शुरूआत की थी, जिसने भारतीय स्वाधीनता संग्राम को नई दिशा दी। स्वतंत्रता संग्राम के इस महत्वपूर्ण अध्याय दांडी नमक सत्याग्रह की वर्षगांठ के अवसर पर पूज्य महात्मा गांधी और सत्याग्रहियों को विनम्र अभिवादन। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लिखा, पूज्य बापू और अमर संघर्ष के सभी सत्याग्रहियों को कोटि-कोटि नमन। साल 1930 में आज ही के दिन महात्मा गांधी के नेतृत्व में साबरमती आश्रम से आरंभ हुआ दांडी नमक सत्याग्रह भारतीय स्वाधीनता संग्राम की उस ज्योति का प्रज्ज्वलन था, जिसने जन-जन में आत्मबल और स्वराज का नया मंत्र भर दिया। बर्बर और अलोकतांत्रिक ब्रिटिश शासन की जड़ें हिलाने वाले इस अभूतपूर्व दांडी मार्च ने यह सिद्ध किया कि सत्य, साहस और सामूहिक संकल्प से साम्राज्य भी डगमगा जाते हैं। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने एक्स पोस्ट में लिखा, आज ही के दिन, 1930 में, पूज्य बापू ने दांडी मार्च की शुरूआत की थी, जिसने एक साधारण क्रिया को सत्य, साहस और अहिंसक प्रतिरोध का शक्तिशाली प्रतीक बना दिया। एक ऐसा पल जिसने देश की चेतना को झकझोर दिया और भारत के आजादी के संघर्ष की दिशा बदल दी। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस नेता अशोक गहलोत ने लिखा, महात्मा गांधी की ओर से आज ही के दिन वर्ष 1930 में शुरू किए गए दांडी मार्च की वर्षगांठ पर उन्हें व समस्त सत्याग्रहियों को श्रद्धापूर्वक नमन करता हूं। तानाशाही और अन्याय के खिलाफ महात्मा गांधी ने बगैर झुके, सत्य और अहिंसा के बल पर संघर्ष का जो मार्ग दिखाया, वह आज भी हमें प्रेरणा देता है।

प्रधानमंत्री आज जारी करेंगे किसान सम्मान निधि की 22वीं किस्त

लखनऊ। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत 13 मार्च को असम के गुवाहाटी में आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी योजना की 22वीं किस्त जारी करेंगे। इस अवसर को पूरे देश में पीएम किसान उत्सव दिवस के रूप में मनाया जाएगा। यूपी सरकार ने इस संबंध में सभी मंडलायुक्तों, जिलाधिकारियों और कृषि विभाग के अधिकारियों को आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। शासनादेश के अनुसार कार्यक्रम का सीधा प्रसारण चउपदकपूंइबेंज.दपब.पद पर होगा। प्रदेश के सभी जिलों, विकासखंडों और ग्राम पंचायतों में किसानों को इस कार्यक्रम से वर्चुअल रूप से जोड़ने के लिए आयोजन किए जाएंगे। इसके लिए कृषि विभाग, कृषि विज्ञान केंद्रों और जिला प्रशासन को समन्वय के साथ व्यवस्थाएं करने को कहा गया है। कार्यक्रमों में केंद्रीय व राज्य मंत्रियों, सांसदों, विधायकों, विधान परिषद सदस्यों, ग्राम प्रधानों और प्रगतिशील किसानों की भागीदारी सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही गांव स्तर के कर्मचारियों को विभिन्न सरकारी योजनाओं का प्रचार-प्रसार करने और किसानों को डीबीटी के माध्यम से मिलने वाली सुविधाओं की जानकारी देने को कहा गया है।

ऊर्जा संकट पर बहस:

राहुल ने संसद में उठाया एलपीजी और तेल संकट का मुद्दा

नई दिल्ली : संसद में गुरुवार को देश में जारी उर्जा संकट को लेकर काफी हंगामा देखने को मिली। राहुल गांधी ने देश में जारी उर्जा संकट को लेकर केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधा। इस दौरान उन्होंने एपस्टीन का भी नाम लिया, जिससे संसद में हंगामा खड़ा हो गया। लोकसभा में गुरुवार को ईरान-इस्राइल युद्ध के चलते पैदा हुए उर्जा संकट पर राहुल गांधी ने सरकार पर निशाना साधा। राहुल गांधी ने ईरान युद्ध का उल्लेख करते हुए कहा कि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज बंद है। देश में एलपीजी को लेकर संकट है। स्ट्रीट वेंडर्स पर ज्यादा प्रभाव पड़ा है। अमेरिका कौन होता है हमें यह बताने वाला कि हम किससे तेल खरीदेंगे, किससे गैस खरीदेंगे? छोटे व्यापारी परेशान हो रहे हैं। राहुल गांधी में सदन में कहा कि हर कोई जानता है कि पश्चिम एशिया में युद्ध शुरू हो गया है। संयुक्त राज्य अमेरिका, इस्राइल और ईरान के बीच युद्ध चल रहा है। इस युद्ध के दूरगामी परिणाम होने वाले हैं। होर्मुज जलडमरूमध्य से दुनिया का लगभग 20 प्रतिशत तेल गुजरता है, उस मुख्य समुद्री रास्ते को बंद कर दिया गया है। इसका बहुत बड़ा असर पड़ेगा, खासकर हमारे देश पर, क्योंकि हमारे तेल और प्राकृतिक गैस का बहुत बड़ा हिस्सा इसी रास्ते से आता है। ट्रंप के बयान पर केंद्र पर भड़के राहुल गांधी राहुल गांधी ने आगे कहा कि मुश्किलें अभी बस शुरू हुई हैं। रेस्तरां बंद हो रहे हैं। एलपीजी को लेकर लोगों में घबराहट फैल रही है। सड़क पर सामान बेचने वाले लोग प्रभावित हो रहे हैं और जैसा मैंने कहा, यह सिर्फ शुरूआत है। किसी भी देश की बुनियाद उसकी ऊर्जा सुरक्षा होती है और मैं यह बात हल्के में नहीं कह रहा हूं, लेकिन अमेरिका को यह तय करने देना कि हम तेल किससे खरीदेंगे, गैस किससे खरीदेंगे, क्या हम रूस से तेल खरीद सकते हैं या नहीं और अलग-अलग तेल आपूर्तिकर्ता देशों के साथ हमारे संबंध कैसे होंगे, यह सब मानो सौदे में दे दिया गया है। ट्रंप के बयान को लेकर राहुल गांधी ने मोदी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि मेरे लिए यह हमेशा एक बहुत उलझाने वाली बात रही है कि भारत जैसा बड़ा देश किसी दूसरे देश को यह तय करने क्यों देगा कि हम किससे तेल खरीदें। क्यों किसी दूसरे देश के राष्ट्रपति हमें अनुमति दें कि हम रूस से तेल खरीद सकते हैं या नहीं और हमारे अंतरराष्ट्रीय संबंध कैसे होंगे। यह मेरे लिए एक पहेली रही है और मैं इस पहेली को समझने की कोशिश कर रहा हूं। राहुल ने उठाया एपस्टीन का मुद्दा राहुल गांधी ने कहा, ह्लमैंने इस पहेली को समझ लिया है और यह पहेली समझौते से जुड़ी हुई है। यहां हमारे बीच एक सज्जन बैठे हैं जो पेट्रोलियम मंत्री हैं। उन्होंने खुद कहा है कि वह मिस्टर एपस्टीन के दोस्त हैंङ्घ। गांधी ने कहा, मेरे पास एक दस्तावेज है, जिससे पता चलता है कि उनकी (पुरी की) बेटी को जॉर्ज सोरोस से पैसे मिले हैं। राहुल गांधी के इसी बयान पर लोकसभा में हंगामा हो गया। राहुल गांधी के इस बयान के बाद संसद में भारी हंगामा शुरू हो गया।

यूसीसी : न्याय, समानता और सच्चे धर्मनिरपेक्ष भारत की दिशा

भारत जैसे बहुलतावादी समाज में कानून और न्याय की व्यवस्था का सबसे बड़ा उद्देश्य यह होना चाहिए कि हर नागरिक को समान अधिकार और समान अवसर मिले। लेकिन वास्तविकता यह है कि आज भी विवाह, तलाक, उत्तराधिकार और पारिवारिक मामलों में अलग-अलग धर्मों के लिए अलग-अलग व्यक्तिगत कानून लागू हैं। इसी पृष्ठभूमि में सुप्रीम कोर्ट की हालिया टिप्पणी एक बार फिर समान नागरिक संहिता की आवश्यकता को रेखांकित करती है। मुस्लिम महिलाओं के उत्तराधिकार अधिकारों से जुड़े मामले की सुनवाई के दौरान सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट कहा कि ऐसी जटिलताओं का 'एकमात्र समाधान यूसीसी' हो सकता है। यह टिप्पणी केवल एक कानूनी दृष्टिकोण नहीं, बल्कि भारत के लोकतांत्रिक और संवैधानिक मूल्यों की दिशा में एक महत्वपूर्ण संकेत है। भारतीय संविधान के नीति-निर्देशक तत्वों में अनुच्छेद 44 के तहत राज्य को यह निर्देश दिया गया है कि वह नागरिकों के लिए एक समान नागरिक संहिता लागू करने का प्रयास करे। इसका उद्देश्य किसी धर्म विशेष को निशाना बनाना नहीं, बल्कि सभी नागरिकों के लिए समान और न्यायपूर्ण व्यवस्था स्थापित करना है। विडंबना यह है कि संविधान लागू होने के 75 वर्षों बाद भी यह लक्ष्य अधूरा है। इस बीच सर्वोच्च न्यायालय कई बार विभिन्न मामलों में यूसीसी की आवश्यकता पर जोर दे चुका है। शाह बानो प्रकरण से लेकर हाल के कई फैसलों तक न्यायालय ने संकेत दिया है कि अलग-अलग व्यक्तिगत कानून कई बार महिलाओं और कमजोर वर्गों के अधिकारों में बाधा बन जाते हैं। हालिया सुनवाई में भी न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची और मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने यह स्पष्ट किया कि व्यक्तिगत कानूनों को सीधे निरस्त करने से शून्य की स्थिति पैदा हो सकती है। इसलिए इस दिशा में पहल विधायिका को करनी होगी। अदालत का यह दृष्टिकोण महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह बताता है कि सुधार केवल न्यायिक आदेशों से नहीं बल्कि व्यापक राजनीतिक सहमति और कानून निर्माण की प्रक्रिया से ही संभव है। यूसीसी के पक्ष में सबसे बड़ा तर्क यह है कि यह लैंगिक समानता को मजबूत करेगा। आज कई व्यक्तिगत कानूनों में महिलाओं को पुरुषों के बराबर अधिकार नहीं मिलते। उत्तराधिकार, तलाक या बहुविवाह जैसे मुद्दों पर महिलाओं के साथ भेदभाव के उदाहरण सामने आते रहे हैं। यदि पूरे देश में एक समान कानून लागू होगा, तो हर महिला - चाहे वह किसी भी धर्म या समुदाय से हो - समान अधिकारों की हकदार होगी। यह संविधान के अनुच्छेद 14 और 15 में निहित समानता के सिद्धांत को वास्तविक रूप देगा। दूसरा महत्वपूर्ण पहलू भारत के धर्मनिरपेक्ष स्वरूप से जुड़ा है। सच्चे अर्थों में धर्मनिरपेक्षता का मतलब यह नहीं कि अलग-अलग समुदायों के लिए अलग-अलग कानून हों, बल्कि यह है कि राज्य सभी नागरिकों के साथ समान व्यवहार करे। यूसीसी लागू होने से नागरिकों की पहचान धर्म के आधार पर नहीं बल्कि समान अधिकारों वाले भारतीय नागरिक के रूप में होगी। इससे राष्ट्रीय एकता और सामाजिक समरसता भी मजबूत होगी। राजनीतिक स्तर पर भी यह विषय लंबे समय से चर्चा में रहा है। भारतीय जनता पार्टी ने इसे अपने वैचारिक एजेंडे में प्रमुख स्थान दिया है और कई मंचों से इसे लागू करने की बात कही है। इतिहास गवाह है कि सामाजिक सुधार अक्सर शुरुआत में विवादास्पद रहे हैं, पर अंततः उन्होंने समाज को अधिक न्यायपूर्ण बनाया है। आज जब भारत वैश्विक मंच पर एक सशक्त और आधुनिक राष्ट्र के रूप में उभर रहा है, तब यह अपेक्षा स्वाभाविक है कि उसके नागरिकों के अधिकार भी समान और स्पष्ट हों। समान नागरिक संहिता केवल एक कानूनी सुधार नहीं, बल्कि समानता, न्याय और सच्चे धर्मनिरपेक्ष भारत की दिशा में एक निर्णायक कदम है। अब समय आ गया है कि देश की राजनीति इस ऐतिहासिक जिम्मेदारी को स्वीकार करे और संविधान की इस अधूरी आकांक्षा को पूरा करने की दिशा में ठोस कदम उठाए।

न ईरान, न ही अमेरिका : भारत सिर्फ अपने हितों के साथ

सामयिक

बलबीर पुंज

गत दो सप्ताह से पश्चिमी एशिया भीषण युद्ध की आग में धधक रहा है। एक ओर इजराइल-अमेरिका का गठबंधन है, तो दूसरी ओर ईरान, जिसे प्रत्यक्ष-परोक्ष रूप से रूस और चीन की रणनीतिक सहानुभूति प्राप्त है। सभी पक्षों से भारत के कूटनीतिक-व्यापारिक संबंध हैं। ऐसे में भारत को क्या करना चाहिए और किसका पक्ष लेना चाहिए– इस प्रकार के प्रश्न देश के एक राजनीति वर्ग द्वारा उठाए जा रहे हैं। इस संदर्भ में कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी का एक अंग्रेजी समाचार-पत्र में आलेख प्रकाशित हुआ। इसमें उन्होंने ईरान के सर्वोच्च नेता अली हुसैनी खामेनेई की 'लक्षित हत्या' पर मोदी सरकार की तथाकथित 'चुप्पी' को 'परेशान करने वाला ', 'कर्तव्यहीनता' और 'न्याय का त्याग' करने वाला बताया। क्या वाकई ऐसा है? क्या यह सच नहीं कि इस पूरे घटनाक्रम में मोदी सरकार केवल राष्ट्रहित और अपने लोगों (प्रवासी भारतीय सहित) की सुरक्षा (ऊर्जा सुरक्षा समेत) को प्राथमिकता दे रही है?

खाड़ी देशों में जारी तनाव को लेकर दो बातें स्पष्ट है। पहली– इसमें नैतिकता की बात करना बेमानी है। दूसरा– युद्ध में दोनों ही पक्ष कोई संत नहीं है। भारतीय परंपरा में महाभारत का युद्ध केवल वीरता का ही नहीं, बल्कि युद्ध नियमों के टूटने का भी उदाहरण है। कौरवों ने चक्रव्यूह में फंसे अभिमन्यु पर कई योद्धाओं ने मिलकर हमला किया, जो युद्ध-नीति के विरुद्ध था। वहीं पांडवों ने भी भीष्म पितामाह के सामने शिखंडी को खड़ा करके उनका वध किया और द्रोणाचार्य को रोकने के लिए 'अश्वत्थामा हतः' का सहारा लिया। इसी तरह भीम ने दुर्योधन की जांघ पर, तो अर्जुन ने कर्ण के असहाय होने पर प्रहार किया।

ऐसे ही अमेरिका नीत गठबंधन और ईरान भी कोई दूध के धुले नहीं है। ईरान की मौजूदा सत्ता लंबे समय से देश के अंदर दमन और बाहर अस्थिरता फैलाने के आरोपों से घिरी है। 1979 की ईरानी क्रांति के बाद बनी इस्लामी व्यवस्था ने अपने कट्टरपंथी विचारों को शेष विश्व पर थोपने की नीति अपनाई। उसकी इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड्स (आईआरजीसी) की कुद्स फोर्स ने पश्चिम एशिया में कई जिहादी संगठनों को सहारा दिया। लेबनान में हिज्बुल्लाह और फिलिस्तीन में हमास जैसे जिहादी संगठन वर्षों से ईरान के टुकड़ों पर पल रहे हैं। वर्तमान ईरान का ध्येय समस्त विश्व का इस्लामीकरण है। इसलिए जब उसकी इस्लामी सत्ता के खिलाफ देश में महिला अधिकार केंद्रित प्रदर्शन हुए, तो उसे उसने कठोरता से रौंद दिया। स्वयं खामेनेई ने इस वर्ष हजारों प्रदर्शनकारियों को मौत के घाट उतारने की पुष्टि की थी।

दूसरी ओर, अमेरिका का इतिहास भी पूरी तरह नैतिकता से युक्त नहीं है। 1955 में उसने अपने सहयोगी देशों के साथ मिलकर वियतनाम में युद्ध शुरू किया, जो 20 वर्षों तक चला और लाखों लोगों की जान जाने के बाद भी विजयी नहीं हो पाया। 1971 में पूर्वी पाकिस्तान (वर्तमान बांग्लादेश) में बड़े पैमाने पर हिंसा और अत्याचार हो रहे थे, फिर भी अमेरिका ने पश्चिमी पाकिस्तान (वर्तमान पाकिस्तान) का समर्थन करके भारत के खिलाफ अपना विमानवाहक पोत बंगाल की खाड़ी में तैनात कर दिया। बावजूद इसके पाकिस्तान को भारत के हाथों शर्मनाक हार मिली। 1979-89 के बीच सोवियत संघ के

खिलाफ अफगानिस्तान में अमेरिका ने पाकिस्तान और सऊदी अरब के समर्थन से इस्लाम के नाम पर मुजाहिदीनों (ओसामा बिन लादेन सहित) को खड़ा किया। बाद में यही समूह तालिबान बना, जिसके खिलाफ भी अमेरिका ने न्यूयॉर्क के भीषण 9/11 आतंकी हमले (2001) के बाद अफगानिस्तान में युद्ध शुरू किया। लेकिन 20 वर्ष बाद उसी तालिबान से समझौता करके वापस चलता बना। यानि अमेरिका ने अपने रणनीतिक हितों को नैतिकता से ऊपर रखा– वेनेएजुला प्रकरण इसका ताजा उदाहरण है। अगर वाकई अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ईरान को कट्टरपंथी इस्लामी सत्ता से मुक्त करना चाहते हैं, तो वे पाकिस्तान की कट्टरपंथी सेना के साथ इतनी नजदीकी क्यों बढ़ा रहे है?

आज जब दुनिया के कई हिस्सों में तनाव और टकराव ग्रस्त हैं, तब भारत में इस विषय पर राजनीतिक बहस नाटकीय रूप लेता दिखाई देता है। कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व मध्यपूर्व एशिया की स्थिति पर मोदी सरकार की कथित 'चुप्पी' पर लच्छेदार शब्दों के साथ आलोचना कर रहा है। लेकिन तथ्य कुछ और ही कहानी बताते हैं। विदेश मंत्री एस. जयशंकर युद्ध से पहले और बाद भी अपने ईरानी समकक्ष से संपर्क बनाए हुए है। वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब, जॉर्डन और बहरीन जैसे इस्लामी देशों के नेताओं से भी बातचीत की हैं। भारत ने इस युद्ध में संयम बरतने, तनाव कम करने और आम नागरिकों की सुरक्षा पर बल दिया है। खाड़ी देशों में लगभग एक करोड़ भारतीय बसते हैं। ऐसे में जल्दबाजी में कोई कठोर बयान देना 'आग में घी डालने' जैसा हो सकता था। इसलिए भारत संतुलित और सोच-समझकर कदम उठा रहा है।

विडंबना यह भी है कि जिस खामेनेई के लिए आज कांग्रेस सहित एक राजनीतिक-वैचारिक कुनबे का कलेजा फटा जा रहा हैं, वे कई बार कश्मीर सहित कई विषयों पर भारत-विरोधी रूख अपना चुके थे। यह भी दिलचस्प है कि जब कांग्रेस के नेतृत्व वाली संप्रग गठबंधन (2004-14) सरकार सत्ता में थी, तब भारत ने तीन बार अमेरिकी-यूरोपीय दबाव में ईरान के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा अभिकरण (आईएईए) में मतदान किया था।

दरअसल, पिछले दशक में भारत की विदेश नीति में बड़ा बदलाव आया है। प्रधानमंत्री मोदी यहूदी राष्ट्र इजराइल की दो बार (2017 और 2026) ऐतिहासिक यात्रा कर चुके है और इसी दौरान खाड़ी में इस्लामी देशों के साथ भी उनके रिश्ते उच्चतम स्तर पर है। संदेश स्पष्ट है– भारत अब किसी एक खेमे का मोहरा नहीं है, बल्कि अपने हितों को सर्वोपरि रख रहा है। कोई संदेह नहीं कि अमेरिका-इजराइल और ईरान अपने-अपने उद्देश्यों को साधने में लगे है, जिस पर वैश्विक शांति, स्थिरता, नैतिकता, लोकतंत्र और मानवता का दिखावा रूपी मुलम्मा चढ़ाया जा रहा है। भारत के लिए सबसे समझदारी भरा रास्ता यही है कि वह राष्ट्रहितों, ऊर्जा सुरक्षा और नागरिकों की सुरक्षा को ऊपर रखे। यही व्यवहारिक और जिम्मेदार कूटनीति है।

(स्तंभकार 'ट्रिस्ट विद अयोध्या : डिकॉलोनाइजेशन ऑफ इंडिया' और 'नैरेटिव का मायाजाल' पुस्तक के लेखक है)

ओडिशा, मध्यप्रदेश और हिमाचल के आलोक में छत्तीसगढ़ धर्म स्वातंत्र्य विधेयक 2026

डिजिटल युग का कन्वर्जन और कठोर कानून

कैलाश चन्द्र

भारत में कन्वर्जन को लेकर विधिक संरचना पिछले पांच दशकों में निरंतर परिवर्तित होती रही है। राज्यों की सामाजिक-सांस्कृतिक परिस्थितियां, जनजातीय क्षेत्रों की संवेदनशीलता, विदेश-प्रेरित मिशनरी गतिविधियां और बदलती तकनीकी परिस्थितियां–इन सभी ने मिलकर धर्म-स्वातंत्र्य कानूनों को एक विशेष दिशा दी है। इसी पृष्ठभूमि में छत्तीसगढ़ धर्म स्वातंत्र्य विधेयक, 2026 सामने आया है, जो न केवल अवैध कन्वर्जन को रोकने के उद्देश्य से निर्मित है, बल्कि आधुनिक डिजिटल युग में उभरते नए रूपों की व्यापक पहचान भी करता है।

यदि इस विधेयक की तुलना देश के अन्य प्रमुख राज्यों-ओडिशा, मध्यप्रदेश और हिमाचल प्रदेश के कानूनों से की जाए, तो यह स्पष्ट दिखता है कि छत्तीसगढ़ ने अनुभव-संचित मॉडल को आधुनिकीकृत करते हुए कहीं अधिक कठोर और बहुआयामी विधिक संरचना विकसित करने का प्रयास किया है। इन तीनों राज्यों में ओडिशा सबसे पुराना मॉडल प्रस्तुत करता है, मध्यप्रदेश नवीनतम कठोरता और संरचनात्मक गहराई तथा हिमाचल प्रदेश डिजिटल माध्यमों और संस्थागत प्रचार की निगरानी का विशिष्ट ढांचा स्थापित करता है।

छत्तीसगढ़ ने इन तीनों के प्रमुख बिंदुओं को समाहित कर 2026 का जो मसौदा प्रस्तुत किया है, वह समकालीन चुनौतियों को देखते हुए अपराध की प्रकृति और दंड की कठोरता दोनों को नए आयाम देता है।

भारत में ऐसे कानूनों की ऐतिहासिक शुरुआत ओडिशा से हुई थी, जिसने 1967 में ओडिशा धर्म की स्वतंत्रता अधिनियम के माध्यम से बल, लोभ और कपट से होने वाले कन्वर्जन को रोकने का कानून बनाया। उस समय विधेयक का स्वरूप अत्यंत सरल था, और दंड भी सीमित रखे गए थे। यह उस दौर की सामाजिक परिस्थितियों के अनुरूप था, जब कन्वर्जन का मुख्य रूप ग्रामीण और जनजातीय क्षेत्रों में भौतिक प्रलोभन या कपटपूर्ण तरीकों के माध्यम से होता था। तकनीकी माध्यम, वैश्विक मिशनरी नेटवर्क या डिजिटल प्रचार अभी उभरने बाकी थे। इसलिए ओडिशा का मॉडल अपने समय में सर्वाधिक उपयुक्त माना गया, किन्तु आज के परिप्रेक्ष्य में वह कई सीमाओं से युक्त प्रतीत होता है।

इसके विपरीत, मध्यप्रदेश ने 1968 में कानून बनाकर एक प्रारंभिक ढांचा तो निर्मित किया, परंतु वास्तविक रूप से व्यापक संशोधनों का क्रम 2021 और 2022 में आरम्भ हुआ। इन संशोधनों में लव-जिहाद, धोखे से विवाह, लिव-इन संबंध में पहचान छुपाने, संगठित कन्वर्जन, और सामाजिक-डिजिटल दबाव जैसी आधुनिक समस्याओं को स्पष्ट रूप से परिभाषित किया गया। मध्यप्रदेश का कानून इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम था कि उसने कन्वर्जन के इरादे को पहचानने के लिए 'पूर्व अनुमति' की अवधारणा को कानूनी शक्ति प्रदान की। यह मॉडल कठोर नियंत्रण, पुलिस सत्यापन और विस्तृत प्रशासनिक प्रक्रिया पर आधारित है, जिसके कारण यह कई राजनीतिक वाद-विवादों का केंद्र भी बना, पर वस्तुतः इसका उद्देश्य संवेदनशील सामाजिक समूहों की रक्षा ही था।

हिमाचल प्रदेश ने 2006 में जो कानून बनाया, उसे 2019 में संशोधित करते हुए डिजिटल प्रचार, संस्थागत कन्वर्जन और विशेष अदालतों की अवधारणा शामिल की गई। यह पहला राज्य था जिसने स्वीकार किया कि कन्वर्जन का आधुनिक स्वरूप अब व्यक्तियों पर प्रत्यक्ष दबाव डालकर नहीं, बल्कि सोशल मीडिया, वीडियो सामग्री, ऑनलाइन मिशनरी कैंपेन, चैरिटेबल संस्थाओं द्वारा डिजिटल प्रलोभन तथा एनजीओ नेटवर्क के माध्यम से संचालित होने लगा है। इस प्रकार हिमाचल का मॉडल तकनीकी विवेचना में अग्रणी माना गया। इन तीनों पृष्ठभूमियों के आधार पर जब छत्तीसगढ़ धर्म स्वातंत्र्य विधेयक, 2026 सामने आया, तो यह विधेयक एक ऐसे समय में आया जब राज्य में संगठित कन्वर्जन को लेकर व्यापक जनचिंताएं उभर रही थीं। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में कैबिनेट द्वारा स्वीकृत यह मसौदा न केवल उपर्युक्त राज्यों के अनुभवों को सम्मिलित करता है, बल्कि उन चुनौतियों की पहचान भी करता है जिनके लिए भारतीय विधायी ढांचा अभी तक पूरी तरह तैयार नहीं था। उदाहरण के लिए, 'डिजिटल कन्वर्जन' की विस्तृत परिभाषा–जिसमें सोशल मीडिया अभियान, ऑनलाइन प्रचार, डिजिटल वादे और इंटरनेट-आधारित प्रलोभन को अवैध रूप में चिह्नित किया गया है–छत्तीसगढ़ को भारत का सबसे आधुनिक कानून बनाने वाली विशेषताओं में से एक है। छत्तीसगढ़ का विधेयक इसलिए भी विशिष्ट है कि इसमें सामूहिक कन्वर्जन के लिए आजीवन कारावास तक का दंड प्रस्तावित है। यह भारत में पहला ऐसा मसौदा है जिसमें संगठित, रैकेट-आधारित कन्वर्जन को 'सामाजिक और सांस्कृतिक सुरक्षा के विरुद्ध अपराध' के रूप में देखा गया है। यह दंड ओडिशा, मध्यप्रदेश और हिमाचल–तीनों से अत्यधिक कठोर है। इसी प्रकार, एससी/एसटी/ओबीसी, महिलाओं और नाबालिगों के संदर्भ में भी छत्तीसगढ़ ने 10 से 20 वर्ष तक की सजा तथा न्यूनतम 10 लाख रुपए के जुर्माने का प्रावधान रखा है। इस दृष्टि से यह विधेयक संवेदनशील समूहों को प्राथमिकता देता है और यह स्वीकार करता है कि अवैध कन्वर्जन प्रायः इन्हीं वर्गों को लक्ष्य बनाते हैं।

विधेयक का एक और उल्लेखनीय पहलू स्वेच्छिक कन्वर्जन के लिए निर्धारित प्रक्रिया है। इसमें 30 दिन पूर्व सूचना, सार्वजनिक प्रदर्शन, आपत्ति अवधि, तथा कन्वर्जन कराने वाले व्यक्ति या संस्था की रिपोर्टिंग–ये सभी कदम कन्वर्जन की प्रक्रिया को पारदर्शी और वैधानिक बनाने पर केंद्रित हैं। यह प्रावधान हिमाचल और मध्यप्रदेश के मॉडल से लिया तो गया है, पर छत्तीसगढ़ ने इसे अधिक व्यवस्थित और स्पष्ट रूप में लागू किया है। इसके साथ ही, अपराधों को संज्ञेय और अजमानतीय बनाना, विशेष न्यायालयों की व्यवस्था, और डिजिटल सबूतों की वैधानिक स्वीकार्यता का प्रावधान यह दर्शाता है कि कानून प्रवर्तन को मजबूत और त्वरित बनाने का उद्देश्य प्रमुख है। यह प्रक्रिया सुनिश्चित करती है कि अपराधों की जांच और न्यायिक कार्रवाई समय-सीमा में पूर्ण हो, और आरोपी तथा पीड़ित दोनों के अधिकार सुरक्षित रहें।

ऐसे विधेयकों पर राजनीतिक और वैचारिक स्तर पर चर्चा होना स्वाभाविक है। कुछ आलोचकों का मत है कि कठोरता बढ़ाने से धार्मिक स्वतंत्रता प्रभावित हो सकती है। वहीं समर्थक कहते हैं कि अवैध, संगठित और वित्तीय-डिजिटल माध्यमों से फैल रही कन्वर्जन गतिविधियां केवल व्यक्तिगत चयन का मामला नहीं रह जातीं, बल्कि वे समाज की सांस्कृतिक संरचना, सुरक्षा और सामुदायिक संतुलन को प्रभावित करती हैं।

(लेखक सामाजिक कार्यकर्ता एवं स्तंभकार हैं)

विचारबोध

नारीत्व या नारीवाद : संतुलन की खोज

डॉ. समीक्षा नायक

वर्तमान समय में महिला सशक्तिकरण पर होने वाली बहस अक्सर एक संघर्ष के रूप में प्रस्तुत की जाती है–नारीत्व बनाम नारीवाद, परंपरा बनाम प्रगति, संस्कृति बनाम अधिकार। सार्वजनिक विमर्श, विशेषकर सोशल मीडिया के युग में, इन द्वंद्वों को और अधिक तीव्र कर देता है। 'वोक फेमिनिज्म' जैसे शब्द इस चर्चा को विचारशील संवाद से अधिक वैचारिक ध्रुवीकरण की ओर ले जाते प्रतीत होते हैं। किंतु प्रश्न यह है कि क्या वास्तव में यह संघर्ष है, या यह असंतुलन की अभिव्यक्ति है? संभवतः वास्तविक चुनौती विरोध में नहीं, बल्कि संतुलन के अभाव में निहित है।

नारीत्व को प्रायः बाह्य रूप, कोमलता या निष्क्रियता के संदर्भ में सीमित कर दिया जाता है, जबकि उसका वास्तविक अर्थ कहीं अधिक गहरा और व्यापक है। नारीत्व एक आंतरिक चेतना है–भावनात्मक बुद्धिमत्ता, करुणा, सहज प्रज्ञा, मातृत्व शक्ति और साहस का समन्वित स्वरूप। भारतीय दार्शनिक परंपरा में इसे कभी दुर्बलता का पर्याय नहीं माना गया, बल्कि 'शक्ति' के रूप में प्रतिष्ठित किया गया है–एक ऐसी गतिशील ऊर्जा जो सृजन, संरक्षण और संतुलन का आधार है। दुर्गा में शक्ति और संरक्षण, सरस्वती में ज्ञान और प्रज्ञा तथा लक्ष्मी में समृद्धि और संतुलन–ये प्रतीक केवल धार्मिक आख्यान नहीं, बल्कि नारीत्व के बहुआयामी स्वरूप की सांस्कृतिक अभिव्यक्तियां हैं। समस्या नारीत्व में नहीं है, समस्या तब उत्पन्न होती है जब उसे मौन, समर्पण और सीमित भूमिकाओं तक सीमित कर दिया जाता है। इसी ऐतिहासिक और सामाजिक संदर्भ में नारीवाद का उद्भव हुआ। अपने मूल स्वरूप में नारीवाद संस्कृति-विरोधी आंदोलन नहीं था, वह संवैधानिक समानता, गरिमा और अवसर की मांग का स्वर था। विश्व स्तर पर महिलाओं ने मताधिकार, समान वेतन, हिंसा से सुरक्षा और शारीरिक स्वायत्तता की कानूनी मान्यता के लिए संघर्ष किया। इस दृष्टि से नारीवाद न्याय की

आकांक्षा था–ऐसी व्यवस्था का आग्रह जिसमें स्त्री की स्वतंत्रता और सुरक्षा सुनिश्चित हो। यह संवैधानिक मूल्यों के साथ सामंजस्य स्थापित करने का प्रयास था, न कि सामाजिक ताने-बाने को विखंडित करने का उद्देश्य।

समय के साथ नारीवाद के स्वरूप में परिवर्तन आया। समकालीन विमर्श में 'वोक नारीवाद' शब्द का प्रयोग उस सक्रियता के लिए किया जाता है जो पहचान-आधारित राजनीति, अंतर्विभाजकता (इंटरसेक्शनैलिटी) और संरचनात्मक असमानताओं को केंद्र में रखती है। यह दृष्टि हाशिये पर खड़े समूहों की आवाज को प्रमुखता देती है और स्थापित सत्ता-संरचनाओं को चुनौती देती है। जागरूकता और संवेदनशीलता की यह प्रवृत्ति अपने आप में महत्वपूर्ण है। तथापि, कुछ परिस्थितियों में यह भी देखा गया है कि जब सक्रियता संवाद की जगह बहिष्कार को स्थान देने लगती है, और असहमति को उत्पीड़न की संज्ञा दी जाने लगती है, तब वैचारिक कठोरता जन्म लेती है। परिणामस्वरूप, विमर्श की संभावनाएं संकुचित हो जाती हैं और समाज में ध्रुवीकरण गहरा सकता है। आज सशक्तिकरण को प्रायः बाहरी उपलब्धियों से मापा जाता है–वेतन, कॉर्पोरेट पद, राजनीतिक प्रतिनिधित्व, या सोशल मीडिया पर दृश्यता। निःसंदेह ये उपलब्धियां महत्वपूर्ण हैं और ऐतिहासिक असमानताओं के परिप्रेक्ष्य में इनका महत्व अस्वीकार नहीं किया जा सकता। परंतु यदि सशक्तिकरण को केवल बाह्य उपलब्धियों तक सीमित कर दिया जाए, तो आंतरिक विकास उपेक्षित रह सकता है। जब उपलब्धि आत्म-सामंजस्य का स्थान ले लेती है, जब दृश्यता आत्म-जागरूकता से बड़ी हो जाती है, और जब प्रतिस्पर्धा समुदाय-बोध को पीछे छोड़ देती है, तब एक प्रकार का आंतरिक शून्य उत्पन्न हो सकता है। भावनात्मक आधार के बिना आर्थिक स्वतंत्रता अधूरी है, और आत्म-परिचय के बिना सार्वजनिक शक्ति की सार्थकता सीमित रह जाती है।

वास्तविक सशक्तिकरण बाह्य और आंतरिक आयामों के संतुलन में निहित है। भावनात्मक दृढ़ता, आध्यात्मिक स्पष्टता, सामुदायिक जुड़ाव और नैतिक उत्तरदायित्व–ये सभी तत्व उस शक्ति को गहराई प्रदान करते हैं जो केवल पद या प्रतिष्ठा से प्राप्त नहीं होती। लोकतांत्रिक व्यवस्था में अधिकार मौलिक हैं, किंतु अधिकार और उत्तरदायित्व का संतुलन भी उतना ही आवश्यक है। जब स्वतंत्रता के साथ दायित्व, अभिव्यक्ति के साथ संवेदनशीलता और स्वायत्तता के साथ सामाजिक कर्तव्य का बोध जुड़ता है, तभी स्थायी प्रगति संभव होती है। सुधार का मार्ग संवाद और विवेक से होकर गुजरता है, न कि अंध अस्वीकृति से।

यह भी स्पष्ट होना चाहिए कि सांस्कृतिक पहचान और संवैधानिक समानता परस्पर विरोधी अवधारणाएं नहीं हैं। सांस्कृतिक पहचान व्यक्ति को जड़ें देती है, आत्मिक पोषण प्रदान करती है, संवैधानिक समानता उसकी गरिमा और अधिकारों की रक्षा करती है। लक्ष्य किसी एक को चुनना नहीं, बल्कि दोनों के बीच सामंजस्य स्थापित करना है। सशक्तिकरण का अर्थ न तो सांस्कृतिक पहचान का लोप है, और न ही वैध शिकायतों का दमन। यह समेकन की प्रक्रिया है–जहां परंपरा और प्रगति परस्पर संवाद में हों, विरोध में नहीं।

वास्तविक संघर्ष नारीत्व और नारीवाद के बीच नहीं है, वह विखंडन और समेकन के बीच है। एक स्त्री नेतृत्व कर सकती है और साथ ही परंपरा को संजो सकती है, वह निश्चयात्मक भी हो सकती है और पोषण भी। वह समय के साथ चल सकती है, पर अपनी जड़ों से विच्छिन्न हुए बिना। इन आयामों को किसी कठोर लेबल में बांधना आवश्यक नहीं। स्त्री की पहचान बहुआयामी है, और उसका सशक्तिकरण भी उसी बहुआयामिता में पूर्ण होता है। महिला सशक्तिकरण का भविष्य ऊंची आवाजों की प्रतिस्पर्धा में नहीं, बल्कि गहरे संतुलन की स्थापना में निहित है। जब नारीत्व गहराई प्रदान करता है, सांस्कृतिक पहचान जड़ें देती है, और संवैधानिक समानता उसे संरचना प्रदान करती है, तब सशक्तिकरण केवल एक नारा नहीं रह जाता–वह एक समग्र, संतुलित और स्थायी सामाजिक दृष्टि का रूप ले लेता है।

(लेखिका पंचकन्या की निदेशक एवं समाज सेविका हैं)

जनमानस

शर्मनाक कृत्य

राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के प्रोटोकालीन अव्यवस्था और अंतरराष्ट्रीय संथाल सम्मेलन में विभिन्न प्रदेशों से आने वाले जनजातीय समाज के लोगों को रोकने पर 'ममता को छोटी बहन' कहकर नाराजगी जताई। प्रधानमंत्री ने ममता बनर्जी के अव्यवहारिक बर्ताव और राष्ट्रपति के अपमान को शर्मनाक बताया। राष्ट्रपति के साथ देश की गरिमा का भी सवाल उठता है। हर जगह राजनीति या तुच्छ राजनीति नहीं चलती यह ममताजी को समझना चाहिए और भविष्य में इसका ख्याल रखना चाहिए। **- शकुंतला नेनावा**

कैंसर की भी वैक्सीन हो

डेंगू के बढ़ते मामलों के बीच भारत की एक वैक्सीन आखिरी चरण के ट्रायल में पहुंच गई है। अगर सबकुछ अनुकूल रहा तो डेंगू के डंक पर करारा प्रहार होना है। पैनासिया बायोटेक की वैक्सीन डेंगीऑल का फेज -3 ट्रायल चल रहा है। आंकड़ों पर नजर डाले तो भारत मे 2021 से अबतक 10 लाख से ज्यादा केस और कम से कम 1500 मौतें दर्ज की गई है। डेंगू का कहर ना बरपे इस हेतु वैक्सीन वरदान साबित होगी। नतीजे अनुकूल रहे तो इसे अगले साल तक लांच किया जा सकता है। यह दुनिया की शुरुआती सिंगल डोज डेंगू वैक्सीन में शामिल हो सकती है। कुछ भी प्रयास सार्थक है ऐसी कई बीमारियां स्वास्थ्य विभाग के लिए चुनौती बनी है। कैंसर जैसे जानलेवा बीमारी पर नजर डाले तो आंकड़े डराने वाले लगते है। स्वास्थ्य विभाग में कैंसर जैसी जानलेवा बीमारी पर भी शोध अनुसंधान कर वैक्सीन बनाना चाहिए। डॉक्टरों, शिक्षाविदों और वैज्ञानिक वर्ग ने संज्ञान में लेकर जानलेवा बीमारियों पर शोध करके कारगर रणनीति भी तैयार करनी चाहिए। **- योगेश जोशी**

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक **''गिलेडविन मसीह''** के लिए **''बुलंद मंज़िल''** हिन्दी दैनिक ए.एच. प्रिन्टर्स, सीधी सराय, असालतपुरा मुरादाबाद मे मुद्रित कराकर कार्यालय बुलंद मंज़िल शंकर कॉलेज चौराहा, राजा मार्केट, प्रथम तल, जनपद संभल से वितरित किया गया। इस अंक में प्रकाशित समाचारों में खबरों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी०आर०वी० एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद सम्भल न्यायालय के अधीन होंगे।
PRGI NO. - UPBIL/25/A4797- Contect No.- 8630704122

झटका मशीन बनी काल: खेत पर किसान की करंट से मौत

दैनिक बुलंद मंज़िल

रहरा ब्यूरो। थाना क्षेत्र के गांव बिहारीपुर में बुधवार की शाम को एक दर्दनाक हादसे में किसान की करंट लगने से मौत हो गई। घटना से परिवार में कोहराम मच गया और पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई। मृतक किसान अपने परिवार का इकलौता सहारा था, जिसकी अचानक मौत से परिजन गहरे सदमे में हैं। जानकारी के अनुसार गांव बिहारीपुर निवासी 40 वर्षीय किसान अजय पाल बुधवार की सुबह अपने खेत पर फसल को पानी लगाने के लिए घर से निकले थे। परिजनों के मुताबिक वह रोज की तरह खेत पर सिंचाई करने गए थे, लेकिन दोपहर तक घर वापस नहीं लौटे। काफी देर तक कोई सूचना न मिलने पर परिवार के लोगों को चिंता होने लगी। इसके बाद उनका बेटा पिता को देखने के लिए खेत पर पहुंचा। खेत पर पहुंचते ही बेटे की नजर मेड़ के पास पड़े अजय पाल पर पड़ी। वह जमीन पर अचेत अवस्था में पड़े थे और उनका शरीर खेत की सुरक्षा के लिए लगाए गए झटका मशीन के तारों से सटा हुआ था। यह दृश्य देखते ही बेटे की चीख निकल गई। शोर सुनकर आसपास के किसान और ग्रामीण भी मौके पर पहुंच गए। ग्रामीणों ने तुरंत घटना की जानकारी परिवार और पुलिस को दी। सूचना मिलते ही रहरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरते हुए पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। पुलिस का कहना है कि प्रथम दृष्टया मामला करंट लगने से मौत का प्रतीत हो रहा है, हालांकि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों की पुष्टि हो सकेगी।

शव के पास रोते बिलखते परिजन

मृतक का फाइल फोटो

मृतक अजय पाल बटाई पर खेती कर अपने परिवार का भरण-पोषण करते थे। उनके परिवार में पत्नी सुनीता के अलावा तीन बेटियां और दो बेटे हैं। अजय पाल की अचानक मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। पत्नी और बच्चों का रो-रोकर बुरा हाल है। गांव के लोगों के अनुसार अजय पाल मेहनती और मिलनसार स्वभाव के व्यक्ति थे। उनकी असामयिक मौत से पूरे गांव में शोक का माहौल है और लोग परिवार को ढांढस बंधाने में लगे हुए हैं। प्रशासन भी मामले की जांच में जुटा हुआ है।

चामुंडा मंदिर के दान पात्र से चोरी का खुलासा, 24 घंटे में दो आरोपी पुजारी गिरफ्तार

दैनिक बुलंद मंज़िल

आदमपुर ब्यूरो। थाना क्षेत्र में स्थित ग्राम गारवपुर उर्फ रुस्तमपुर के चामुंडा मंदिर के दान पात्र से हुई चोरी की घटना का पुलिस ने महज 24 घंटे के भीतर खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी की नगदी और दान पात्र तोड़ने में इस्तेमाल किए गए औजार भी बरामद किए हैं।

पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनन्द के निर्देशन में अपराध और अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश भदौरिया के मार्गदर्शन तथा क्षेत्राधिकारी हसनपुर पंकज कुमार त्यागी के निकट पर्यवेक्षण में थाना आदमपुर पुलिस ने प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार सिंह के नेतृत्व में मामले का खुलासा किया।

बताया गया कि ग्राम गारवपुर उर्फ रुस्तमपुर स्थित चामुंडा मंदिर के दान पात्र से चोरी होने के संबंध में थाना आदमपुर में धारा 305 बीएनएस के तहत अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था। पुलिस टीम ने मामले की जांच करते हुए त्वरित कार्रवाई की और दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों में रघुवीर पुत्र किशनलाल, हाल निवासी चामुंडा मंदिर ग्राम गारवपुर उर्फ रुस्तमपुर थाना आदमपुर जनपद अमरोहा (मूल निवासी ग्राम भटौला थाना केला देवी जनपद संभल) तथा अनिल कुमार पुत्र हरचरन सिंह निवासी ग्राम हिसामपुर थाना नखासा जनपद संभल शामिल हैं।

पुलिस ने आरोपी रघुवीर के कब्जे से 8500 रुपये तथा आरोपी अनिल कुमार के कब्जे से 6240 रुपये बरामद किए। इस प्रकार कुल 14,740 रुपये की नगदी बरामद हुई है। इसके अलावा पुलिस ने दान पात्र और उसे तोड़ने में इस्तेमाल किए गए औजार, जिनमें हथौड़ा और छैनी शामिल हैं, भी बरामद किए हैं।

पुलिस के अनुसार दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर संबंधित धाराओं में कार्रवाई करते हुए न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है। गिरफ्तारी करने वाली टीम में उपनिरीक्षक रामनिवास, हेड कांस्टेबल दिनेश कुमार, कांस्टेबल अजय कुमार तथा कांस्टेबल अंकित कपासिया शामिल रहे। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि क्षेत्र में कानून व्यवस्था बनाए रखने और अपराध पर अंकुश लगाने के लिए इस तरह के अभियान आगे भी लगातार जारी रहेंगे।

डिडौली थाने में हंगामा, काउंसलिंग के बीच मारपीट से मची अफरा-तफरी

दैनिक बुलंद मंज़िल

डिडौली ब्यूरो। थाना परिसर में गुरुवार को काउंसलिंग के दौरान दो पक्षों के बीच कहासुनी के बाद मारपीट हो गई। घटना में एक ही परिवार के चार लोग घायल हो गए। पीड़ित पक्ष ने थाने में तहरीर देकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी अपनी साली की काउंसलिंग के सिलसिले में गुरुवार को थाना डिडौली पहुंचा था। उसके साथ उसका साला वसीम अहमद, साली उजमा और पत्नी खुशनुमा भी मौजूद थे। बताया गया कि काउंसलिंग मिशन शक्ति काउंटर पर चल रही थी। इसी दौरान विपक्षी पक्ष के रियाज पुत्र दिलशाद अली और दिलशाद अली पुत्र हाजी अब्दुल रब निवासी ग्राम नीलोखेड़ी थाना डिडौली भी वहां मौजूद थे।

आरोप है कि करीब तीन बजे किसी बात को लेकर दोनों पक्षों के बीच कहासुनी हो गई। पीड़ित पक्ष का आरोप है कि रियाज और दिलशाद ने गाली-गलौच शुरू कर दी। जब उन्हें गाली देने से मना किया गया तो दिलशाद ने अपने बेटे रियाज को मारपीट के लिए उकसाया और जान से मारने की धमकी दी।

पीड़ित के अनुसार रियाज ने थाने में पड़ी ईंट उठाकर उसके मुंह पर वार कर दिया, जिससे वह घायल हो गया। वहीं दिलशाद ने भी उस पर हमला करते हुए दांतों से काट लिया। बीच-बचाव करने आई पत्नी खुशनुमा, साली उजमा और साला वसीम के साथ भी आरोपियों ने मारपीट कर दी, जिससे चारों लोगों को चोटें आई हैं। घटना के बाद पीड़ित पक्ष ने थाना डिडौली में तहरीर देकर मेडिकल परीक्षण कराने और आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

अमरोहा के आयुष्मान आरोग्य मंदिर बने प्रदेश में नंबर वन, तीन महीने में 2.44 लाख मरीजों का हुआ इलाज

दैनिक बुलंद मंज़िल/ असलम सैफी जिला प्रभारी

अमरोहा। स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में जनपद ने पूरे प्रदेश में अपनी अलग पहचान बनाई है। जिले के आयुष्मान आरोग्य मंदिरों को बेहतरीन प्रदर्शन के आधार पर उत्तर प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है। जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स की नियमित मॉनिटरिंग और स्वास्थ्य विभाग के प्रभावी प्रबंधन के चलते यह उपलब्धि संभव हो सकी है। पिछले तीन महीनों में इन केंद्रों के माध्यम से कुल 2 लाख 44 हजार 392 मरीजों को उपचार और स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की गई हैं। इससे ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को बड़ी राहत मिली है, क्योंकि अब छोटी-मोटी बीमारियों के इलाज और जांच के लिए उन्हें शहरों के अस्पतालों के चक्कर नहीं लगाने पड़ रहे हैं।

निधि गुप्ता वत्स जिलाधिकारी अमरोहा

जिले में इस समय कुल 194 आयुष्मान आरोग्य मंदिर चिन्हित किए गए हैं, जिनमें से 156 केंद्रों पर शासन द्वारा कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर की तैनाती की गई है। ये सीएचओ ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। इन केंद्रों को आधुनिक सुविधाओं से लैस किया गया है, जहां मरीजों का डिजिटल हेल्थ रिकॉर्ड तैयार किया जाता है और टेलीमेडिसिन के माध्यम से विशेषज्ञ डॉक्टरों से भी परामर्श की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। प्रत्येक आरोग्य मंदिर पर रोजाना औसतन 20 से 25 मरीज इलाज के लिए पहुंच रहे हैं। यहां सबसे अधिक मरीज मौसमी बीमारियों, सर्दी-खांसी, आंखों की समस्या, ईएनटी से संबंधित रोग, जोड़ों के दर्द, गैस्ट्रिक और एलर्जी जैसी शिकायतों के साथ आते हैं।

इसके अलावा इन केंद्रों पर गर्भवती महिलाओं और बच्चों की नियमित जांच व देखभाल की व्यवस्था भी की गई है। संचारी और गैर संचारी रोगों के प्रबंधन के साथ-साथ टीबी और कुष्ठ रोग से पीड़ित मरीजों की निगरानी भी की जाती है। मरीजों की सुविधा के लिए यहां मलेरिया, डेंगू, एचआईवी, ब्लड शुगर सहित कुल 14 प्रकार की जरूरी जांचें निशुल्क उपलब्ध कराई जा रही हैं।

स्वास्थ्य विभाग इलाज के साथ-साथ बीमारियों की रोकथाम और जागरूकता पर भी विशेष ध्यान दे रहा है। गांवों में वेलनेस कैलेंडर के अनुसार समय-समय पर स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, जिनमें जनसमुदाय की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है।

जिलाधिकारी द्वारा स्वास्थ्य सेवाओं की नियमित समीक्षा, अधिकारियों का क्षेत्रीय भ्रमण और कार्यों में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए पोर्टल का डेटा व्हाट्सएप के माध्यम से साझा करने जैसी व्यवस्थाओं ने भी इस सफलता में अहम भूमिका निभाई है। स्वास्थ्य विभाग का लक्ष्य है कि भविष्य में भी इसी तरह बेहतर कार्य करते हुए ग्राम सभाओं और वीएचएसएनसी के सहयोग से स्वास्थ्य सेवाओं को गांव-गांव तक प्रभावी ढंग से पहुंचाया जाए और जागरूकता कार्यक्रमों को और तेज किया जाए।

घर में घुसकर महिला से मारपीट, जान से मारने की धमकी : पुलिस ने दर्ज किया मुकदमा

दैनिक बुलंद मंज़िल

नौगांवा सादात ब्यूरो। थाना क्षेत्र के नगंली शेख गांव में पड़ोसियों द्वारा घर में घुसकर महिला के साथ मारपीट करने का मामला सामने आया है। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार नगंली शेख गांव निवासी शमशीदा पत्नी नासिर अली ने थाना नौगांवा सादात में दी गई तहरीर में बताया कि 10 मार्च को उसकी बेटी शेहरीन घर के पास स्थित एक दुकान से सामान लेने गई थी। आरोप है कि उसी दौरान पड़ोस में रहने वाली शबनम पत्नी नाजिम और नाम पुत्र शाहबुद्दीन ने उसकी बेटी को बुरा-भला कहना शुरू कर दिया। बेटी ने घर लौटकर पूरी घटना अपनी मां को बताई।

पीड़िता का कहना है कि जब वह इस मामले को लेकर पड़ोसियों के पास गई और उन्हें समझाया कि उसकी बेटी को बेवजह अपशब्द न कहें, तो दोनों आरोपी भड़क गए। आरोप है कि इसके बाद शबनम और नाम उसके घर में घुस आए और लाठी-डंडों से उस पर हमला कर दिया। इस दौरान उसके शमशीदा के अनुसार मारपीट के दौरान आरोपियों ने उसे जान से मारने की धमकी भी दी और मौके से फरार हो गए। घटना के बाद पीड़िता ने थाना नौगांवा सादात पहुंचकर पुलिस को लिखित तहरीर दी और आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने पीड़िता की तहरीर के आधार पर आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। थाना पुलिस का कहना है कि मामले की जांच शुरू कर दी गई है और जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उसके आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी। स्थानीय लोगों के मुताबिक दोनों पक्षों के बीच पहले भी कहासुनी की घटनाएं सामने आती रही हैं। हालांकि इस बार मामला मारपीट तक पहुंच गया, जिससे क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है। पुलिस का कहना है कि आरोपियों की भूमिका की जांच की जा रही है और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

हसनपुर में यातायात पुलिस का विशेष अभियान, अतिक्रमण हटाया और नो-पार्किंग में खड़े वाहनों के चालान

दैनिक बुलंद मंजिल

रवि कुमार हसनपुर। पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद के निर्देशन में गुरुवार को यातायात पुलिस ने कोतवाली हसनपुर क्षेत्र में यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए विशेष अभियान चलाया। इस दौरान सड़क किनारे किए गए अतिक्रमण को हटवाया गया और नो-पार्किंग में खड़े वाहनों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए चालान किए गए। यातायात प्रभारी राजेन्द्र कुमार ने हमराही कर्मचारियों के साथ हसनपुर नगर के संभल चौराहा और अतरासी तिराहा क्षेत्र में अभियान चलाया। यहां सड़क पर फल और अन्य सामान के ठेले लगाकर किए जा रहे अतिक्रमण को हटवाया गया, जिससे मार्ग पर हो रही अव्यवस्था को समाप्त किया जा सके। पुलिस टीम ने अतिक्रमण करने वालों को भविष्य में सड़क पर सामान न लगाने की चेतावनी भी दी। इसके साथ ही हसनपुर अड्डा क्षेत्र में नो-पार्किंग में खड़े वाहनों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए कई वाहनों के चालान किए गए। पुलिस ने वाहन चालकों को यातायात नियमों का पालन करने और निर्धारित स्थानों पर ही वाहन खड़ा करने की हिदायत दी, ताकि नगर में यातायात व्यवस्था बेहतर बनी रहे। वहीं शाह विलायत चौराहे पर लगने वाले उर्स मेले के चलते संभावित जाम की स्थिति को देखते हुए यातायात प्रभारी ने पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचकर यातायात को सुचारू रूप से संचालित कराया। मेले के प्रबंधक से सहयोग लेते हुए छह वालंटियर भी लगाए गए हैं, जो पुलिस के साथ मिलकर वाहनों की आवाजाही को नियंत्रित कर रहे हैं। अमरोहा पुलिस ने आमजन से अपील की है कि सड़क पर अतिक्रमण न करें और यातायात नियमों का पालन करें, जिससे सभी के लिए सुरक्षित और सुगम यातायात व्यवस्था सुनिश्चित हो

नौगावां सादात पुलिस ने जानलेवा हमले के आरोपी को किया गिरफ्तार

दैनिक बुलंद मंज़िल

सैद नगली ब्यूरो। जनपद में अपराध एवं अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना नौगावां सादात पुलिस को एक अहम सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने जान से मारने की नीयत से हमला करने के मामले में नामजद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनन्द के निर्देशन में चलाए जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश सिंह भदौरिया के मार्गदर्शन तथा क्षेत्राधिकारी नौगावां सादात अवधभान सिंह भदौरिया व क्षेत्राधिकारी अभिषेक कुमार यादव के निकट पर्यवेक्षण में यह कार्रवाई की गई। प्रभारी निरीक्षक बालेन्द्र कुमार के नेतृत्व में थाना नौगावां सादात पुलिस टीम ने आरोपी को दबोच लिया।

पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी की पहचान शमशाद पुत्र शमसूदीन निवासी ग्राम सैदपुर इम्मा थाना नौगावां सादात जनपद अमरोहा के रूप में हुई है। आरोपी के खिलाफ थाना नौगावां सादात में मुकदमा अपराध संख्या 79/2026 दर्ज है। यह मुकदमा भारतीय न्याय संहिता की धारा 115(2), 351(2), 352 और 109 के तहत पंजीकृत किया गया है। पुलिस के मुताबिक आरोपी ने जान से मारने की नीयत से हमला किया था, जिसकी तहरीर मिलने के बाद मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई थी। पुलिस टीम ने तत्परता दिखाते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आवश्यक विधिक कार्रवाई करते हुए उसे न्यायालय के समक्ष पेश करने के लिए भेज दिया है।

उधार के पैसे मांगने पर युवक पर सरिये से हमला, गंभीर हालत में हायर सेंटर रेफर

दैनिक बुलंद मंजिल

हसनपुर। नगर में उधार दिए गए रुपये वापस मांगना एक युवक को भारी पड़ गया। बकाया धनराशि मांगने पर दबंग युवक ने उस पर लोहे के सरिये से हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल युवक को प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उसकी नाजुक हालत को देखते हुए हायर सेंटर रेफर कर दिया है। घटना के बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला ईदगाह रोड निवासी सद्दाम पुत्र अबरार ने चामुंडा रोड निवासी शाहरुख पुत्र समसू को कुछ समय पहले रुपये उधार दिए थे। आरोप है कि जब सद्दाम अपने पैसे वापस लेने के लिए शाहरुख के पास पहुंचा तो उसने रुपये लौटाने के बजाय गाली-गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर आरोपी शाहरुख ने लोहे के सरिये से सद्दाम पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया। हमले में सद्दाम के सिर सहित शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आईं और वह लहूलुहान होकर जमीन पर गिर पड़ा। आसपास मौजूद लोगों और परिजनों ने उसे तत्काल उठाकर कोतवाली पहुंचाया और पुलिस को घटना की लिखित तहरीर दी। इसके बाद पुलिस ने घायल को मेडिकल परीक्षण के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा, जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया। कस्बा चौकी इंचार्ज राम प्रकाश ने बताया कि पुलिस मामले की जांच कर रही है। तहरीर और मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर आरोपी के खिलाफ सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

CMYK

न्यायालय के वारंट पर कार्रवाई, पुलिस ने आरोपी को पकड़ा

दैनिक बुलंद मंज़िल
नौगांवा सादात ब्यूरो। अपराध एवं अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना नौगावां सादात पुलिस को सफलता मिली है। पुलिस टीम ने एक वारंटी अभियुक्त को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया है। पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनन्द के निर्देश पर जनपद भर में अपराधियों की धरपकड़ के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश सिंह भदौरिया के मार्गदर्शन तथा क्षेत्राधिकारी नौगावां सादात अवधभान सिंह भदौरिया और क्षेत्राधिकारी अभिषेक कुमार यादव के निकट पर्यवेक्षण में थाना नौगावां सादात पुलिस ने कार्रवाई की। प्रभारी

निरीक्षक बालेन्द्र कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने वारंटी अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार अभियुक्त अनीश पुत्र मसीबउल्ला निवासी ग्राम बीलना, कस्बा व थाना नौगावां सादात जनपद अमरोहा का रहने वाला है। उसके खिलाफ मुकदमा संख्या 1751/2025 में धारा 188, 270, 269 भादवि व महामारी अधिनियम की धारा 3 के तहत न्यायालय एसीजीएम प्रथम अमरोहा में मामला दर्ज है।

बताया गया कि अभियुक्त काफी समय से न्यायालय में पेश नहीं हो रहा था, जिसके चलते उसके विरुद्ध वारंट जारी किया गया था। पुलिस टीम ने उसे गिरफ्तार कर आवश्यक कार्रवाई पूरी करते हुए माननीय न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया। पुलिस का कहना है कि जनपद में अपराधियों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और फरार व वारंटी अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए सघन कार्रवाई की जाएगी।

गैस एजेंसी के बाहर उपभोक्ताओं की लगी लंबी कतार भाकियू (बीआर अंबेडकर) का प्रदर्शन

दैनिक बुलंद मंजिल
हसनपुर। तहसील क्षेत्र में रसोई गैस की भारी किल्लत से उपभोक्ताओं को गंभीर परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। गुरुवार सुबह से ही बड़ी संख्या में लोग खाली गैस सिलेंडर लेकर सचिन गैस एजेंसी के गोदाम के बाहर पहुंच गए। गैस लेने के लिए उपभोक्ताओं की लंबी कतारें लग गईं, जिससे पूरे क्षेत्र में अव्यवस्था का माहौल बन गया। कई लोग घंटों लाइन में लगने के बावजूद गैस सिलेंडर नहीं मिलने से निराश होकर लौटने को

मजबूर हुए।

गैस आपूर्ति में आ रही इस समस्या को लेकर भारतीय किसान यूनियन (बीआर अंबेडकर) ने मोर्चा खोल दिया। यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष दिग्विजय भाटी के नेतृत्व में संगठन के पदाधिकारी गैस एजेंसी गोदाम पर पहुंचे और प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने गैस की कालाबाजारी और मनमाने दामों पर बिक्री का आरोप लगाते हुए प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। दिग्विजय भाटी ने कहा कि रमजान के पवित्र महीने में लोगों को रसोई गैस की अधिक जरूरत होती है, लेकिन उपभोक्ता सुबह से ही लाइनों में खड़े होकर भी गैस नहीं पा रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि एजेंसियां अपनी मर्जी से गैस की आपूर्ति कर रही हैं और ऊंचे दामों पर सिलेंडर बेचने की शिकायतें भी सामने आ रही हैं। उन्होंने प्रशासन को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि अगले 24 घंटे के भीतर सभी पात्र उपभोक्ताओं को सुचारू रूप से गैस उपलब्ध नहीं कराई गई, तो संगठन उग्र आंदोलन करने को मजबूर होगा। इस दौरान प्रमोद कुमार, अरविंद जाटव, सोनू गुर्जर, कुलदीप भारती, यासीन अली, नदीम, किरण पाल और रूम सिंह सहित दर्जनों किसान व यूनियन पदाधिकारी मौजूद रहे।

डीएम के निर्देश पर गैस एजेंसियों की चेकिंग, जिले में सिलेंडरों की कोई कमी नहीं

दैनिक बुलंद मंज़िल/ असलम सैफी जिला प्रभारी
अमरोहा। जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स के निर्देश पर जिले में संचालित गैस एजेंसियों पर प्रशासनिक टीमों द्वारा औचक निरीक्षण अभियान चलाया गया। जांच के दौरान सभी गैस एजेंसियों पर घरेलू गैस सिलेंडरों का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध पाया गया। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जनपद में गैस की कोई कमी नहीं है और उपभोक्ताओं से अपील की गई है कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें तथा अनावश्यक रूप से सिलेंडरों का भंडारण न करें। जिलाधिकारी के निर्देशन में आपूर्ति विभाग द्वारा जनपद की कुल 37 गैस एजेंसियों की जांच के लिए 14 टीमों का गठन किया गया था। इन टीमों में क्षेत्रीय खाद्य

अधिकारी, पूर्ति निरीक्षक, संबंधित तहसीलों के नायब तहसीलदार और तहसीलदार को नामित किया गया। सभी टीमों को अपने-अपने क्षेत्रों में भ्रमणशील रहकर गैस एजेंसियों पर उपलब्ध स्टॉक तथा वितरण प्रणाली की जांच करने के निर्देश दिए गए थे। निदेर्शों के क्रम में गुरुवार को नामित अधिकारियों और कर्मचारियों ने विभिन्न गैस एजेंसियों पर पहुंचकर औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान एजेंसियों पर उपलब्ध घरेलू गैस सिलेंडरों (14.2 किलोग्राम) के स्टॉक का सत्यापन किया गया तथा वितरण व्यवस्था की भी जांच की गई। जांच में पाया गया कि सभी एजेंसियों पर गैस सिलेंडरों का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है और उपभोक्ताओं को नियमित रूप से गैस की आपूर्ति की जा रही है। अधिकारियों ने यह भी सुनिश्चित किया कि गैस एजेंसियों द्वारा बुकिंग और वितरण की प्रक्रिया निर्धारित नियमों के अनुसार ही की जा रही है। अधिकांश एजेंसियों पर ऑनलाइन ओटीपी आधारित गैस बुकिंग के अनुसार उपभोक्ताओं को होम डिलीवरी की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है, जिससे उपभोक्ताओं को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। प्रशासन की ओर से स्पष्ट किया गया कि जनपद में गैस की आपूर्ति पूरी तरह से सामान्य है और किसी भी प्रकार की कमी की स्थिति नहीं है। जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने सभी गैस कनेक्शन धारकों से अपील करते हुए कहा कि किसी भी प्रकार की भ्रामक सूचना या अफवाह पर विश्वास न करें। साथ ही उन्होंने लोगों से अनावश्यक रूप से गैस सिलेंडरों का भंडारण न करने का आग्रह किया, ताकि सभी उपभोक्ताओं को समय पर गैस की उपलब्धता सुनिश्चित हो सके। उन्होंने यह भी कहा कि यदि किसी उपभोक्ता को गैस आपूर्ति से संबंधित कोई समस्या होती है तो वह संबंधित गैस एजेंसी या आपूर्ति विभाग को सूचित कर सकता है, जिस पर त्वरित कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन द्वारा आगे भी समय-समय पर गैस एजेंसियों की जांच कर आपूर्ति व्यवस्था पर निगरानी रखी जाएगी।

मुरादाबाद में हनी ट्रैप गैंग का भंडाफोड़, 4 महिलाएं समेत 5 आरोपी गिरफ्तार

बुलन्द मंज़िल आसिम खान
मुरादाबाद पुलिस ने लोगों को हनी ट्रैप के जाल में फंसाकर उनसे पैसे वसूलने वाले एक गिरोह का पदार्फाश किया है। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए गैंग की सरगना सहित कुल पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में चार महिलाएं और एक पुरुष शामिल हैं। पुलिस के अनुसार यह गिरोह लोगों को मिलने के बहाने बुलाकर पहले उनका वीडियो बना लेता था और फिर उसे सोशल मीडिया पर वायरल करने तथा झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी देकर उनसे मोटी रकम वसूलता था मामला तब सामने आया जब एक युवक ने पुलिस से शिकायत की कि उसे कुछ लोगों ने मिलने के बहाने बुलाया, जहां उसके साथ मारपीट की गई और उसका वीडियो बना लिया गया। इसके बाद वीडियो वायरल करने और झूठे केस में फंसाने की धमकी देकर उससे करीब 85 हजार रुपये वसूल लिए

गए। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामले की जांच शुरू की और साक्ष्यों के आधार पर कार्रवाई करते हुए गिरोह की सरगना रेहाना समेत कुल पांच लोगों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपियों के पास से नकदी और मोबाइल फोन भी बरामद किए हैं। पुलिस का कहना है कि यह गिरोह सुनियोजित तरीके से लोगों को अपने जाल में फंसाकर ब्लैकमेल करता था। सभी आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। मामले मे मुरादाबाद एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह ने बताया कि एक युवक की शिकायत पर पुलिस ने हनी ट्रैप के इस गिरोह का खुलासा किया है। जांच के दौरान सामने आया कि गिरोह के सदस्य लोगों को मिलने के बहाने बुलाते थे, फिर उनका आपत्तिजनक वीडियो बनाकर वायरल करने और झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी देकर पैसे की मांग करते थे। पुलिस ने गैंग की सरगना सहित पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है और उनके कब्जे से नकदी व मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। मामले में आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

मुरादाबाद में नामी होटलों व रेस्टोरेंट्स पर छापेमारी, घरेलू गैस सिलेंडर के उपयोग पर सख्ती

बुलन्द मंज़िल आसिम खान
मुरादाबाद। नगर के विभिन्न नामी-गिरामी होटलों और रेस्टोरेंट्स में गुरुवार को जिला पूर्ति विभाग की टीम ने छापेमारी की। यह कार्रवाई होटलों और ढाबों में घरेलू एलपीजी गैस सिलेंडरों के अवैध उपयोग की शिकायतों के आधार पर की गई जिला पूर्ति विभाग की टीम ने शहर के करीब एक दर्जन होटल और रेस्टोरेंट्स में अचानक पहुंचकर जांच की। इस दौरान टीम ने रसोईघरों में उपयोग हो रहे गैस सिलेंडरों की जांच की और घरेलू सिलेंडरों के व्यावसायिक इस्तेमाल को लेकर कड़ी चेतावनी दी जिला पूर्ति अधिकारी अजय प्रताप सिंह ने

बताया कि घरेलू गैस सिलेंडर का उपयोग केवल घरेलू कार्यों के लिए ही किया जा सकता है। होटलों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में घरेलू सिलेंडर का उपयोग नियमों के विरुद्ध है उन्होंने कहा कि यदि किसी होटल या रेस्टोरेंट में घरेलू गैस सिलेंडर का इस्तेमाल पाया गया तो संबंधित संचालकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। विभाग द्वारा आगे भी ऐसे प्रतिष्ठानों पर लगातार छापेमारी अभियान चलाया जाएगा।

सीडीओ ने पोषण समिति बैठक में खराब प्रगति पर जताई नाराजगी, सुधार के दिए निर्देश

बुलन्द मंज़िल सलमान यूसुफ
मुरादाबाद। मुख्य विकास अधिकारी सुश्री मृणाली अविनाश जोशी की अध्यक्षता में जनपद स्तरीय पोषण समिति तथा बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए समीक्षा के दौरान एफआरएस कार्यक्रम के अंतर्गत एएमसी इंफ्रास्ट्रक्चर रिपोर्ट में भगतपुर टांडा, बिलारी, कुंदरकी और मुरादाबाद देहात की स्थिति खराब पाए जाने पर मुख्य विकास अधिकारी ने संबंधित मुख्य सेविकाओं और सुपरवाइजरों को सुधार लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि

सुपरवाइजर फैमिली टीम की तरह कार्य करें और आपसी मतभेद छोड़कर समन्वय के साथ जिम्मेदारी निभाएं। साथ ही सीडीपीओ को निर्देश दिया कि वे अपने क्षेत्र की मुख्य सेविकाओं और सुपरवाइजरों की कार्यप्रणाली की पूरी जानकारी रखें मुख्य विकास अधिकारी ने सभी आंगनवाड़ी केंद्रों पर पंखा, पेयजल और अन्य मूलभूत सुविधाओं की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। पोषण ट्रैकर वितरण की समीक्षा में मुरादाबाद शहर, बिलारी, भगतपुर टांडा, मुरादाबाद देहात, डिलारी, मूंढापांडे, ठाकुरद्वारा और कुंदरकी की फरवरी 2026 की प्रगति खराब पाए जाने पर संबंधित सीडीपीओ को विशेष प्रयास कर सुधार करने के निर्देश दिए गए कुंदरकी की प्रदेश स्तर पर खराब रैंकिंग पर उन्होंने नाराजगी जताते हुए सुपरवाइजर से स्पष्टीकरण मांगा। संतोषजनक उत्तर न मिलने पर उन्होंने कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि यदि कोई ठीक से कार्य करने का इच्छुक नहीं है तो त्यागपत्र दे सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि बेहतर कार्य करने वाले सुपरवाइजरों को प्रोत्साहित किया जाएगा इसके अलावा बीएचएसएनडी सत्रों में आंगनवाड़ी केंद्रों पर कम उपस्थिति होने पर इसे बढ़ाने तथा होम विजिट की संख्या में वृद्धि करने के निर्देश दिए गए। साथ ही सेम और मेम श्रेणी के बच्चों की पहचान कर उनकी नियमित मॉनिटरिंग करने और सेम श्रेणी से मेम श्रेणी में लाने के प्रयास तेज करने को कहा गया प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना में भगतपुर टांडा, डिलारी और कुंदरकी की खराब प्रगति पर भी सुधार के निर्देश दिए गए। वहीं एनआरसी एडमिशन में ठाकुरद्वारा, डिलारी और मूंढापांडे की प्रगति कम पाए जाने पर इसमें तेजी लाने को कहा गया बैठक में जिला कार्यक्रम अधिकारी, उप मुख्य चिकित्साधिकारी, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी सहित संबंधित सीडीपीओ, मुख्य सेविकाएं और सुपरवाइजर मौजूद रहे।

जुमा अलविदा की नमाज को लेकर मुरादाबाद में पुलिस अलर्ट, भारी पुलिस बल के साथ फ्लैग मार्च

बुलन्द मंज़िल आसिम खान
मुरादाबाद मे रमजान के अंतिम जुमा यानी जुमा अलविदा की नमाज को शांतिपूर्ण और सुरक्षित तरीके से संपन्न कराने के लिए मुरादाबाद पुलिस प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड में नजर आया। गुरुवार को शहर के संवेदनशील इलाकों में पुलिस द्वारा भारी पुलिस बल और प्रशासनिक अधिकारियों के साथ फ्लैग मार्च निकाला गया, ताकि कानून व्यवस्था बनाए रखी जा सके और आम जनता में सुरक्षा का भरोसा कायम हो इस दौरान मुरादाबाद की जामा मस्जिद चौराहे पर थाना मुगलपुरा क्षेत्र में पुलिस प्रशासन द्वारा स्थानीय गणमान्य लोगों और समाज के प्रतिनिधियों के

साथ एक बैठक भी आयोजित की गई। बैठक में जुमा अलविदा की नमाज के दौरान शांति और आपसी सौहार्द बनाए रखने की अपील की गई। बैठक के बाद पुलिस प्रशासन ने क्षेत्र में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था लागू कर दी। शहर के प्रमुख और संवेदनशील इलाकों में पुलिस बल की तैनाती बढ़ा दी गई है। साथ ही नमाज के समय किसी प्रकार की अव्यवस्था या ट्रैफिक जाम की स्थिति से बचने के लिए यातायात व्यवस्था में भी बदलाव किया गया है। एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि जुमा अलविदा की नमाज को सकुशल संपन्न कराने के लिए प्रशासन के सहयोग से मजिस्ट्रेट और भारी पुलिस बल के साथ फ्लैग मार्च किया गया है। उन्होंने कहा कि सुरक्षा के मद्देनजर जामा मस्जिद, थाना गलशहीद और डबल फाटक क्षेत्र से ट्रैफिक का रूट डायवर्जन किया गया है, ताकि नमाज के समय श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। पुलिस प्रशासन का कहना है कि शहर में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए गए हैं और किसी भी स्थिति से निपटने के लिए पुलिस पूरी तरह सतर्क है।

अलविदा की नमाज को लेकर डायवर्जन प्लान जारी, कई रास्तों पर वाहनों की एंट्री बंद

बुलन्द मंज़िल ब्यूरो
मुरादाबाद। जामा मस्जिद में अलविदा की नमाज को लेकर पुलिस-प्रशासन ने ट्रैफिक डायवर्जन प्लान जारी किया है। सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को सुचारु रखने के लिए कई मार्गों पर वाहनों की आवाजाही प्रतिबंधित रहेगी और कुछ स्थानों से केवल पैदल श्रद्धालुओं को ही जाने की अनुमति होगी जारी किए गए डायवर्जन प्लान के अनुसार ताजपुर माफी तिराहा से जामा मस्जिद की ओर कोई भी बड़ा या छोटा वाहन नहीं जा सकेगा। इस मार्ग पर केवल दोपहिया वाहनों को जाने की अनुमति दी गई है। वहीं जामा मस्जिद पुल के पूर्वी छोर से किसी भी प्रकार के वाहन को जामा मस्जिद की ओर जाने की अनुमति नहीं होगी और केवल पैदल लोग ही जा सकेंगे इसी प्रकार बरवालान तिराहा, संभल चौराहा, गलशहीद चौराहा और प्रिंस रोड से जामा मस्जिद की ओर केवल पैदल श्रद्धालुओं को ही जाने दिया जाएगा। इसके अलावा मिगलानी सिनेमा से संभल चौराहा की ओर किसी भी प्रकार के वाहन का आवागमन पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा प्रशासन के अनुसार जीआईसी चौराहे से भी जामा मस्जिद की ओर केवल पैदल लोगों को ही जाने की अनुमति होगी। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि वे जारी किए गए डायवर्जन प्लान का पालन करें और यातायात व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करें।

14 मार्च को मेरठ में लगेगी पेंशन अदालत, सेवानिवृत्त कर्मियों की समस्याओं का होगा निस्तारण

बुलन्द मंज़िल आसिम खान
मुरादाबाद मेरठ। पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड (ढश्ऴठछ) द्वारा सेवानिवृत्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों की पेंशन और पारिवारिक पेंशन से जुड़ी समस्याओं के समाधान के लिए 14 मार्च 2026 को पेंशन अदालत आयोजित की जाएगी। यह पेंशन अदालत प्रातः 11 बजे डिस्कॉम मुख्यालय ऊर्जा भवन, मेरठ के सभागार में आयोजित होगी प्रबंध निदेशक के निदेर्शानुसार आयोजित इस पेंशन अदालत का उद्देश्य सेवानिवृत्त कर्मियों की पेंशन से संबंधित शिकायतों का शीघ्र और प्रभावी समाधान सुनिश्चित करना है। इस दौरान पेंशन एवं पारिवारिक पेंशन से जुड़े मामलों की सुनवाई कर वर्तमान नियमों के अंतर्गत प्राथमिकता के आधार पर उनका निस्तारण किया जाएगा उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड की पहल पर आयोजित की जा रही इस पेंशन अदालत के माध्यम से सेवानिवृत्त कर्मियों को अपनी समस्याएं सीधे अधिकारियों के समक्ष रखने का अवसर मिलेगा।डिस्कॉम प्रशासन ने सभी सेवानिवृत्त अधिकारियों और कर्मचारियों से अनुरोध किया है कि वे अपनी पेंशन संबंधी शिकायतों के समाधान के लिए आवश्यक अभिलेखों व दस्तावेजों के साथ निर्धारित समय पर उपस्थित हों पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगम का कहना है कि पेंशन मामलों के पारदर्शी और समयबद्ध निस्तारण पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। यह पहल सेवानिवृत्त कर्मियों की समस्याओं को प्राथमिकता से हल करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

संसद में फिर गूंजी लोकसभा नगीना क्षेत्र के रेलवे फाटकों की समस्या,

सांसद चंद्रशेखर आजाद की मांग पर रेल मंत्री ने दिया जल्द कार्रवाई का आश्वासन

दैनिक बुलंद मंज़िल/ मौहम्मद फैजान

धामपुर। नगीना लोकसभा क्षेत्र के सांसद चंद्रशेखर आजाद ने एक बार फिर क्षेत्र के पुराने रेलवे फाटकों की समस्या को संसद में प्रमुखता से उठाया। उन्होंने किरतपुर, स्योहारा, धामपुर, हल्दौर और नगीना क्षेत्र में स्थित रेलवे फाटकों के कारण आम जनता को हो रही परेशानियों का मुद्दा सदन के सामने रखा और इसके स्थायी समाधान की मांग की।

सांसद ने कहा कि इन रेलवे फाटकों की व्यवस्था काफी पुरानी हो चुकी है और अक्सर ट्रेन गुजरने के दौरान फाटक लंबे समय तक बंद रहते हैं। इसके चलते दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग जाती है और लोगों को आधा-आधा घंटा या उससे भी अधिक समय तक इंतजार करना पड़ता है। इससे आम नागरिकों के साथ-साथ एंबुलेंस, स्कूली बच्चों और जरूरी काम से आने-जाने वाले लोगों को भी भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है।

उन्होंने यह भी कहा कि कई बार लोग जल्दबाजी में बंद फाटक पार करने की कोशिश करते हैं, जिससे दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है और पहले भी कई हादसे सामने आ चुके हैं। सांसद ने केंद्र सरकार से मांग की कि किरतपुर और आसपास के इन पुराने रेलवे फाटकों को आधुनिक बनाया जाए तथा यहां अंडरपास या ओवरब्रिज का निर्माण कराया जाए, ताकि लोगों को बार-बार फाटक बंद होने की समस्या से स्थायी राहत मिल सके और यातायात व्यवस्था सुचारू रूप से चल सके।

सांसद चंद्रशेखर आजाद ने बताया कि वह पिछले काफी समय से इस मुद्दे को लगातार उठाते रहे हैं और कई बार संसद में भी इसे प्रमुखता से रख चुके हैं। हालांकि अब तक इस दिशा में धरातल पर कोई कार्य शुरू नहीं हो सका है।

एक बार फिर संसद में यह मुद्दा उठाए जाने पर केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने स्वयं जवाब देते हुए कहा कि मामले को गंभीरता से लिया गया है। उन्होंने आश्वासन दिया कि संबंधित विभाग से रिपोर्ट मंगाकर जल्द ही आवश्यक कार्रवाई की जाएगी और जहां जरूरत होगी वहां अंडरपास या ओवरब्रिज निर्माण की प्रक्रिया शुरू कराई जाएगी।

स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि रेलवे फाटकों की समस्या का स्थायी समाधान हो जाता है तो किरतपुर, धामपुर, स्योहारा और आसपास के क्षेत्रों के हजारों लोगों को बड़ी राहत मिलेगी और यातायात व्यवस्था भी काफी हद तक सुगम हो सकेगी।

बिजनौर में 17 मार्च को लगेगा वृहद रोजगार मेला, जिलाधिकारी ने दिए आवश्यक दिशा निर्देश

दैनिक बुलंद मंज़िल/ मौहम्मद फैजान

बिजनौर। जिलाधिकारी जसजीत कौर ने प्रधानाचार्य राजकीय आईटीआई बिजनौर को निर्देश दिए हैं कि आगामी 17 मार्च 2026 को आयोजित होने वाले वृहद रोजगार मेले को सफल बनाने के लिए बड़ी-बड़ी कंपनियों के उच्च अधिकारियों से संपर्क कर उन्हें रोजगार मेले में प्रतिभाग करने के लिए आमंत्रित किया जाए। उन्होंने जिला सेवायोजन अधिकारी को भी निर्देशित किया कि वह अपने स्तर से कंपनियों के अधिकारियों से बातचीत कर उन्हें सम्मानपूर्वक रोजगार मेले में आमंत्रित करें और अधिक से अधिक बेरोजगार युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने का प्रयास सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी जसजीत कौर कलेक्ट्रेट स्थित सभागार में 17 मार्च 2026 को आयोजित होने वाले वृहद रोजगार मेले को सफल बनाने के उद्देश्य से आयोजित बैठक की अध्यक्षता कर रही थीं। उन्होंने बताया कि यह रोजगार मेला राजकीय आईटीआई बिजनौर में आयोजित किया जाएगा, जिसमें बड़ी संख्या में युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान किए जाएंगे।

उन्होंने प्रधानाचार्य राजकीय आईटीआई बिजनौर, जिला सेवायोजन अधिकारी तथा डीसी एनआरएलएम को निर्देश दिए कि आपसी समन्वय स्थापित करते हुए रोजगार मेले का सुव्यवस्थित और सफल आयोजन सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने नोडल अधिकारी को निर्देश दिए कि जिले की समस्त राजकीय एवं निजी आईटीआई के प्रधानाचार्यों को निर्देशित किया जाए कि वे कोर्स पूर्ण कर चुके युवाओं के साथ रोजगार मेले में प्रतिभाग सुनिश्चित कराएं, ताकि उन्हें भी रोजगार के अवसर प्राप्त हो सकें। इसके साथ ही नगर निकाय अधिकारियों को रोजगार मेला स्थल पर पानी और सफाई की विशेष व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए। गर्मी के मौसम को देखते हुए स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता के लिए कैंपर आदि की समुचित व्यवस्था करने के लिए भी कहा गया। कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस अधिकारियों को महिला सुरक्षा कर्मियों सहित पर्याप्त पुलिस बल तैनात करने के निर्देश भी दिए गए।बैठक के उपरांत जिलाधिकारी द्वारा कलेक्ट्रेट परिसर से रोजगार मेले के प्रचार वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी रणविजय सिंह, नोडल प्रधानाचार्य मंजुल मयंक, उपायुक्त उद्योग, जिला सेवायोजन अधिकारी सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

जनगणना-2027 के लिए फील्ड ट्रेनर्स का प्रशिक्षण,डीएम ने दिए गहनता से प्रशिक्षण लेने के निर्देश

दैनिक बुलंद मंजिल यासिर शम्सी।

बिजनौर। जनगणना-2027 के सफल संचालन को लेकर जिले में तैयारियां तेज हो गई हैं।इसी क्रम में स्थानीय वर्धमान डिग्री कॉलेज में आयोजित फील्ड ट्रेनर्स के जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के दूसरे दिन का प्रशिक्षण कार्य संपन्न हुआ।
कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाधिकारी जसजीत कौर ने की।जिलाधिकारी ने कहा कि भारत की जनगणना-2027 के लिए जिले में फील्ड ट्रेनर्स का प्रशिक्षण दिया जा रहा है।उन्होंने बताया कि मकान सूचीकरण और मकानों की गणना का कार्य 22 मई 2026 से 20 जून 2026 तक किया जाएगा।इस बार जनगणना पहली बार पूरी तरह डिजिटल माध्यम से मोबाइल ऐप के जरिए की जाएगी,जिससे सूचनाएं तेजी से भेजी जा सकेंगी और त्रुटियों की संभावना भी कम रहेगी।डीएम ने उपस्थित फील्ड ट्रेनर्स को निर्देश दिए कि वे इस महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य को पूरी निष्ठा और शुद्धता के साथ संपन्न करने के लिए प्रशिक्षण को गहनता से ग्रहण करें।साथ ही किसी भी प्रकार की शंका होने पर मास्टर ट्रेनर्स से उसका समाधान अवश्य कर लें,ताकि फील्ड में कार्य करते समय किसी प्रकार की समस्या उत्पन्न न हो।जिला जनगणना अधिकारी एवं अपर जिलाधिकारी (राजस्व) वानिया सिंह ने बताया कि प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य फील्ड अधिकारियों को डिजिटल उपकरणों,मोबाइल ऐप और जनगणना की प्रक्रियाओं से भली-भांति परिचित कराना है।उन्होंने बताया कि डेटा संकलन के लिए मोबाइल एप्लीकेशन और ऑनलाइन पोर्टल का उपयोग किया जाएगा।प्रशिक्षण के दौरान मास्टर ट्रेनर्स ने गणकों को मोबाइल ऐप के माध्यम से रियल-टाइम डेटा एंट्री और सिंकिंग की तकनीकी जानकारी दी।साथ ही प्रथम चरण के लिए निर्धारित 33 प्रश्नों,जिनमें आवास की स्थिति,बुनियादी सुविधाएं और संपत्ति से संबंधित जानकारी शामिल है,पर विस्तार से प्रशिक्षण दिया गया।इस अवसर पर जिला प्रभारी जे.पी.यादव,प्रभारी अधिकारी जनगणना नितिन कुमार,मास्टर ट्रेनर डॉ.आकाश अग्रवाल,डॉ.अमित कुमार, डॉ.राजीव बिश्नोई सहित अन्य अधिकारी एवं फील्ड ट्रेनर्स मौजूद रहे।

सबसे पहले करें गरीबों की ईद की व्यवस्था मौलाना अनवारुल हक

>> ईद का चांद तलाश करने से पहले अपनी बस्ती में ऐसे घर तलाश करें जिन मैं अभी तक ईद की व्यवस्था नहीं हुई
विशेष तौर पर उनकी मदद जरूर करें जिनके परिवार के जिम्मेदार लोग जेल के अंदर बंद है

दैनिक बुलंद मंजिल ब्यूरो चीफ बिजनौर

बिजनौर /नजीबाबाद । विश्व मानवाधिकार परिषद की तरफ से नई बस्ती नजीबाबाद मैं मोहम्मद असलम के आवास पर ईद किट वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें मौलाना अनवारुल हक ने कहा कि ईद का चांद तलाश करने से पहले अपनी बस्ती में ऐसे घर तलाश करें जिन मैं अभी तक ईद की व्यवस्था नहीं हुई विशेष तौर पर उनकी मदद जरूर करें जिनके परिवार के जिम्मेदार लोग जेल के अंदर बंद हैं उन्होंने कहा कि उस बस्ती पर खुदा की रहमत नहीं बरसती है जिस बस्ती में सभी लोग ईद तो मनाएं मगर एक गरीब मजबूर परिवार ईद की व्यवस्था न होने के कारण अपनी बेबसी पर आंसू बहाता रहे राष्ट्रीय सचिव तहसीम अहमद ने कहा कि पूर्व सालों की तरह इस साल भी विश्व मानवधिकार परिषद देश प्रदेश की अलग-अलग जेल में बंद निर्दोष कैदियों की मदद कर रहा है और उनके परिवारों की ईद की व्यवस्था का भी काम कर रहा है किसी मजबूर की मदद करना सबसे बड़ी इंसानियत और सबसे बड़ा धर्म है जिला महासचिव एडवोकेट मोह्ह मोहसिन ने कहा कि अगर जिंदगी में खुशी हासिल करना चाहते हो तो गरीबों की मदद करना शुरू कर दो दौलत से शोहरत तरक्की तो मिल सकती है मगर दिल का सुकून नहीं विश्व मानवधिकार परिषद की पूरी टीम निर्दोष लोगों की हर तरह से मदद करने के लिए तैयार है इस मौके पर मुरादाबाद मंडल अध्यक्ष आदिल इरफान,हाफिज अनवार, महबूब कस्सार इमरान मंसूरी, नसीम अहमद, इंतजार अहमद, मो फय्याज कासम प्रधान, मोहम्मद आरिफ, शहजेब, मोहम्मद अशरफ ,अकदस, आदि पदाधिकारीगण मौजूद रहे।

चंद घंटों में पुलिस ने बाइक बरामद कर आरोपी को दबोचा

दैनिक बुलंद मंजिल यासिर शम्सी।

नगीना। क्षेत्र में चोरी हुई मोटरसाइकिल को पुलिस ने चंद घंटों में बरामद करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई से क्षेत्र में अपराधियों के खिलाफ सख्त संदेश गया है।
जानकारी के अनुसार ग्राम दित्तनपुर निवासी गौरव कुमार पुत्र महेश सिंह ने बुधवार को थाना नगीना में तहरीर देकर बताया कि कान्हा पैलेस,टोला प्लाजा पुरैनी के पास से किसी अज्ञात व्यक्ति ने उनकी मोटरसाइकिल चोरी कर ली। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी।विवेचना के दौरान पुलिस को सुराग मिले,जिनके आधार पर गुरुवार को पुलिस टीम ने आरोपी मदनपाल पुत्र गुरुदयाल सिंह निवासी ग्राम बसेरा मछुआ दाड़ी, अलहदादपुर वेहारी थाना जलालाबाद जनपद शाहजहांपुर को गिरफ्तार कर लिया।पुलिस ने उसके कब्जे से चोरी की गई मोटरसाइकिल भी बरामद कर ली।पुलिस के अनुसार आरोपी से अन्य चोरियों के बारे में पूछताछ की जा रही है जिसके बाद उसे जेल भेज दिया जाएगा।गिरफ्तारी करने वाली टीम में उपनिरीक्षक प्रवीण कुमार,कांस्टेबल प्रदीप कुमार,शशांक,मोहम्मद आरिफ और सुरजीत शामिल रहे।

स्टोन क्रेशरों में गड़बड़ी पर प्रशासन सख्त, 31 संचालकों को नोटिस

दैनिक बुलंद मंजिल यासिर शम्सी।

बिजनौर। जिले में संचालित स्टोन क्रेशरों की जांच में अनियमितताएं मिलने पर प्रशासन ने कड़ा रुख अपनाया है।जिलाधिकारी जसजीत कौर के निर्देश पर की गई संयुक्त जांच के बाद तहसील नजीबाबाद और नगीना के कुल 31 स्टोन क्रेशर संचालकों को नोटिस जारी किए गए हैं। अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) वान्या सिंह ने बताया कि तहसील नजीबाबाद में स्थापित और संचालित 26 स्टोन क्रेशरों की जांच उप जिलाधिकारी,भूतत्व एवं खनिकर्म विभाग बरेली के वरिष्ठ सर्वेक्षक तथा राजस्व टीम द्वारा 20 फरवरी 2026 को की गई। निरीक्षण के दौरान आठ स्टोन क्रेशर बंद पाए गए।शेष 18 स्टोन क्रेशरों की जांच में मौके पर उपलब्ध उपखनिज की मात्रा और पोर्टल पर प्रदर्शित मात्रा में अंतर मिला।इस पर जिलाधिकारी के निर्देश पर संबंधित स्टोन क्रेशर स्वामियों और पार्टनरों को नोटिस जारी किए गए हैं।

इसी तरह तहसील नगीना में संचालित 13 स्टोन क्रेशरों की 25 फरवरी 2026 को संयुक्त टीम द्वारा जांच की गई।यहां भी मौके पर उपलब्ध उपखनिज और पोर्टल पर दर्शाई गई मात्रा में अंतर पाए जाने पर सभी 13 क्रेशर संचालकों को नोटिस जारी किया गया है।इसके अलावा तहसील नजीबाबाद के ग्राम कामगारपुर में गाटा संख्या 1287 पर नौ स्थानों पर कुल 6975 घनमीटर साधारण मिट्टी का अवैध खनन पाए जाने पर भू-स्वामी रामकुमार पुत्र घसीटा निवासी ग्राम भनेड़ा को नोटिस दिया गया था।नोटिस का जवाब न मिलने पर जिलाधिकारी ने 4.21 लाख रुपये का अर्थदंड लगाया है और सात दिन के भीतर राशि जमा करने के निर्देश दिए हैं।निर्धारित अवधि में धनराशि जमा न होने पर इसे भू-राजस्व की भांति वसूला जाएगा।

सुरंग में फंसा चार साल का मासूम...दो घंटे तक थमी रहीं सांसें, जेसीबी से खुदाई कर निकाला जिंदा

दैनिक बुलंद मंज़िल

बरेली। नवाबगंज इलाके में गुरुवार दोपहर एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई। पालतू कुत्ते के पिल्ले को बचाने के लिए चार वर्षीय बालक संकरी सुरंग में घुस गया और अंदर जाकर फंस गया। मासूम के सुरंग में फंसने की खबर फैलते ही इलाके में हड़कंप मच गया। करीब दो घंटे तक चले रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद जेसीबी मशीन की मदद से बच्चे को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। बच्चे के बाहर आते ही मौके पर मौजूद लोगों ने राहत की सांस ली।

पिल्ले को बचाने के चक्कर में सुरंग में घुसा मासूम

जानकारी के अनुसार बरखन निवासी संतोष पीलीभीत-बरेली बाईपास स्थित गरगईया निवासी शाकिर के गन्ने के कोल्हू पर मजदूरी करते हैं और परिवार के साथ वहीं रहते हैं। संतोष ने बताया कि उन्होंने एक कुत्ता पाल रखा है, जिसके दो पिल्ले हैं। गुरुवार दोपहर करीब 2:30 बजे एक पिल्ला कोल्हू के पास बनी खाली सुरंग में घुस गया। पिल्ले को निकालने के लिए संतोष का चार वर्षीय पुत्र बिपिन भी उसी संकरी सुरंग में घुस गया, लेकिन अंदर जाकर वह फंस गया और बाहर नहीं निकल सका। यह देखकर मौके पर मौजूद लोगों में हड़कंप मच गया।

ग्रामीणों ने शुरू की बचाव की कोशिश

घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के ग्रामीण और राहगीर मौके पर जमा हो गए। लोगों ने फावड़ों और कुदाल से मिट्टी हटाकर बच्चे को बाहर निकालने की कोशिश शुरू की, लेकिन सुरंग संकरी होने के कारण सफलता नहीं मिल सकी। इस दौरान बच्चे के माता-पिता का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। आसपास मौजूद लोग उन्हें ढांढस बंधाते रहे और बच्चे को सुरक्षित निकालने के लिए लगातार प्रयास करते रहे।

जेसीबी से खुदाई कर दो घंटे बाद निकाला

जब स्थानीय प्रयासों से सफलता नहीं मिली तो पीलीभीत-बरेली बाईपास के निर्माण कार्य में लगी जेसीबी मशीन को मौके पर बुलाया गया। इसके बाद करीब दो घंटे तक लगातार खुदाई की गई। आखिरकार कड़ी मशक्कत के बाद बच्चे को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। बच्चे के बाहर आते ही मौके पर मौजूद लोगों ने राहत की सांस ली और परिजनों की आंखों से खुशी के आंसू निकल पड़े।

फायर ब्रिगेड की टीम भी पहुंची मौके पर

घटना की सूचना मिलने पर फायर ब्रिगेड की टीम भी मौके पर पहुंच गई थी और बचाव कार्य में सहयोग किया। बताया जा रहा है कि यह घटना पीलीभीत-बरेली बाईपास पर फायर स्टेशन के ठीक सामने हुई। बच्चे के सकुशल बाहर निकलने के बाद परिजनों ने राहत की सांस ली। पिता संतोष ने बताया कि वह गरीब मजदूर हैं और कोल्हू पर काम करके ही परिवार का भरण-पोषण करते हैं। घटना के बाद इलाके में काफी देर तक चर्चा का माहौल बना रहा।

आजाद समाज पार्टी की बैठक, 15 मार्च के कार्यक्रम को सफल बनाने का संकल्प

बुलंद मंज़िल /मौहम्मद फैजान

नजीबाबाद। आजाद समाज पार्टी के कैम्प कार्यालय नजीबाबाद में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में 15 मार्च को बिजनौर में मान्यवर कांशीराम जी की जयंती के अवसर पर आयोजित होने वाले कार्यक्रम को सफल बनाने का संकल्प लिया गया। बैठक को संबोधित करते हुए साहनपुर चेयरमैन एवं मुरादाबाद मंडल प्रभारी खुर्शीद मंसूरी ने कार्यकताओं से अधिक से अधिक संख्या में कार्यक्रम में पहुंचकर उसे ऐतिहासिक बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता एकजुट होकर कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए अभी से तैयारी शुरू कर दें। बैठक में प्रदेश कोर कमेटी सदस्य भीम सेन हल्दिया, भीम आर्मी ज़िला अध्यक्ष प्रशांत महासागर, नजीबाबाद विधानसभा अध्यक्ष अशोक कुमार, अयाज अंसारी, सुखबीर प्रधान, ओमवीर सिंह, वीरेंद्र सिंह, वाजिद मकरानी, साबू प्रधान, सभासद अच्छन राईन और शमशीद प्रधान सहित अनेक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

CMYK

ऑटो चालक को बहाने से उतारकर बदमाश ले उड़े ई-रिक्शा और मोबाइल

चार सवारियां बनकर बैठे थे आरोपी, पेशाब का बहाना कर चालक को उतारा, बदायूं रोड की ओर फरार

दैनिक बुलन्द मंज़िल

बरेली। फतेहगंज पूर्वी क्षेत्र में एक ऑटो चालक को चकमा देकर उसका ई-रिक्शा और मोबाइल लेकर फरार होने का मामला सामने आया है। चार अज्ञात युवक सवारी बनकर ऑटो में बैठे और रास्ते में पेशाब का बहाना बनाकर चालक को नीचे उतार दिया। इसी दौरान आरोपी ई-रिक्शा स्टार्ट कर उसे लेकर फरार हो गए। पीड़ित ने थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

मोहल्ला सराय खाम निवासी जाकिर हुसैन ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि वह महिंद्रा ट्रियो प्लस ई-रिक्शा चलाकर अपने परिवार का भरण-पोषण करता है। 10 मार्च की रात करीब 11 बजे वह बरेली सैटेलाइट बस अड्डे से चार अज्ञात सवारियों को लेकर गांव पचौमी की ओर चला था। जब वह पचौमी के पास पहुंचा तो सवारियों ने बताया कि उनका गांव करीब चार किलोमीटर आगे है और उन्हें वहां तक छोड़ देने को कहा। चालक ने उनकी बात मान ली और ई-रिक्शा लेकर आगे बढ़ गया।

पेशाब का बहाना बना कर दिया वारदात को अंजाम

पीड़ित के अनुसार जब वह गांव शिवपुरी से आगे खजुरिया के पास पहुंचा तो सवारियों ने पेशाब करने की बात कही। इस पर उसने ई-रिक्शा रोक दिया और खुद भी सड़क किनारे चला गया।

इसी दौरान सवारियों में से किसी एक ने ई-रिक्शा स्टार्ट कर लिया और सभी आरोपी उसमें बैठकर दातागंज (बदायूं) रोड की ओर फरार हो गए।

मोबाइल भी साथ ले गए आरोपी

जाकिर हुसैन के मुताबिक ई-रिक्शा में उसका मोबाइल फोन भी रखा था। मोबाइल टेक्नो स्पार्क कंपनी का था जिसमें एयरटेल की सिम लगी थी। बदमाश ई-रिक्शा के साथ मोबाइल भी लेकर फरार हो गए। घटना के बाद पीड़ित काफी देर तक आसपास ई-रिक्शा की तलाश करता रहा, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। इसके बाद वह थाने पहुंचा और अज्ञात आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर मामले की जा जांच शुरू कर दी है।

एसएसपी दफ्तर में फरियादी कक्षा और पेंशनर कक्ष शुरू, अब बैठकर सुनी जाएंगी शिकायतें

महिला फरियादी से फीता कटवाकर हुआ उद्घाटन; 100 लोगों के बैठने, ठंडे पानी और पुलिस कर्मियों की तैनाती की व्यवस्था

दैनिक बुलन्द मंज़िल

बरेली। फरियादियों को बेहतर सुविधा देने के लिए एसएसपी कार्यालय में नई पहल की गई है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अनुराग आर्य ने गुरुवार को एसएसपी कार्यालय परिसर में बनाए गए फरियादी कक्षा का उद्घाटन कराया। वहीं एसपी साउथ अंशिका वर्मा ने फीता काटकर रिटायर पुलिसकर्मियों के लिए बनाए गए पेंशनर कक्ष का शुभारंभ किया।

उद्घाटन के दौरान जनसुनवाई के लिए आई थाना सुभाषनगर क्षेत्र की एक महिला को मंच पर बुलाया गया। एसएसपी अनुराग आर्य ने उसी महिला फरियादी से फीता कटवाकर फरियादी कक्षा का उद्घाटन कराया और इसके बाद वहीं बैठकर लोगों की समस्याएं सुनीं।

100 लोगों के बैठने की व्यवस्था

फरियादी कक्षा में करीब 100 लोगों के बैठने की व्यवस्था की गई है। गर्मी के मौसम को ध्यान में रखते हुए ठंडे पानी और अन्य जरूरी सुविधाएं भी उपलब्ध कराई गई हैं, ताकि शिकायत लेकर आने वाले लोगों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

पुलिस कर्मियों की तैनाती

व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए फरियादी कक्षा में इंस्पेक्टर, दरोगा और सिपाहियों की ड्यूटी लगाई गई है। महिला और पुरुष पुलिसकर्मियों को भी तैनात किया गया है, ताकि फरियादियों की समस्याओं को व्यवस्थित तरीके से सुना जा सके।

एसएसपी का निर्देश

एसएसपी अनुराग आर्य ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि फरियादियों की शिकायतों का शीघ्र और प्रभावी निस्तारण किया जाए। उन्होंने कहा कि पुलिस कार्यालय आने वाले हर व्यक्ति को सम्मानजनक माहौल और बेहतर सुविधा मिलनी चाहिए।

दहेज के लिए शिक्षिका को पीटा, गला दबाकर मारने की कोशिश का आरोप

पांच लाख रुपये की मांग, वेतन और स्कूटी छीनने का भी आरोप; पीड़िता ने एसएसपी से लगाई न्याय की गुहार

दैनिक बुलन्द मंज़िल

बरेली। दहेज की मांग को लेकर एक सहायक अध्यापिका के साथ मारपीट और जान से मारने की कोशिश का मामला सामने आया है। पीड़िता ने अपने पति और ससुराल पक्ष पर पांच लाख रुपये दहेज की मांग, वेतन छीनने और गला दबाकर हत्या का प्रयास करने का आरोप लगाया है। शिकायत के बावजूद थाना स्तर पर कार्रवाई न होने पर पीड़िता ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक से न्याय की गुहार लगाई है।जिसके बाद रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

पीड़िता गीतांजली मौर्य ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को दिए प्रार्थना पत्र में बताया कि उसकी शादी 7 नवंबर 2019 को हिंदू रीति-रिवाज के अनुसार ऋषिकेश शाक्य निवासी नजफगढ़ रोड, थाना नागलोई, दिल्ली के साथ हुई थी। शादी में उसके माता-पिता ने अपनी हैसियत के अनुसार दान-दहेज दिया था, लेकिन ससुराल वाले उससे संतुष्ट नहीं थे और पांच लाख रुपये की अतिरिक्त मांग करने लगे। वेतन और कर्ज का पैसा भी छीनने का आरोप

पीड़िता का कहना है कि वह बेसिक शिक्षा विभाग में सहायक अध्यापिका है। आरोप है कि उसका पति हर महीने उसका वेतन छीन लेता था। वर्ष 2022 में पति ने अपनी जरूरत बताकर उससे 1.80 लाख रुपये अपने खाते में ट्रांसफर करवा लिए और व्यक्तिगत लोन लेकर भी पैसा जबरन ले लिया, जिसकी भरपाई उसके वेतन से करनी पड़ी। बेटी की जिम्मेदारी भी नहीं निभाने का आरोप पीड़िता ने बताया कि शादी से उसकी पांच वर्षीय पुत्री विदुषी शाक्य है। आरोप है कि उसके पति और ससुराल पक्ष ने बच्ची की देखभाल और खर्च तक की जिम्मेदारी नहीं निभाई। बच्ची के बीमार होने पर भी कभी देखने नहीं आए। पीड़िता के मुताबिक 9 दिसंबर 2025 को उसका पति उसकी स्कूटी जबरन छीनकर ले गया, जो अब तक वापस नहीं की। आरोप है कि 9 जनवरी 2026 की रात पति और सास ने दहेज की मांग को लेकर उसके साथ मारपीट की और गला दबाकर जान से मारने की कोशिश की। किसी तरह जान बचाने पर पति ने उसे ट्रक से कुचलवाकर मरवा देने की धमकी दी और घर से निकाल दिया। थाने में नहीं दर्ज हुई रिपोर्ट पीड़िता का कहना है कि वह 13 जनवरी 2026 को थाना सुभाषनगर पहुंची थी, लेकिन उसकी रिपोर्ट दर्ज नहीं की गई। इसके बाद वह न्याय की उम्मीद लेकर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के पास पहुंची है और कार्रवाई की मांग की है। एसएसपी के आदेश पर मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

स्कूल में छात्र की पिटाई का आरोप, मां ने शिक्षक और प्रबंधन के खिलाफ दी तहरीर

दैनिक बुलन्द मंज़िल

बरेली। थाना सुभाष नगर क्षेत्र के करगेना स्थित विवेक विहार कॉलोनी निवासी एक महिला ने स्कूल के शिक्षक पर अपने बेटे की पिटाई करने का आरोप लगाया है। घायल छात्र का जिला अस्पताल में मेडिकल कराया गया है और मामले में पुलिस को तहरीर दी गई है।

करगेना चौकी क्षेत्र विवेक विहार कॉलोनी निवासी लवली ने जिला अस्पताल में उपचार के दौरान बताया कि उनके दो बेटे–15 वर्षीय कृष्णा अग्निहोत्री और 9 वर्षीय देव–रविंद्र नगर क्षेत्र के बदायूं रोड स्थित प्रयोगो इंटर कॉलेज में पढ़ते हैं। कृष्णा अग्निहोत्री कक्षा 9 का छात्र है, जबकि छोटा बेटा देव कक्षा 4 में पढ़ता है। लवली के मुताबिक बुधवार सुबह करीब 8 बजे दोनों बच्चे स्कूल गए थे। आरोप है कि स्कूल में तैनात शिक्षक भागवत ने किसी बात को लेकर कृष्णा अग्निहोत्री को डांटते हुए लाठी-डंडे से जमकर पीट दिया। इतना ही नहीं, आरोप है कि शिक्षक ने छात्र के पेट में भी घूंसे मारे, जिससे वह दर्द से रोने लगा। घटना के बाद कृष्णा ने रोते हुए अपनी मां को इसकी जानकारी दी। सूचना मिलते ही मां स्कूल पहुंची और मामले की जानकारी पुलिस कंट्रोल रूम 112 को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल छात्र को मेडिकल परीक्षण के लिए जिला अस्पताल भिजवाया। पीड़ित मां का आरोप है कि जब उन्होंने बेटे की गलती के बारे में स्कूल प्रबंधन से पूछा तो वहां मौजूद लोगों ने उनके साथ बदतमीजी की। इसके बाद लवली ने शिक्षक भागवत और स्कूल प्रबंधन के खिलाफ सुभाष नगर थाने में लिखित तहरीर दी है फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

कड़ी सुरक्षा में अदा होगी अलविदा जुमा की नमाज, ड्रोन से निगरानी

संवेदनशील इलाकों में पुलिस, पीएसी व आरएएफ रहेगी तैनात,जामा मस्जिद में दोपहर 1:30 से 2 बजे के बीच नमाज

दैनिक बुलन्द मंज़िल

बरेली। रमजान माह के आखिरी शुक्रवार को होने वाली अलविदा जुमा की नमाज को लेकर जिला प्रशासन और पुलिस पूरी तरह सतर्क है। शहर की प्रमुख मस्जिदों और संवेदनशील इलाकों में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। शांति और व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस, पीएसी और आरएएफ के जवानों की तैनाती की गई है, जबकि कई स्थानों पर ड्रोन कैमरों से निगरानी भी की जाएगी।

जामा मस्जिद में तय समय पर होगी नमाज

शहर की प्रमुख जामा मस्जिद में अलविदा जुमा की नमाज दोपहर 1:30 से 2 बजे के बीच अदा की जाएगी। नमाज के दौरान बड़ी संख्या में लोगों के जुटने की संभावना को देखते हुए ट्रैफिक और सुरक्षा व्यवस्था को भी मजबूत किया गया है।

संवेदनशील क्षेत्रों में बढ़ाई गई चौकसी

प्रशासन ने मिश्रित आबादी वाले क्षेत्रों को चिन्हित कर वहां विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए हैं। मस्जिदों के आसपास पुलिस बल तैनात रहेगा और संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने के लिए ड्रोन कैमरों का भी इस्तेमाल किया जाएगा। साथ ही प्रमुख चौराहों और मार्गों पर बैरिकेडिंग व चेकिंग अभियान चलाया जाएगा।

शांति बनाए रखने की अपील

जिला प्रशासन और पुलिस अधिकारियों ने लोगों से शांति व भाईचारा बनाए रखने की अपील की है। नमाज अदा करने के बाद अनावश्यक भीड़ न लगाने और सीधे अपने घर जाने का अनुरोध किया गया है, ताकि यातायात व्यवस्था सुचारु बनी रहे और किसी प्रकार की असुविधा न हो।

ओवरटेक के चक्कर में दो सड़क हादसे, महिला समेत दो की मौत

ट्रक से टकराई बाइक, पत्नी की मौके पर मौत,मटर से भरे ट्रैक्टर की टक्कर से युवक की जान गई

दैनिक बुलन्द मंज़िल

बरेली। जिले में दो अलग-अलग सड़क हादसों में महिला समेत दो लोगों की मौत हो गई, जबकि दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। एक हादसा तेज रफ्तार ट्रक को ओवरटेक करने के दौरान हुआ, जबकि दूसरे में मटर से भरे ट्रैक्टर ने बाइक सवार युवकों को टक्कर मार दी। दोनों घटनाओं के बाद परिवारों में कोहराम मच गया। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामलों की जांच शुरू कर दी है। ट्रक को ओवरटेक करते समय हादसा, पत्नी की मौत पीलीभीत जिले के थाना सुनगढ़ी क्षेत्र के मोहल्ला मदीना शाह निवासी उपहार अपनी 35 वर्षीय पत्नी कामना के साथ रिश्तेदारी में एक शादी समारोह में शामिल होकर सुबह बाइक से घर लौट रहे थे। जब वे कमहुआ गांव के पास हाईवे पर पहुंचे तो तेज रफ्तार ट्रक को ओवरटेक करने के दौरान उनकी बाइक अनियंत्रित हो गई और सीधे ट्रक में जा घुसी। हादसे में बाइक के पीछे बैठी कामना की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उपहार गंभीर रूप से घायल हो गया।

सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों को एंबुलेंस से जिला अस्पताल भेजा। वहां डॉक्टरों ने कामना को मृत घोषित कर दिया, जबकि उपहार का इलाज चल रहा है और उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। उपहार ने बताया कि उनकी शादी वर्ष 2024 में हुई थी। हादसे को याद कर वह बिलख पड़ा और कहा कि उसे कभी नहीं लगा था कि खुशी के माहौल से लौटते समय ऐसी दुखद घटना हो जाएगी।

मटर से भरे ट्रैक्टर की टक्कर से युवक की मौत

दूसरा हादसा थाना सिरौली क्षेत्र में हुआ। गांव बर शेर निवासी 22 वर्षीय दुष्यंत सागर रामनगर में मजदूरी करने के बाद बुधवार शाम अपने साथी राजू के साथ बाइक से घर लौट रहा था। संग्रामपुर के पास मटर से भरे ट्रैक्टर ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि दुष्यंत सागर की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसका साथी राजू गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और घायल को इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस ने ट्रैक्टर को कब्जे में लेकर चालक की तलाश शुरू कर दी है। अचानक हुई दुष्यंत सागर की मौत से परिवार में मातम छा गया। उसकी मां नीलावती का रो-रोकर बुरा हाल है।

विकास की मौत पर परिजन बोले - यह दुर्घटना नहीं हत्या

न्याय की मांग को लेकर एसएसपी से मिले

दैनिक बुलन्द मंज़िल

बरेली। थाना कैंट क्षेत्र में युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत को लेकर परिजनों ने इसे हादसा नहीं बल्कि हत्या करार दिया है। न्याय की मांग को लेकर मृतक के परिवार के लोग, यादव समाज के प्रतिनिधि और कई सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक से मिले और मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की।

मृतक के पिता सीताराम ने एसएसपी को दिए प्रार्थना पत्र में बताया कि उनका पुत्र विकास यादव 1 मार्च 2026 की रात करीब एक बजे घर से निकला था। आरोप है कि रास्ते में कुछ असामाजिक तत्वों ने उसे पकड़ लिया और उसके साथ मारपीट की। इसके बाद उसे किसी वाहन से टक्कर मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया, जिससे उसकी मौत हो गई।

पहले भी हत्या की कोशिश का आरोप

परिजनों का आरोप है कि पिछले एक महीने में तीन बार इस घटना को हादसा दिखाकर हत्या की कोशिश की गई थी। उनका कहना है कि आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की जांच कराई जाए, जिससे घटना की सच्चाई सामने आ सकती है।

एसएसपी से मिलकर लगाई न्याय की गुहार

मृतक के परिवार के लोग, यादव समाज के प्रतिनिधि और सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर एसएसपी कार्यालय पहुंचे और पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की। उन्होंने आरोप लगाया कि संबंधित मामले में अभी तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि प्रार्थना पत्र के आधार पर मामले की जांच की जा रही है। जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उसके आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

आरटीओ परिसर में दलालों के ठिकानों पर चला बुलडोजर, हटाए गए अवैध खोमचे

दैनिक बुलन्द मंज़िल

बरेली। संभागीय परिवहन कार्यालय (आरटीओ) परिसर के बाहर गुरुवार को प्रशासन की कार्रवाई से हड़कंप मच गया। लंबे समय से दलालों के अड्डे बने अस्थायी खोमचों और ठिकानों पर प्रशासन ने बुलडोजर चलवाकर उन्हें हटवा दिया। कार्रवाई के दौरान परिसर के आसपास मौजूद कई लोग मौके से हट गए और पूरे इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

अवैध वसूली की शिकायतों के बाद कार्रवाई

आरटीओ कार्यालय के बाहर लंबे समय से दलालों के सक्रिय होने की शिकायतें मिल रही थीं। आरोप था कि ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने और वाहनों की फिटनेस कराने के नाम पर लोगों से अतिरिक्त पैसे वसूले जा रहे थे। इन्हीं शिकायतों को ध्यान में रखते हुए प्रशासन ने परिसर के आसपास बने अस्थायी ठिकानों और खोमचों को हटाने की कार्रवाई कराई।

बुलडोजर से हटाए गए दलालों के अड्डे

प्रशासन की टीम ने आरटीओ परिसर के बाहर लगे अस्थायी खोमचे, टेबल और दलालों के बैठने के ठिकानों को बुलडोजर से हटवा दिया। कार्रवाई के दौरान पुलिस बल भी मौजूद रहा ताकि किसी तरह की अव्यवस्था न हो। अधिकारियों का कहना है कि परिसर के आसपास अनधिकृत रूप से लगाए गए इन ठिकानों की वजह से आम लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा था।

लाइसेंस बनवाने के नाम पर होती थी मोटी वसूली

सूत्रों के मुताबिक, कुछ दलाल ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने के लिए लोगों से करीब 10 हजार रुपये तक वसूल रहे थे, जबकि इसकी सरकारी फीस लगभग 1350 रुपये है। वहीं वाहनों की फिटनेस कराने के नाम पर भी अतिरिक्त पैसे लिए जाने की शिकायतें सामने आ रही थीं। इससे आरटीओ कार्यालय आने वाले लोगों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा था।

पारदर्शी व्यवस्था बनाने पर जोर

प्रशासन की इस कार्रवाई के बाद अधिकारियों ने साफ कर दिया कि आरटीओ परिसर के आसपास किसी भी तरह के दलालों के ठिकाने बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे। लोगों से अपील की गई है कि वे अपने काम सीधे कार्यालय के माध्यम से कराएं और किसी भी तरह की अवैध वसूली की शिकायत तुरंत प्रशासन को दें।

एआरटीओ बोले–दलालों को नहीं मिलेगी जगह

एआरटीओ पीके सरोज ने बताया कि आरटीओ परिसर में दलालों की शिकायतें लगातार मिल रही थीं। प्रशासन की कार्रवाई के बाद अब परिसर और आसपास दलालों को किसी भी हालत में जगह नहीं दी जाएगी। साथ ही आम लोगों के काम पारदर्शी और नियमों के अनुसार कराए जाएंगे।

बायोगैस प्लांट में घुसकर प्रबंधक और उप प्रबंधक को गोलियों से भूना, हमलावर फरार, मौके पर पहुंचे एसएसपी

दैनिक बुलन्द मंज़िल

बदायूं। गुरुवार को दोहरे हत्याकांड से हड़कंप मच गया, मूसाझाग क्षेत्र के गांव सैंजनी स्थित हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) के कम्प्रेस्ड बायोगैस प्लांट में घुसकर हमलावर ने प्लांट के प्रबंधक और उप प्रबंधक को गोलियों से भून डाला। हमले में प्रबंधक सुधीर गुप्ता और उप प्रबंधक हर्षित मिश्रा की मौके पर ही मौत हो गई। अचानक हुई गोलीबारी से प्लांट परिसर में अफरा-तफरी मच गई और कर्मचारी जान बचाकर इधर-उधर भागने लगे।

हमलावर सीधे प्लांट परिसर में घुसा और दोनों अधिकारियों को निशाना बनाते हुए ताबड़तोड़ गोलियां चला दीं। बताया जा रहा है कि दोनों को दो से तीन गोलियां लगीं, जिससे वे वहीं गिर पड़े। गोली चलने की आवाज से पूरे इलाके में दहशत फैल गई। कर्मचारी और आसपास मौजूद लोग चीख-पुकार करते हुए बाहर भागे। वारदात के बाद हमलावर मौके से फरार हो गया।

पूर्व कर्मचारी पर शक

प्राथमिक जांच में सामने आया है कि हत्या का आरोप प्लांट में पहले ऑपरेटर के पद पर काम कर चुके एक पूर्व कर्मचारी पर लग रहा है। बताया जा रहा है कि उसे कंपनी से निकाल दिया गया था, जिसके बाद से प्रबंधन से उसका विवाद चल रहा था। इसी रंजिश के चलते उसने इस वारदात को अंजाम दिया होने की आशंका जताई जा रही है। सूत्रों के अनुसार, प्रबंधक और उप प्रबंधक को पहले भी धमकियां मिल चुकी थीं। बताया जाता है कि इससे पहले भी उन पर हमला करने की कोशिश की गई थी और इस संबंध में मुकदमे भी दर्ज हुए थे। माना जा रहा है कि उसी विवाद ने गुरुवार को खूनी रूप ले लिया।

पुलिस मौके पर, जांच शुरू

घटना की सूचना मिलते ही थाना दातागंज और मूसाझाग पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने प्लांट परिसर को घेरकर जांच शुरू कर दी है। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी भी घटनास्थल पर पहुंचे और कर्मचारियों से पूछताछ की। शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। दिनदहाड़े हुए इस दोहरे हत्याकांड से पूरे इलाके में दहशत का माहौल है। पुलिस ने आरोपी की तलाश के लिए कई टीमें गठित कर दी हैं और आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा और मामले का खुलासा किया जाएगा।

CMYK

डीएम ऑफिस के पास बने रिकॉर्ड रूम से कब्र बिज्जू पकड़ा गया

बुलन्द मंज़िल ब्यूरो

मुरादाबाद। डीएम ऑफिस के पास बने रिकॉर्ड रूम में उस वक्त हड़कम्प मच गया जब वहां कई कब्र बिज्जू होने की खबर वन विभाग को दी गई। वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और एक कब्र बिज्जू को रेस्क्यू कर पकड़ लिया गया। बताया जा रहा है कि अभी और भी कब्र बिज्जू रिकॉर्ड रूम में मौजूद हैं, जिसके लिए 7 से 8 लोगों की टीम लगाई गई है वन विभाग के कर्मचारी निजाम ने बताया कि उन्हें सूचना मिली थी कि डीएम ऑफिस के बगल में रिकॉर्ड रूम में कब्र बिज्जू होने की सूचना प्राप्त हुई है। उन्होंने बताया कि पकड़े गए कब्र बिज्जू को जंगल में छोड़ा जाएगा। निजाम ने बताया कि

रिकॉर्ड रूम में कब्र बिज्जू की मौजूदगी से वहां काम करने वाले कर्मचारियों में हड़कम्प मच गया था गौरतलब है कि कब्र बिज्जू एक जहरीला और खतरनाक जानवर होता है, जिसके काटने से गंभीर परिणाम हो सकते हैं। इसलिए वन विभाग की टीम ने तुरंत कार्रवाई करते हुए कब्र बिज्जू को पकड़ लिया और उसे सुरक्षित स्थान पर छोड़ने की तैयारी कर रही है इस घटना से यह भी पता चलता है कि शहर में वन्यजीवों की मौजूदगी कितनी आम हो गई है, और लोगों को उनके बारे में जागरूक रहने की जरूरत है।

बिना रजिस्ट्रेशन और डिग्री के चल रहा सानवी हेल्थ केयर, 24 घंटे इलाज का दावा-मरीजों से खिलवाड़ का आरोप

-महिलाओं के रोग, हड्डी ऑपरेशन, जहर के मरीजों तक का इलाज करने का दावा; स्थानीय लोगों ने की जांच की मांग

अनिल चौधरी, बुलंद मंजिल

हाथरस क्षेत्र में पटा चौराहे पर संचालित सानवी हेल्थ केयर पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। आरोप है कि यहां बिना किसी मान्यता, रजिस्ट्रेशन और वैध मेडिकल डिग्री के ही डॉक्टरों द्वारा मरीजों का इलाज किया जा रहा है। बताया जा रहा है कि इस सेंटर पर करीब डेढ़ दर्जन प्रकार की बीमारियों के इलाज का दावा किया जा रहा है, जिससे लोगों की जान जोखिम में पड़ सकती है।

क्लिनिक की ओर से 24 घंटे इमरजेंसी सुविधा देने का दावा किया जा रहा है। यहां महिलाओं की सभी प्रकार की

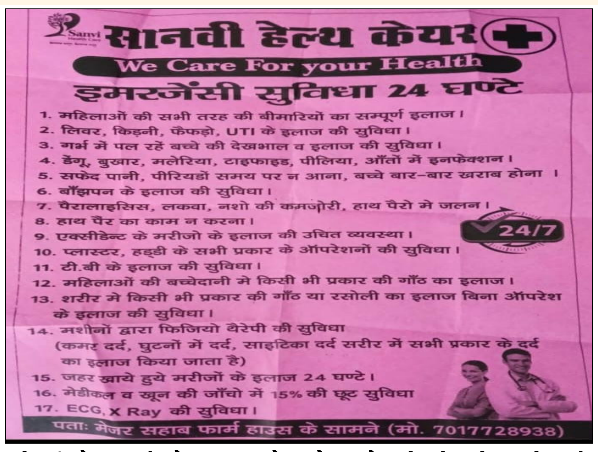

बीमारियों, गर्भ में पल रहे बच्चे की देखभाल, बांझपन, सफेद पानी, पीरियड की अनियमितता और गर्भपात जैसी समस्याओं के इलाज की बात कही जा रही है। इसके अलावा लिवर, किडनी, फेफड़ों की बीमारी, यूटीआई, डेंगू, बुखार, मलेरिया, टाइफाइड, पीलिया और आंतों के संक्रमण तक के इलाज का दावा किया जा रहा है। वहीं पैरालाइसिस, लकवा, नसों की कमजोरी, हाथ-पैर में जलन और एक्सीडेंट के मरीजों के इलाज की भी व्यवस्था होने की बात कही जा रही है।

क्लिनिक में हड्डियों के ऑपरेशन, प्लास्टर, टीबी के इलाज, शरीर में किसी भी प्रकार की गांठ या रसौली का बिना ऑपरेशन इलाज, मशीनों से फिजियोथेरेपी, कमर दर्द, घुटनों के दर्द और साइटिका जैसी बीमारियों के इलाज की सुविधा होने का भी दावा किया जा रहा है। साथ ही जहर खाए मरीजों के इलाज की भी 24 घंटे सुविधा बताई जा रही है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि इस तरह के बड़े-बड़े दावे कर मरीजों को गुमराह किया जा रहा है और उनकी सेहत के साथ खिलवाड़ हो रहा है। क्लिनिक में ईसीजी, एक्स-रे और खून की जांच पर 15 प्रतिशत छूट का लालच देकर मरीजों को आकर्षित किया जा रहा है। लोगों ने स्वास्थ्य विभाग और प्रशासन से मांग की है कि पूरे मामले की जांच कराई जाए और यदि क्लिनिक बिना वैध अनुमति के चल रहा है तो उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए, ताकि आम लोगों की जान से खिलवाड़ न हो सके। यह समाचार डाक्टर के छपे हुए पर्चे के मुताबिक प्रकाशित किया गया है। इस मामले में मुख्य चिकित्साधिकारी द्वारा ही जांच की पुष्टि की जाएगी।

कार्यालय खण्ड विकास अधिकारी विकास खण्ड हसनपुर, अमरोहा

पंशक 2256/पराविo/ गौoशाo / भूoटेo/2025-26 | **दिनांक 11-03-2026**

(अल्पकालीन निविदा)

वित्तीय वर्ष 2025-26 में विकास खण्ड हसनपुर में निम्नानुसार संचालित अस्थाई गौवश आश्रय स्थल में संरक्षित गौवंशो के भरण-पोषण हेतु भूसा एंव हरा चारा व साइलेज, दाना चौकर, पौषाहार का समय-समय पर क्रय किया जाना है। जिसकी दरे प्रति कुन्तल निर्धारित करने एवं एकरूपता बनाये रखने के लिये न्यूनतम दरो वाली फर्मों के चयन के लिये निविदा दिनांक 11.03.2026 से दिनांक 25.03.2026 (दोपहर 2 बजे) तक आंमत्रित की जाती है। जो उसी दिन सांय 04 बजे उपस्थित निविदा दाता के समक्ष विकास खण्ड कार्यालय में ब्लाक स्तरीय कमेटी द्वारा नामित अधिकारियो के समक्ष खोली जायेगी। यदि निविदा खोले जाने की दिनांक को राजकीय अवकाश होता है तो निविदा प्राप्त एंव खोले जाने की तिथि अगला कार्य दिवस होगा। निविदा प्रपत्र, बिल ऑफ क्वांटिटी दिनांक 11.03.2026 से दिनांक 25.03.2026 तक (राजकीय अवकाश को छोडकर) निर्धारित मूल्य 826 रुपए जमा कर प्राप्त की जा सकती है।

क्रम संख्या	गौशाला का नाम	संरक्षित गोवंश की संख्या अनुमानित	विकास खण्ड मुख्यालय से दूरी
01	अस्थाई गौशाला अल्लीपुर खादर	85	05 किलोमीटर
02	अस्थाई गौशाला मंगरौली	55	07 किलोमीटर
03	अस्थाई गौशाला फुलपुर बीझलपुर	137	09 किलोमीटर
04	अस्थाई गौशाला ब्रहम्माबाद	206	12 किलोमीटर
05	अस्थाई गौशाला चकूनी	124	17 किलोमीटर

वित्तीय बिड

चारे/साइलेज का विवरण	आवश्यक मात्रा कुन्तल में	निविदादाता की दर (प्रति कुन्तल) (जीoएसoटीo की अनुमान्यता सहित)
1-गेहू का भूसा	मांग के अनुसार	
2-साइलेज	मांग के अनुसार	
3-हरा चारा (मौसम के अनुसार)	मांग के अनुसार	1-बरसीम 2-जई 3-बाजरा 4 मक्का 5-गन्ने का अगौला हरा व अन्य
4-दाना/चौकर	मांग के अनुसार	

घोषणा

उपरोक्त चारे की गुणवत्ता पूर्वक आपूर्ति अस्थाई गौवंश आश्रय स्थल तक (मय लोडिग एवं अनलोडिग) आवश्यकतानुसार करने के लिये सहमत हूँ। आपूर्ति आवश्कतानुसार समय-समय पर निर्गत होने वाले क्रय आदेशानुसार की जायेगी।

स्थान- **निविदादाता फर्म के अधिकृत हस्ताक्षर व मोहर**

दिनांक

निविदा से सम्बन्धित नियम एवं शर्ते

1- सशर्त निविदा स्वीकार नही होगी।

2- निविदा दिनांक 29.11.2025 तक अपरान्ह 5.00 बजे तक प्राप्त की जा सकती है तदोपरान्त दिनांक 01.12.2025 को सांय 04 बजे विकास खण्ड कार्यालय में क्रय समिति के समक्ष खोली जायेगी।

3- निविदा के साथ धनराशि रू0 25000.00 (पच्चीस हजार) का बैंक ड्राफ्ट ईoएमoडीo के रूप में खण्ड विकास अधिकारी गंगेश्वरी के नाम से होगा, संलग्न करना अनिवार्य होगा। बिना ईoएमoडीo के, निविदा स्वीकार नही होगी।

4- निविदादाता द्वारा चारे की दर वित्तीय वर्ष 2025-26 हेतु उपलब्ध कराई जायेगी जो कि दिनांक 31.03.2026 तक भान्य होगी। विशेष परिस्थिति में दर अनुबन्ध को एक माह तक यथा दिनांक 30.04.2026 तक बढ़ाने का अधिकार (विकारा खण्ड स्तरीय मूल्यांकन अनुश्रवण एवं सीमक्षा समिति की संस्तुति पर) ग्राम पंचायत सचिव को होगा।

5- निविदादाता का जीoएसoटीo पंजीकरण होना अनिवार्य है जिसकी स्वप्रमाणित प्रति निविदा के साथ उपलब्ध कराई जायेगी।

6- निविदा दो भागो में विभक्त होगी-

'अ' तकनीकी निविदा तकनीकी निविदा फर्म को ईoएमoडीo मूल रूप में, जीoएसoटीo पंजीकरण प्रमाण पत्र की छाया प्रति, पैन कार्ड की छाया प्रति, बैंक पास बुक की छाया प्रति, आधार कार्ड की छाया प्रति एवं रू0 100 के मोन ज्यूडिशियल स्टाम्प पेपर पर घोषणा उपलब्ध करानी होगी कि उनकी फर्म को किसी भी संस्था द्वारा ब्लैक लिस्ट नहीं किया गया है तथा निविदा की समस्त शर्तें उनको स्वीकार है।

उपरोक्त समस्त पत्र एक लिफाफे में रखकर उसको सील करके उपलब्ध कराना होगा। लिफाफे पर फर्म का नाम एवं पता तथा चारा आपूर्ति तकनीकी चिड लिखना होगा। तकनीकी बिड में सफल घोषणा होने पर वित्तीय बिंड. खोली जायेगी।

'ब' वित्तीय निविदा- वित्तीय निविदा में फर्म को भूसें/साइलेज/हरा चारा की न्यूनतम दर अंकित करनी होगी। वित्तीय निविदा को एक लिफाफे में रखकर उसको सील करके उपलब्ध कराना होगा। लिफाफे पर फर्म का नाम एवं पता तथा चारा आपूर्ति वित्तीय बिड लिखना होगा।

7- निविदादाता को निविदा के साथ एक किलो की पारदर्शी पैकिंग में चारे का नमूना उपलब्ध कराना होगा जिस पर फर्म का नाम एवं पता अंकित हो।

8- निर्धारित तिथि व रामय तक प्राप्त निविदाओ को उपस्थित निविदादांताओ अथवा उनके प्रतिनिधि के समक्ष क्रय समिति द्वारा खोला जायेगा। सर्वप्रथम तकनीकी निविदा खोली ज्ञायेगी जिसमें सफल होने पर वित्तीय निविदा खोली जायेगी। क्रय समिति द्वारा न्यूनतम दरों को स्वीकार किया जायेगा।

9- सफल निविदादाताओ से चारे की आपूर्ति (मांग के अनुसार) सुनिश्चित कराने हेतु 25000 / की जमानत धनराशि एफoडीoआरo के रूप खण्ड विकास अधिकारी गंगेश्वरी के पक्ष में बन्धक रखनी होगी। तथा रू0 100 के नोन ज्यूडिशियल स्टाम्प पर अनुबन्ध करना होगा। अनुवन्ध के असफल होने की दशा में जमानत राशि एवं ईoएमoडीo की राशि अंकन 50000 / को जब्त कर लिया जायेगा तथा द्वितीय न्यूनतम बोली दाता से न्यूनतम दरो परं अनुबन्ध करने पर विचार किया जायेगा।

10-क्रय समिति को यह अधिकार होगा कि बिना कारण बताये निविदा निरस्त कर दे।.

आपूर्ति-1- ग्राम पंचायत में संचालित अस्वाई गौवंश आश्रय स्थल समिति की मांग के अनुसार उनके द्वारा क्रय आदेश निर्गत किया जायेगा। क्रय आदेश के सापेक्ष गौवंश आश्रय स्थल को फर्म द्वारा चारा आपूर्ति (मय लोडिगं एवं अनलोडिग) करते हुये बिल भुगतान हेतु प्रस्तुत किया जायेगा आपूर्ति चारे का. नेत्र परीक्षण सम्बन्धित द्वारा किया जायेगा। चारे की गुणवत्ता सही होने पर "संचालन समिति द्वारा उसका भुगतान किया जायेगा।

2- आपूर्ति अधिकतम दो दिवस के अन्दर करनी होगीं। आपूर्ति के अभाव में यदि कोई अप्रिय स्थिति उत्पन्न होती है तो फर्म के विरुद्ध आवश्यक कार्यवाही की जायेगी।

भुगतान चारे की आपूर्ति का भुगतान सम्बन्धित अस्थाई गौवंश आश्रय स्थल संमिति द्वारा उपलब्ध बजट / धनराशि के सापेक्ष किया जायेगा। भुगतान में देरी के कारण फर्म को किसी प्रकार की ब्याज/पेनाल्टी अथवा अन्य कोई भुगतान अलग से देय नही होगा।

गुणवत्ता चारे की आपूर्ति करते समय उसका नेत्र परीक्षण सम्बन्धित पशु चिकित्सक किया जायेगा। यदि नेत्र परीक्षण, के समय अधोमानक प्रतीत हुआ तो बारे को आपूर्तिकताओं द्वारा अपने व्यय पर वापस लेना होगा चारे में किसी प्रकार के हानिकारक पदार्थ, मूल, बाहरी तत्व जैसे लोहे के टुकडे आदि नहीं होने चाहिये।

अन्य शर्त-

1- यदि आपूर्ति क राम्बन्ध में किसी प्रकार का विवाद उत्पन्न होता है तो नियमाणुसार क्रय समिति के माध्यम से निपटारा किया जायेंगा एवं क्रय समिति का निर्णय दोनो पक्षों का मान्य होगा किसी प्रकार के विधिक प्रकरण में ब्यायालय क्षेत्र जनपद अमरोहा होगा।

2- शासन, स्तर से धनराशि प्रात होने के उपरान्त भुगतान किया जाना सम्भव होगा तथा चारा निरन्तर उपलब्ध कराना अति आवश्यक होगा साथ ही अस्थाई गौवंश आश्रय स्थल में पारा सुबह 08 बजे से दोपहर 02 बजे तक उपलब्ध कराना होगा। .

खण्ड विकास अधिकारी / अध्यक्ष विकास खण्ड स्तरीय अनुश्रवण /मूल्याकंन एवं समीक्षा समिति गंगेश्वरी।

विशाल मेगा मार्ट में हंगामा, मां के साथ आए युवक पर बेटे का हमला, रिपोर्ट में

दैनिक बुलंद मंज़िल

गजरौला ब्यूरो। थाना क्षेत्र में स्थित विशाल मेगा मार्ट में सामान खरीदने पहुंची एक महिला के साथ मारपीट और गाली-गलौज का मामला सामने आया है। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

थाना गजरौला क्षेत्र के गांव नगलीया मेव निवासी डॉ. कुसुमलता पत्नी मुकेश कुमार ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि वह 28 फरवरी 2026 को विशाल मेगा मार्ट में अपने परिचित राहुल पुत्र गंगासरन निवासी मोहल्ला वकादद थाना बछरायूं, जनपद अमरोहा के साथ सामान खरीदने गई थीं। आरोप है कि उसी दौरान उनका बेटा चेतन पुत्र मुकेश वहां पहुंच गया और दोनों के साथ गाली-गलौज करने लगा।

पीड़िता का आरोप है कि चेतन ने वहां मौजूद लोगों के सामने उनके साथ अभद्र व्यवहार किया और मारपीट भी की। शोर-शराबा सुनकर आसपास मौजूद लोग मौके पर इकट्ठा हो गए, जिसके बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देता हुआ वहां से फरार हो गया।

घटना के बाद पीड़िता ने थाना गजरौला पहुंचकर मामले की लिखित तहरीर दी और कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने तहरीर के आधार पर आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। थाना पुलिस का कहना है कि मामले की जांच शुरू कर दी गई है और जांच के बाद आगे की आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

सिलेंडर देर से आए या वसूले ज्यादा पैसे... अब घबराने की जरूरत नहीं, एक कॉल में होगी कार्रवाई, जानें कैसे

दैनिक बुलंद मंज़िल

बरेली। एलपीजी गैस की आपूर्ति में देरी, डिलीवरी में लापरवाही और उपभोक्ताओं से तय कीमत से अधिक वसूली की बढ़ती शिकायतों को देखते हुए जिला पूर्ति विभाग ने सख्त कदम उठाया है। उपभोक्ताओं की परेशानी दूर करने के लिए जिला पूर्ति कार्यालय ने एक हेल्पलाइन नंबर जारी किया है, जिस पर अब लोग सीधे शिकायत दर्ज करा सकेंगे।

अक्सर देखने में आता है कि गैस एजेंसियों की लापरवाही के कारण उपभोक्ताओं को समय पर सिलेंडर नहीं मिल पाता। कई मामलों में बुकिंग के बाद भी उपभोक्ताओं को कई-कई दिन तक इंतजार करना पड़ता है। इसके अलावा कुछ स्थानों पर गैस एजेंसियों द्वारा निर्धारित कीमत से अधिक पैसे वसूलने की शिकायतें भी सामने आती रही हैं। इन शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए जिला पूर्ति विभाग ने निगरानी बढ़ा दी है।

जारी हुआ हेल्पलाइन नंबर

उपभोक्ताओं की समस्याओं के समाधान के लिए विभाग ने 9456667774 हेल्पलाइन नंबर जारी किया है। इस नंबर पर एलपीजी गैस की बुकिंग, डिलीवरी में देरी, आपूर्ति में समस्या या अधिक कीमत वसूलने जैसी शिकायतें दर्ज कराई जा सकती हैं। जिला पूर्ति विभाग के अनुसार यह हेल्पलाइन सुबह 8 बजे से रात 8 बजे तक किसी भी कार्यदिवस में सक्रिय रहेगी। शिकायत दर्ज होते ही संबंधित मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। विभाग का दावा है कि उपभोक्ताओं की शिकायतों को प्राथमिकता के आधार पर निस्तारित किया जाएगा।

लापरवाही पर होगी सख्त कार्रवाई

जिला पूर्ति अधिकारी मनीष कुमार ने बताया कि उपभोक्ताओं को राहत देने और गैस एजेंसियों की मनमानी पर रोक लगाने के उद्देश्य से यह हेल्पलाइन शुरू की गई है।

नफरत मिटाकर मोहब्बत फैलाने का पैगाम देता है रमजान: हुसनदीन सैफी

दैनिक बुलंद मंज़िल

हसनपुर ब्यूरो। रमजान-उल-मुबारक का पवित्र महीना अपनी रहमतों और बरकतों के साथ जारी है। इस अवसर पर समाजसेवी हुसनदीन सैफी ने कहा कि रमजान केवल भूखे-प्यासे रहने का नाम नहीं, बल्कि सब्र, शुक्र और आत्मसंयम की सीख देने वाला महीना है। यह महीना इंसान को अपनी इच्छाओं पर काबू पाना और अल्लाह की इबादत में खुद को समर्पित करना सिखाता है। उन्होंने कहा कि रोजा रखने वाला इंसान दिनभर भूख और प्यास सहकर अपने अंदर सब्र की ताकत पैदा करता है। चिलचिलाती धूप में भी पानी की एक बूंद से परहेज करना दरअसल इंसान के आत्मसंयम और धैर्य की परीक्षा होती है। यही सब्र इंसान को जिंदगी की हर मुश्किल घड़ी में मजबूत बनाता है। हुसनदीन सैफी ने कहा कि रमजान सामाजिक हमदर्दी और भाईचारे का भी

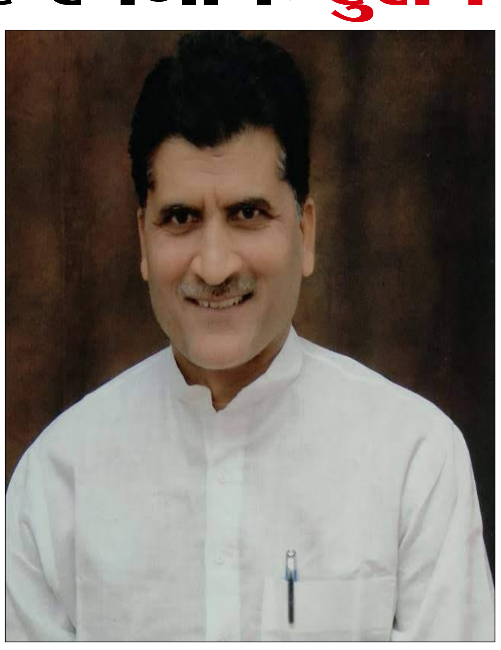

पैगाम देता है। दिनभर की भूख-प्यास से रोजेदार को गरीब और जरूरतमंद लोगों के दर्द का एहसास होता है, जिससे उसके अंदर जकात और खैरात करने की भावना पैदा होती है। इससे समाज में सहयोग, समानता और भाईचारा बढ़ता है। उन्होंने बताया कि इसी मुकद्दस महीने में कुरान-ए-पाक नाजिल हुआ, जो पूरी इंसानियत के लिए हिदायत की किताब है। रमजान हमें अपनी जुबान, नजर और विचारों को पाक रखने की शिक्षा देता है और बुराई का जवाब सब्र और खामोशी से देने की सीख देता है। अंत में उन्होंने लोगों से अपील की कि रमजान के इस पवित्र महीने में नफरत को छोड़कर मोहब्बत, अमन और इंसानियत का पैगाम फैलाएं तथा समाज में आपसी भाईचारे को मजबूत करें।

२२हत्या के प्रयास के मामले में दो दोषियों को सात-सात साल की सुनाई सजा

-एडीजे-दो की अदालत ने दस-दस हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया

अनिल चौधरी, बुलंद मंजिल

हाथरस। हत्या के प्रयास के मामले में अदालत ने दो अभियुक्तों को दोषी ठहराते हुए सात-सात वर्ष के सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही प्रत्येक पर दस-दस हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया गया है। यह मामला थाना हाथरस जंक्शन में वर्ष 2014 में दर्ज मुकदमा संख्या 95,2014 से संबंधित है। पुलिस ने हरिओम पुत्र कुंवरपाल तथा रिंकी उर्फ रिंकू पुत्र तीर्थपाल निवासी नगला अलिया थाना हाथरस जंक्शन के खिलाफ धारा 307 भादवि के तहत मुकदमा दर्ज किया था। विवेचना के दौरान पुलिस ने साक्ष्य संकलित करते हुए आरोप पत्र न्यायालय में प्रेषित किया।

मामले की सुनवाई के दौरान शासन के निदेर्शों एवं पुलिस महानिदेशक उत्तर प्रदेश द्वारा चलाए जा रहे ऑपरेशन कन्विक्शन अभियान के तहत पुलिस अधीक्षक हाथरस के निर्देशन में मॉनिटरिंग सेल और अभियोजन शाखा द्वारा प्रभावी पैरवी की गई।

प्रभावी पैरवी के परिणामस्वरूप गुरुवार को एडीजे-02, हाथरस की अदालत ने दोनों अभियुक्तों हरिओम और रिंकी उर्फ रिंकू

को दोषी ठहराते हुए 7-7 वर्ष के सश्रम कारावास और 10-10 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई।

बेटियों की सुरक्षा और सम्मान से ही साकार होगा सशक्त भारत का सपना

मिशन शक्ति फेज-5 संविलियन विद्यालय खेड़ादास में उमड़ा जनसैलाब, बालिकाओं को सिखाए सुरक्षा के गुर

दैनिक बुलंद मंज़िल
बिसौली : नारी सुरक्षा, सम्मान और स्वावलम्बन के राष्ट्रीय संकल्प को धरातल पर उतारने के लिए शासन द्वारा संचालित 'मिशन शक्ति' फेज-5 के अंतर्गत संविलियन विद्यालय खेड़ादास में भव्य जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बालिकाओं को न केवल उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया गया, बल्कि विषम परिस्थितियों में अपनी सुरक्षा स्वयं करने के लिए 'हेल्पलाइन नंबरों' का कवच भी प्रदान किया गया थाना फैजगंज बेहटा से पहुंचे एएसआई हरिदत्त सैनी और महिला कांस्टेबल सुदेश ने छात्राओं को सुरक्षा टिप्स दिए। पुलिस टीम द्वारा बालिकाओं को महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबरों से युक्त बुकलेट वितरित की गई। महिला कांस्टेबल सुदेश ने कहा कि बेटियाँ किसी भी परिस्थिति में खुद को अकेला न समझें, पुलिस प्रशासन हर कदम पर उनके साथ है कार्यक्रम का संचालन करते हुए श्री सर्वेश कुमार ने सरकार द्वारा महिलाओं के लिए संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। विद्यालय की प्रधानाध्यापिका श्रीमती नीलम वार्ष्णेय ने बालिका शिक्षा के महत्व और समाज में व्याप्त लिंग भेद जैसी कुरीतियों पर कड़ा प्रहार किया। उन्होंने विद्यालय में चल रहे नवाचारों और स्वच्छता अभियान के बारे में भी विस्तार से बताया वरिष्ठ शिक्षिका श्रीमती शशिबाला ने अपने जीवन संघर्ष और पृष्ठभूमि को साझा कर बालिकाओं को भविष्य के लिए प्रोत्साहित किया। शिक्षिका ममता यादव ने कहा कि प्रधानाध्यापिका के नेतृत्व में विद्यालय नित नई ऊंचाइयों को छू रहा है। शिक्षक सचिन कुमार सिंह ने बताया कि विद्यालय में वर्तमान में कार्य करने का बहुत ही सकारात्मक माहौल है और पूरा स्टाफ मनोयोग से समर्पित है। इस अवसर पर ग्राम प्रधान श्रीमती रामसनेही, राहुल कुमार कांस्टेबल, सुधा रानी, रूबी सिंह, सुषमा रानी, शोभा रानी, पूनम कुमारी, प्रभारानी, प्रदीप सक्सेना, दीपक ठाकुर, चेतन मिश्रा, पंचू गोपाल, पुनीत कुमार, दानवीर सिंह राजेश मोर्य समेत समस्त विद्यालय स्टाफ व गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। अंत में प्रधानाध्यापिका ने सभी का आभार व्यक्त किया।

ट्रक की टक्कर से क्षतिग्रस्त हुए दो ट्रांसफार्मर व दो पोल

पुलिस व बिजली विभाग के कर्मचारी पहुंचे, मरमम्त का काम शुरू कराया

दैनिक बुलंद मंज़िल
बीरेंद्र सिंह/ सिंहपुरसानी। संभल विकासखंड क्षेत्र के गांव लखौरी जलालपुर में स्थित बिजलीघर से जुड़े गांव पीपली रहमापुर में हिसामपुर मार्ग पर ट्रक की टक्कर से दो हाईटेंशन पोल व दो दस केवी के ट्रांसफार्मर नीचे गिर गए। तारों में फाल्ट होने से ग्रामीणों में अफरा-तफरी मच गई। इसी के साथ लाइन क्षतिग्रस्त होने की वजह से गांव में बिजली की आपूर्ति बाधित हो गई। जानकारी के अनुसार गुरुवार की दोपहर संभल की ओर से चालक ट्रक लेकर गांव हिसामपुर की ओर आ रहा था। चालक ट्रक लेकर जैसे ही हिसामपुर मार्ग पर गांव पीपली

रहमापुर के पास पहुंचा तो चालक का ट्रक से नियंत्रण हट गया और अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड़े हाईटेंशन बिजली के पोल टकरा गया जिसके कारण दर्जनों घरों में बिजली की आपूर्ति करने वाले दो दस केवी के ट्रांसफार्मर व दो पोल जमीन पर गिरकर क्षतिग्रस्त हो गए। वहीं हाईटेंशन करंट सुचारु होने की वजह से तारों में फाल्ट हो गया। जिससे गांव में बिजली की आपूर्ति बाधित हो गई। वहीं फाल्ट होने की वजह से आसपास में खड़े ग्रामीणों में अफरा-तफरी मच गई। इसी के साथ टक्कर मारने के बाद चालक ट्रक लेकर मौके से फरार हो गया। पोल व ट्रांसफार्मर क्षतिग्रस्त होने की सूचना ग्रामीणों ने पुलिस व बिजली विभाग के कर्मचारियों को दी। सूचना मिलने पर पुलिस व अवर अभियंता रवीश त्यागी अन्य बिजली कर्मचारियों के साथ मौके पर पहुंचे और घरों में बिजली की व्यवस्था सुचारु करने के लिए लाइन मरमम्त का काम शुरू किया। गनीमत रही कि हादसे के समय हाईटेंशन लाइन के नीचे कोई नहीं था। वरना बड़ा हादसा हो सकता था।

संदिग्ध परिस्थितियों में युवक रस्सी के फंदा पर झूला, मौत

परिजनों का कहना है कि युवक ने बीमारी से तंग आकर आत्महत्या की है।

दैनिक बुलंद मंज़िल / बीरेंद्र सिंह सिंहपुरसानी। संभल के एंचौड़ा कंबोह थाना क्षेत्र में संदिग्ध परिस्थितियों में रस्सी के फंदे को गले में डालकर युवक ने जान दे दी। जिससे परिजनों में कोहराम मच गया। परिजनों ने पुलिस को बिना सूचना दिए ही युवक के शव का अंतिम संस्कार कर दिया। जानकारी के अनुसार थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी 18 वर्षीय युवक पिछले कई माह से बीमार चल रहा था। गुरुवार को युवक अमरोहा जिले की नगर पंचायत सैदनगली में निजी चिकित्सक से दवा लेने गया था। दोपहर तीन बजे के बाद दवा लेकर जैसे ही युवक घर पहुंचा तो उस समय घर पर कोई नहीं था। युवक ने कमरे में छत पर लगे हुक में रस्सी बांधकर फंदा गले में कस लिया। कुछ देर बाद घर पहुंचे परिजनों ने युवक को फंदे पर झूलते देखा तो होश उड़ गए और आनन फानन में फंदा खोलकर परिजनों ने युवक को नीचे उतारा। लेकिन तब तक युवक की मौत हो गई। जिससे परिजनों में कोहराम मच गया। जिसके बाद परिजनों ने बिना पुलिस को सूचना दिए ही युवक के शव की अंतिम संस्कार की तैयारी शुरू कर दी। परिजनों ने बताया कि बीमारी से तंग आकर युवक ने आत्महत्या की है। युवक तीन भाइयों में सबसे बड़ा था। युवक की मौत होने से परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है।

डीएसएम शुगर मिल रजपुरा ने पेराईसत्र 2025-26 का सफलतापूर्वक किया समापन

दैनिक बुलंद मंजिल / ब्यूरो चीफ विनय कुमार राठौर
चन्दौसी। डीएसएम शुगर मिल रजपुरा की पपेराई सत्र का समापन हुआ। इस अवसर पर यूनिट हेड आशीष कुमार शर्मा ने वहां मौजूद किसानो,फैक्ट्री के अधिकारी और कर्मचारी को बधाई देते हुए सभी का आभार जताया, आशीष शर्मा ने मिल के सफलतापूर्वक पेराई सत्र के समापन के लिए किसानों के साथ-साथ जिला प्रशासन संभल, बुलंदशहर,बदायूं व संबंधित जुड़े हुए सभी अधिकारियों का धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने कहा कि यह मिल सभी किसान

भाइयों की है तथा यह मिल आपके साथ तन मन धन से खड़ी है और इस मिल को आगे ले जाने में आप लोगों की जरूरत है उम्मीद है की आप लोगों के द्वारा गन्ने की अच्छी बुवाई कर मिल को अगले पेराई सत्र में ज्यादा गन्ने की सप्लाई करेंगे यदि कोई भी आप लोगों को परेशानी होती है तो मैं आपसे 24 घंटे मिलने को तैयार हु उन्होंने मीडिया बंधुओं का भी आभार जताया।

दो दिवसीय खाद्य प्रसंस्करण प्रशिक्षण कार्यक्रम का हुआ शुभारंभ

दैनिक बुलंद मंजिल / ब्यूरो चीफ विनय कुमार राठौर
सम्भल। बुधवार को राजकीय फल संरक्षण एवं प्रशिक्षण केंद्र संभल द्वारा ग्रामीण बेरोजगार युवक एवं युवतियों को प्रशिक्षण हेतु मुख्यमंत्री खाद्य प्रसंस्करण ग्राम रोजगार योजना अंतर्गत दो दिवसीय खाद्य प्रसंस्करण प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ ग्राम प्रधान एवं जिला उद्यान अधिकारी सौरभ बंसल द्वारा संयुक्त रूप से फीता काटकर न्याय पंचायत मौलागढ़ ग्राम सभा आटा विकासखंड बनिया खेड़ा में किया गया। लाभार्थियों को लेखन सामग्री आदि वितरण की गयी । विषय विशेषज्ञ द्वारा विभाग की विभिन्न

प्रकार की योजनाओं की जानकारी दी गई तथा लाभार्थियों को मिर्च का अचार एवं नींबू का अचार बनाकर प्रयोगात्मक कार्य दिखाया गया। कार्यक्रम का संचालन प्रभारी नौसिंह द्वारा किया गया।

अपर जिलाधिकारी ने घरेलू एल.पी.जी. के सुचारू वितरण हेतु समस्त गैस वितरकों, बिक्री अधिकारियों एवं आपूर्ति विभाग के कर्मचारियों के साथ की बैठक

दैनिक बुलंद मंजिल / ब्यूरो चीफ विनय कुमार राठौर
सम्भल। जिलाधिकारी के निर्देशन में अपर जिलाधिकारी (वि./रा. की अध्यक्षता में जनपद सम्भल में घरेलू एल.पी.जी. के सुचारू वितरण हेतु समस्त गैस वितरकों, बिक्री अधिकारियों एवं आपूर्ति विभाग के कर्मचारियों की बैठक आहूत की गयी। उक्त बैठक की संयोजकता कमलेश चन्द्र क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी सम्भल/प्रभारी जिला पूर्ति अधिकारी द्वारा की गयी। उक्त बैठक में प्रतीक उपाध्याय बिक्री अधिकारी बी.पी.सी.एल., जिवतेश बिक्री अधिकारी आई.ओ.सी.एल., समस्त आपूर्ति स्टॉफ एवं समस्त गैस वितरक जनपद सम्भल उपस्थित रहे। दोनो बिक्री अधिकारियों द्वारा समस्त गैस वितरकों को बताया गया कि वर्तमान में जनपद सम्भल की प्रतिदिन एल.पी.जी. उपभोग मात्रा के सापेक्ष पर्याप्त मात्रा में स्टॉक उपलब्ध है। कोई भी उपभोक्ता पूर्व में किये गये ओ.टी.पी. गैस बुकिंग के 25 दिन के उपरान्त दोबारा गैस रिफिल प्राप्त कर सकता है। वर्तमान में जनपद में लगभग अगले 02 दिन का स्टॉक उपलब्ध रहता है। अन्त में अपर जिलाधिकारी द्वारा समस्त गैस वितरकों को निर्देश दिये गये कि गैस एजेन्सियों पर आने वाले प्रत्येक उपभोक्ता को गैस बुकिंग एवं गैस डिलीवरी की पूर्ण जानकारी दी जाये साथ ही उपभोक्ताओं के साथ सदभाव एवं नम्रता का व्यवहार किया जाये तथा सभी वितरक अपने-अपने डिलीवरीमेन/हॉकरों के साथ बैठक कर उन्हें निर्देशित करें कि वह क्षेत्रों में डिलीवरी देते समय अपने आई.डी. कार्ड/यूनिफार्म में रहें व उपभोक्ताओं को बुकिंग के अनुसार ही क्रमवार निर्धारित समय पर गैस रिफिल उपलब्ध करायें। डिलीवरीमेन/हॉकर्स क्षेत्रों में उपभोक्ताओं को गैस बुकिंग के सम्बन्ध में जागरूक करें। अपर जिलाधिकारी द्वारा समस्त गैस वितरकों को यह भी निर्देश दिये गये कि परिषदीय विद्यालयों में एम.डी.एम. बनाने हेतु नियमानुसार प्राथमिकता के आधार पर गैस उपलब्ध करायी जाये। बिक्री अधिकारियों द्वारा यह भी जानकारी दी गयी कि भीम ऐप्प/ यू.पी.आई./पे.टी.एम. /गूगल ऐप्प आदि के माध्यम से भी घर बैठे गैस बुकिंग कर सकते हैं साथ ही यह बिक्री अधिकारियों द्वारा यह भी अवगत कराया गया कि गैस की आपूर्ति लगातार सुचारू रूप से जारी है जनता में किसी भी प्रकार की कोई भी भ्रान्ति न फैलायी जाये। सभी उपभोक्ताओं को नियमित रूप से गैस प्राप्त करने में कोई बाधा उत्पन्न नहीं होगी।

समिति के पदाधिकारियों के साथ राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ने की रोजा इफ्तार पार्टी

दैनिक बुलंद मंजिल / ब्यूरो चीफ विनय कुमार राठौर
सम्भल। विकास दिव्यांग सेवा समिति ट्रस्ट के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष यूनुस बरसी के द्वारा आयोजित रोजा इफ्तार पार्टी में समिति के सभी पदाधिकारी शामिल हुए। इस अवसर पर सभी ने एक दूसरे के साथ मिलकर इफ्तार किया और दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण के लिए चर्चा की समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष आस मोहम्मद ने

सभी लोगों का धन्यवाद किया और कहा कि आप इस ट्रस्ट को मजबूती से चलाएं ताकि समाज में एकता एवं भाईचारा कायम रहे और कोई मजलूम बेसहारा ना रहे। उन्होंने सरकार की योजनाओं के बारे में भी बताया इस दौरान समिति के महिला मोर्चा की सभी महिलाएं उपस्थित रही, जिनमें फरहत खलील, शाहीन एडवोकेट, मेहरुल निशा, समापरवीन, उजमा परवीन, शाइस्ता एडवोकेट, राधा कुमारी, चांदनी, गुलबहार, सबिया आदि शामिल थीं। अन्य उपस्थित लोगों में मोहम्मद अली, अजीम गाजी, आरिफ कमाल, मोहम्मद फिरोज, गुलाम नबी यूनुस वारसी, इसरार मलिक आदि थे।

सप्त दिवसीय विशेष शिविर के छठे दिन स्वास्थ्य जागरूकता विषय व स्वास्थ्य जांच शिविर का किया आयोजन

दैनिक बुलंद मंजिल / ब्यूरो चीफ विनय कुमार राठौर
चन्दौसी। गुरुवार को एन. के. बी. एम. जी. पीजी कॉलेज चंदौसी की राष्ट्रीय सेवा योजना की दोनों इकाइयों के सप्त दिवसीय विशेष शिविर के छठे दिवस पर 'स्वास्थ्य जागरूकता' विषय पर स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन कार्यक्रम अधिकारी डॉ शीतल एवं डॉ प्रियंका के संयोजन में प्राथमिक विद्यालय करेला चंदौसी में आयोजित किया गया। शिविर का आरंभ स्वयंसेविकाओं तमन्ना वार्ष्णेय, मीनाक्षी शर्मा, खुशी द्वारा मां सरस्वती की वंदना एवं स्वागत गीत गाकर किया गया। भावना आर्य, मानसी द्वारा लक्ष्य गीत गया गया। शिविर के प्रथम सत्र में सवयंसेविकाओं को डॉ हरविंदर सिंह, राजकीय संयुक्त चिकित्सालय, चंदौसी

के सुपरविजन में डॉक्टर की टीम ने सभी स्वयंसेविकाओं के हीमोग्लोबिन एवं बीपी की जांच की तथा समय-समय पर होने वाली शारीरिक स्वास्थ्य समस्याओं के प्रति छात्राओं को जागरूक किया और उन्हें परामर्श भी दिया। इस कार्यक्रम में छात्राओं ने अपनी शारीरिक समस्याओं के संबंध में प्रश्न भी किया। जिनका उत्तर डॉक्टर साहब के द्वारा दिया गया। अंत में डॉक्टर साहब द्वारा जिन स्वयं सेविकाओं में खून की कमी पाई गई उनको आयरन एवं कैल्शियम की टैबलेट भी वितरित की गई। अंत में स्वयं सेविकाओं द्वारा विभिन्न प्रकार के हैंडीक्राफ्ट्स भी बनाए गए तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए गए। कार्यक्रम में कर्मचारी सीता व मुकेश का विशेष सहयोग रहा।

शाहबाद में श्रीमद् भागवत कथा का हुआ शुभारम्भ

दैनिक बुलंद मंज़िल /अभिषेक मिश्रा
शाहबाद रामपुर । नगर के प्रसिद्ध नवदुर्गा मंदिर के पास चंदौसी रोड पर गुरुवार से श्रीमद् भागवत कथा का हुआ शुभारंभ हो गया है। बता दें कि श्री मद भागवत कथा का

कथा वाचक आचार्य नितिन भारद्वाज जी महाराज के द्वारा प्रथम दिवस में भागवत के महत्व का वर्णन किया गया । हमारे संवाददाता को बताया गया है कि यह कथा 18 मार्च तक चलेगी ।कथा के यजमान राजीव मिश्रा एवं समस्त भक्त गणों ने खूब आनंद प्राप्त किया।। जिस दौरान योगेश भारद्वाज , कौशल मिश्रा, दीपांशु भारद्वाज आदि भक्तगण उपस्थित रहे।

अलविदा आज, शाही जामा मस्जिद में 1:30 और रजा मस्जिद में 3:30 बजे अदा होगी नमाज

दैनिक बुलंद मंज़िल
बरेली। रमजान के आखिरी जुमा यानी अलविदा की नमाज आज शहर की छोटी-बड़ी मस्जिदों में अदा की जाएगी। इसके लिए सभी मस्जिदों में तैयारियां पूरी कर ली गई हैं और नमाज के समय का एलान भी कर दिया गया है। किला स्थित शाही जामा मस्जिद में अलविदा की नमाज दोपहर 1:30 बजे अदा की जाएगी, जबकि सबसे आखिर में दरगाह आला हजरत की रजा मस्जिद में साढ़े तीन बजे नमाज होगी। प्रशासन और मस्जिद कमेटियों ने नमाजियों की सुविधा के लिए इंतजाम किए हैं।

आला हजरत दरगाह के मीडिया प्रभारी नासिर कुरैशी ने बताया कि शहर की अलग-अलग मस्जिदों में नमाज का समय अलग-अलग रखा गया है ताकि नमाजियों को आसानी रहे। दोपहर 12:45 बजे खानकाह वामिकिया, जसोली की पीराशाह मस्जिद, बालजती की गुरुड़ वाली मस्जिद, पशुपति बिहार मस्जिद, कैंट की हाथीखाना मस्जिद और लीची बाग की फैजाने मदीना मस्जिद में नमाज अदा की जाएगी। दोपहर एक बजे दरगाह शाह शराफत अली मियां, दरगाह वली मियां बाजार संदल खान, आजमनगर की हरी मस्जिद, चौकी चौराहा वाली मस्जिद, कोतवाली की मोती मस्जिद, सिविल लाइंस की आवास विकास मस्जिद, सैलानी रजा चौक की बारादरी मस्जिद, कुतुबखाना की जहानी मस्जिद, बड़ा बाजार की हरी मस्जिद, मलूकपुर की लाल मस्जिद और शिया जामा मस्जिद में नमाज होगी। इसके बाद 1:15 बजे इज्जतनगर रोड नंबर एक की मुमताज मस्जिद और सुभाषनगर की साबरी मस्जिद में नमाज अदा की जाएगी।

दोपहर 1:30 बजे दरगाह बशीर मियां, कचहरी वाली मस्जिद, कांकरटोला की छह मीनारा मस्जिद, मलूकपुर की मुफ्ती आजम हिंद मस्जिद, स्वालेनगर की एक मीनार मस्जिद, स्टेडियम रोड शाहदाना मुस्तफाई मस्जिद, शाहबाद की मुन्ना तारकश मस्जिद, सिटी सब्जी मंडी रोड की मस्जिद मंसूरियान और बांस मंडी की अरबिया काशीफुल उलूम मस्जिद में नमाज अदा की जाएगी। इसके बाद दो बजे से लेकर साढ़े तीन बजे तक शहर की कई अन्य मस्जिदों में भी अलविदा की नमाज अदा होगी।

दरगाह आला हजरत के सज्जादानशीन मुफ्ती अहसन मियां ने बताया कि 19 मार्च को ईद का चांद नजर आने पर 20 मार्च को ईद मनाई जाएगी। यदि चांद नजर नहीं आया तो 20 मार्च को रमजान का आखिरी जुमा मानकर फिर जुमा-तुल-विदा की नमाज अदा की जाएगी और ईद 21 मार्च को होगी। रमजान के आखिरी दिनों में शहर के बाजार भी गुलजार हो गए हैं और ईद की खरीदारी के लिए लोगों की भीड़ बढ़ रही है।

बीड़ी-सिगरेट छोड़ने की अपील, किसानों को दिलाई तंबाकू त्याग की शपथ

दैनिक बुलंद मंज़िल

हसनपुर ब्यूरो। किसान सहकारी चीनी मिल कालखेड़ा में परिसर में राष्ट्र सेवी संगठन के कार्यकताओं द्वारा धूम्रपान निषेध दिवस के उपलक्ष्य में एक जागरूकता गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य किसानों और आम लोगों को धूम्रपान व तंबाकू के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना था।

इस अवसर पर राष्ट्र सेवी संगठन के संयोजक कृष्ण कुमार शर्मा ने उपस्थित किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि बीड़ी, सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पादों में कई प्रकार की हानिकारक गैसें और रसायन पाए जाते हैं, जो मानव शरीर के लिए बेहद नुकसानदायक होते हैं। उन्होंने बताया कि धूम्रपान करने से न केवल स्वयं व्यक्ति की सेहत पर बुरा असर पड़ता है, बल्कि उसके द्वारा छोड़े गए धुएं से आसपास मौजूद लोगों के स्वास्थ्य पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इसे ह्यपैसिव स्मोकिंगह्न कहा जाता है, जो कई गंभीर बीमारियों का कारण बन सकती है।

उन्होंने आगे कहा कि गुटखा, तंबाकू और अन्य नशे की वस्तुएं भी शरीर के लिए अत्यंत हानिकारक हैं और इनसे मुंह के कैंसर सहित कई गंभीर बीमारियां होने का खतरा बढ़ जाता है। गोष्ठी के दौरान उपस्थित किसानों को तंबाकू और धूम्रपान से दूर रहने की शपथ दिलाई गई तथा उनसे अपील की गई कि वे अपने परिवार और आसपास के लोगों को भी तंबाकू मुक्त जीवन अपनाने के लिए प्रेरित करें।

कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने सरकारी दफ्तरों में कुछ कर्मचारियों द्वारा ड्यूटी के दौरान गुटखा, तंबाकू और धूम्रपान करने की प्रवृत्ति पर भी रोष व्यक्त किया। उपस्थित लोगों ने एक स्वर में मांग की कि ड्यूटी टाइम में नशे का सेवन करने वाले सरकारी कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए, ताकि समाज में सकारात्मक संदेश जाए।

इस अवसर पर भारतीय किसान संघ के प्रांत गन्ना मंत्री महिपाल सिंह, सुभाष सिंह, कांछिद, दीपक चौहान, रविन्द्र सिंह, ब्रजपाल, सोमपाल सिंह, मंगल सिंह सहित कई किसान और संगठन के कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी ने समाज को तंबाकू मुक्त बनाने का संकल्प लिया।

अयोध्या में 19 मार्च को विशेष समारोह, हसनपुर के नरेंद्र चौधरी को मिला निमंत्रण

दैनिक बुलंद मंज़िल

हसनपुर ब्यूरो। अयोध्या धाम स्थित श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की ओर से राम मंदिर निर्माण में सहयोग देने वाले लोगों को 19 मार्च को आयोजित होने वाले विशेष समारोह में शामिल होने के लिए निमंत्रण भेजे जा रहे हैं। इसी क्रम में हसनपुर तहसील क्षेत्र के रहने वाले मेरठ प्रांत के प्रांत उपाध्यक्ष चौधरी नरेंद्र सिंह को भी ट्रस्ट की ओर से आमंत्रण पत्र भेजा गया है।

ट्रस्ट द्वारा जारी पत्र के अनुसार आगामी चैत्र शुक्ल प्रतिपदा यानी भारतीय नववर्ष के अवसर पर 19 मार्च को श्री राम जन्मभूमि मंदिर परिसर में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस कार्यक्रम में भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के आगमन की भी पुष्टि की गई है। कार्यक्रम को राम मंदिर निर्माण कार्य पूर्ण होने के बाद एक महत्वपूर्ण धार्मिक आयोजन माना जा रहा है।

आमंत्रण पत्र ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्यगोपाल दास, कोषाध्यक्ष स्वामी गोविंददेव गिरी और महासचिव चंपत राय की ओर से भेजा गया है। इसमें मंदिर निर्माण में सहयोग देने वाले श्रद्धालुओं और सहयोगियों को इस ऐतिहासिक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया है।

पत्र में अनुरोध किया गया है कि कार्यक्रम में शामिल होने वाले अतिथि 18 मार्च 2026 की रात तक अयोध्या पहुंच जाएं, जिससे उनके ठहरने और अन्य व्यवस्थाओं में कोई असुविधा न हो। 19 मार्च को मुख्य कार्यक्रम के बाद अतिथि उसी दिन शाम को या फिर 20 मार्च की सुबह अपने गंतव्य के लिए प्रस्थान कर सकेंगे। ट्रस्ट की ओर से अयोध्या में अतिथियों के लिए रहने और भोजन की व्यवस्था की जाएगी। हालांकि आने-जाने की यात्रा की व्यवस्था अतिथियों को स्वयं करनी होगी। निमंत्रण मिलने से क्षेत्र के श्रद्धालुओं में उत्साह का माहौल देखा जा रहा है।

मौत को छूकर लौटे भाजपा नेता, टायर फटने से हाईवे पर बड़ा हादसा टला

दैनिक बुलंद मंज़िल

शाहजहांपुर ब्यूरो। लखनऊ-दिल्ली राष्ट्रीय राजमार्ग पर बुधवार सुबह एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। अमरोहा जिले के हसनपुर क्षेत्र के भाजपा नेता की कार का टायर फटने से वाहन अनियंत्रित होकर पहले पेड़ से टकराया और फिर खाई में पलट गया। गनीमत रही कि हादसे में भाजपा नेता को गंभीर चोट नहीं आई और वह बाल-बाल बच गए।

जानकारी के अनुसार अमरोहा जिले के हसनपुर क्षेत्र के गांव ढबारसी निवासी भाजपा नेता तस्नीम अहमद उर्फ मोनी चौधरी बुधवार सुबह अपनी फॉर्च्यूनर कार से लखनऊ जा रहे थे। वह एक शादी समारोह में शामिल होने के लिए घर से निकले थे। जब उनकी कार शाहजहांपुर जनपद के तिलहर क्षेत्र में बिलहरी गांव के मोड़ के पास पहुंची, तभी अचानक कार का पिछला टायर फट गया। टायर फटते ही तेज रफ्तार कार का संतुलन बिगड़ गया और वाहन अनियंत्रित होकर सड़क किनारे एक पेड़ से जा टकराया। पेड़ से टकराने के बाद कार सड़क किनारे खाई में पलट गई। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और आसपास के लोग घटनास्थल की ओर दौड़ पड़े। इसी दौरान वहां से गुजर रहे एक ऑटो चालक ने तत्परता दिखाते हुए कार में फंसे चालक को बाहर निकालने में मदद की। लोगों की मदद से भाजपा नेता को सुरक्षित वाहन से बाहर निकाल लिया गया। हादसे में कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई, लेकिन चालक तस्नीम अहमद उर्फ मोनी चौधरी को किसी प्रकार की गंभीर चोट नहीं आई। स्थानीय लोगों ने इसे बड़ी किस्मत बताया कि इतना बड़ा हादसा होने के बावजूद वह सुरक्षित बच गए।

घटना की सूचना मिलने पर एनएचएआई की पेट्रोलिंग टीम भी मौके पर पहुंच गई और स्थिति का जायजा लिया। कुछ देर के लिए हाईवे पर हलचल का माहौल रहा, हालांकि यातायात सामान्य रूप से चलता रहा।

उधर, हादसे की खबर जैसे ही अमरोहा जिले के हसनपुर क्षेत्र में पहुंची, भाजपा कार्यकताओं और क्षेत्रवासियों में हलचल मच गई। कई लोग उनके आवास पर पहुंचकर उनका हाल-चाल जानने लगे। भाजपा नेता के सुरक्षित होने की खबर मिलने पर सभी ने राहत की सांस ली।

जहां रिश्ता करोगे, वहीं तुड़वा दूंगा—युवक की धमकी से सहमा परिवार, रिपोर्ट दर्ज

दैनिक बुलंद मंज़िल

गजरौला ब्यूरो। थाना क्षेत्र के एक गांव में युवती की तय शादी तुड़वाने और परिवार को धमकी देने का मामला सामने आया है। पीड़ित पिता की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

थाना गजरौला क्षेत्र के एक निवासी युवक ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उन्होंने अपनी बेटी का रिश्ता जनपद बिजनौर के थाना चांदपुर क्षेत्र के गांव जमालदीपुर निवासी युवक के साथ तय किया था। दोनों परिवारों की सहमति से शादी की तारीख आगामी 23 मार्च निर्धारित की गई थी और परिवार ने विवाह की सभी तैयारियां भी पूरी कर ली थीं।

आरोप है कि इसी बीच गांव का ही रहने वाला जौली उर्फ ब्रजपाल पुत्र हरिसिंह 7 मार्च को लड़के पक्ष के घर पहुंच गया। वहां उसने अपने मोबाइल फोन में मौजूद युवती के साथ खींची गई फोटो लड़के और उसके परिवार को दिखा दी। फोटो देखने के बाद लड़के पक्ष ने शादी करने से साफ इनकार कर दिया, जिससे लड़की पक्ष के परिवार को गहरा सदमा लगा। पीड़ित पिता का आरोप है कि जब उन्होंने आरोपी से इस बारे में बात की और समझाने की कोशिश की तो वह गाली-गलौच करने लगा और जान से मारने की धमकी देने लगा। आरोपी ने कथित रूप से यह भी कहा कि जहां भी लड़की का रिश्ता तय किया जाएगा, वह वहां जाकर शादी तुड़वा देगा। पीड़ित का यह भी कहना है कि इससे पहले भी आरोपी एक बार उनकी बेटी का रिश्ता तुड़वा चुका है।

घटना से परेशान होकर पीड़ित पिता थाना गजरौला पहुंचे और आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए तहरीर दी। पुलिस ने तहरीर के आधार पर आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। थाना प्रभारी का कहना है कि तहरीर के आधार पर मामला दर्ज कर लिया गया है और पूरे प्रकरण की जांच की जा रही है। जांच के बाद जो भी तथ्य सामने आएंगे, उसके आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

मधुमक्खी पालन केंद्र से बड़ी चोरी, रात में 170 डिब्बे समेट ले गए चोर

दैनिक बुलंद मंज़िल

गजरौला ब्यूरो। थाना क्षेत्र में मधुमक्खी पालन करने वाले एक व्यक्ति के यहां से करीब 170 मधुमक्खी के डिब्बे चोरी होने का मामला सामने आया है। पीड़ित ने दो लोगों पर शक जताते हुए पुलिस को तहरीर दी है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार अलीगढ़ जनपद के थाना खैर क्षेत्र के ग्राम शिवाला निवासी पुरन सिंह पुत्र हरि सिंह गजरौला के सलेमपुर रोड पर घोड़े वाले मंदिर के पास मधुमक्खी पालन का कारोबार करते हैं। पुरन सिंह ने बताया कि वह अपने कारोबार की देखरेख के लिए अक्सर वहीं रुकते हैं। पीड़ित के अनुसार बीते 1 मार्च की रात को वह अपने मधुमक्खी पालन स्थल के पास ही सो गया था। सुबह जब वह उठा तो देखा कि वहां रखे मधुमक्खी पालन के करीब 170 डिब्बे गायब थे। यह देखकर उसके होश उड़ गए। उसने आसपास काफी तलाश की, लेकिन डिब्बों का कहीं कोई पता नहीं चला। इसके बाद पीड़ित ने आसपास के लोगों और अपने जान-पहचान वालों से भी जानकारी की। पूछताछ के दौरान उसे जानकारी मिली कि इस मामले में दो व्यक्तियों की भूमिका हो सकती है। पीड़ित ने अपनी तहरीर में प्रेम मिश्रा और वीरेंद्र नाम के दो लोगों पर शक जताया है। उसने बताया कि इन दोनों व्यक्तियों के मोबाइल नंबर भी उसके पास मौजूद हैं। पीड़ित का आरोप है कि प्रेम मिश्रा और वीरेंद्र ने अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर उसके मधुमक्खी पालन के डिब्बे चोरी कर लिए हैं। पीड़ित के अनुसार इन डिब्बों में मधुमक्खियों के छत्ते लगे हुए थे और उनकी कीमत काफी अधिक है, जिससे उसे भारी आर्थिक नुकसान हुआ है। पुरन सिंह ने बताया कि उसने अपने स्तर से भी डिब्बों की काफी तलाश की, लेकिन कोई सफलता नहीं मिली। इसके बाद वह थाने पहुंचा और पूरे मामले की लिखित तहरीर पुलिस को दी। तहरीर लेखक के रूप में जयदेव नागर पुत्र स्वर्गीय राजपाल सिंह नागर निवासी ग्राम सलेमपुर गौशाई का नाम दर्ज है। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर के आधार पर मामला दर्ज कर लिया है और घटना की जांच शुरू कर दी है। थाना पुलिस का कहना है कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है और जल्द ही सच्चाई सामने लाकर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

चार किलो राशन, ऊपर से धमकी डीलर के खिलाफ ग्रामीणों का एसडीएम से गुहार

दैनिक बुलंद मंज़िल

हसनपुर ब्यूरो। तहसील क्षेत्र के गांव सिमथला में राशन वितरण को लेकर ग्रामीणों ने राशन डीलर के खिलाफ गंभीर आरोप लगाते हुए उप जिलाधिकारी हसनपुर को प्रार्थना पत्र सौंपकर जांच और कार्रवाई की मांग की है। ग्रामीणों का आरोप है कि गांव के उचित दर विक्रेता द्वारा सरकारी नियमों के विपरीत राशन वितरण किया जा रहा है और शिकायत करने पर लोगों को धमकाया जाता है।

ग्रामीणों के अनुसार ग्राम पंचायत सिमथला थाना आदमपुर निवासी राजेश कुमार गांव की उचित दर दुकान का संचालन करते हैं। आरोप है कि डीलर प्रत्येक यूनिट पर निर्धारित मात्रा से कम, केवल चार किलो राशन ही दे रहा है और इसके लिए ग्रामीणों से पैसे भी वसूल रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि जब वे निर्धारित मात्रा के अनुसार राशन देने की मांग करते हैं तो डीलर उनसे अभद्रता करता है और उन्हें धक्का देकर भगा देता है।

ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि राशन डीलर अक्सर शराब के नशे में रहता है और इसी हालत में राशन वितरण करता है, जिससे गांव में तनाव की स्थिति बनी रहती है। इतना ही नहीं, शिकायत करने वालों को वह एससी/एसटी एक्ट में फंसाने की धमकी भी देता है। ग्रामीणों का कहना है कि डीलर यह कहकर लोगों को डराता है कि उसने दुकान हाईकोर्ट से ली है, इसलिए गांव के लोग उसका कुछ नहीं बिगाड़ सकते। ग्रामीणों ने यह भी बताया कि डीलर द्वारा गांव के तीन-चार लोगों के खिलाफ पहले ही एससी/एसटी एक्ट के तहत मुकदमे दर्ज कराए गए हैं, जिसके चलते गांव के लोग भय के माहौल में जी रहे हैं और खुलकर विरोध नहीं कर पा रहे हैं।

मामले को लेकर ग्राम प्रधान कृपाल सिंह सहित बलवीर, नेपाल, सुखबीर, संजय, भागवत, देवदत्त, रामअवतार समेत कई ग्रामीणों ने उप जिलाधिकारी हसनपुर को प्रार्थना पत्र देकर राशन डीलर की निष्पक्ष जांच कराने और उचित दर दुकान का लाइसेंस निरस्त करने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते प्रशासन द्वारा कार्रवाई नहीं की गई तो गांव में बड़ा विवाद खड़ा हो सकता है। फिलहाल प्रशासन से मामले की जांच कर उचित कार्रवाई की उम्मीद जताई जा रही है।

विशाल मेगा मार्ट में हंगामा, मां के साथ आए युवक पर बेटे का हमला, रिपोर्ट में

दैनिक बुलंद मंज़िल

गजरौला ब्यूरो। थाना क्षेत्र में स्थित विशाल मेगा मार्ट में सामान खरीदने पहुंची एक महिला के साथ मारपीट और गाली-गलौज का मामला सामने आया है। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

थाना गजरौला क्षेत्र के गांव नगलीया मेव निवासी डॉ. कुसुमलता पत्नी मुकेश कुमार ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि वह 28 फरवरी 2026 को विशाल मेगा मार्ट में अपने परिचित राहुल पुत्र गंगासरन निवासी मोहल्ला वकादद थाना बछरायूं, जनपद अमरोहा के साथ सामान खरीदने गई थीं। आरोप है कि उसी दौरान उनका बेटा चेतन पुत्र मुकेश वहां पहुंच गया और दोनों के साथ गाली-गलौज करने लगा।

पीड़िता का आरोप है कि चेतन ने वहां मौजूद लोगों के सामने उनके साथ अभद्र व्यवहार किया और मारपीट भी की। शोर-शराबा सुनकर आसपास मौजूद लोग मौके पर इकट्ठा हो गए, जिसके बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देता हुआ वहां से फरार हो गया।

घटना के बाद पीड़िता ने थाना गजरौला पहुंचकर मामले की लिखित तहरीर दी और कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने तहरीर के आधार पर आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। थाना पुलिस का कहना है कि मामले की जांच शुरू कर दी गई है और जांच के बाद आगे की आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

आठ महीने से बिना प्रभारी के चल रहा हाथरस का साइबर क्राइम थाना, सुरक्षा पर उठे सवाल

-साइबर अपराध बढ़े, लेकिन नेतृत्वहीन है साइबर थाना

अनिल चौधरी, बुलंद मंजिल

हाथरस। जिले में साइबर अपराध की बढ़ती घटनाओं के बीच बड़ी लापरवाही सामने आई है। हाथरस का साइबर क्राइम थाना पिछले आठ महीनों से बिना प्रभारी के ही चल रहा है। इतने लंबे समय से यहां किसी भी अधिकारी की नियुक्ति नहीं की गई है, जिससे साइबर अपराध से जुड़ी शिकायतों के निस्तारण और जांच व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। जानकारी के अनुसार इससे पहले विपिन चौधरी साइबर क्राइम थाना प्रभारी के पद पर तैनात थीं। उन्हें हटाए जाने के बाद से अब तक इस थाने में किसी नए प्रभारी की नियुक्ति नहीं की गई। नतीजतन साइबर ठगी, ऑनलाइन फ्रॉड और डिजिटल अपराध से जुड़े मामलों में पीड़ितों को समय पर मदद नहीं मिल पा रही है।

सूत्रों का कहना है कि साइबर अपराध के मामलों में तेजी से बढ़ोतरी हो रही है, लेकिन जिले का विशेष साइबर थाना ही बिना नेतृत्व के चल रहा है। ऐसे में जांच की गति धीमी पड़ना और अपराधियों पर कार्रवाई में देरी होना स्वाभाविक है। स्थानीय लोगों और सामाजिक संगठनों ने इस मामले को गंभीर लापरवाही बताते हुए जल्द से जल्द सक्षम अधिकारी की नियुक्ति की मांग की है। उनका कहना है कि साइबर अपराध के दौर में अगर साइबर थाना ही बिना प्रभारी के रहेगा तो अपराधियों के हौसले बुलंद होंगे। अब सवाल यह उठता है कि आखिर आठ महीने से खाली पड़े इस महत्वपूर्ण पद को भरने के लिए प्रशासन ने अब तक कदम क्यों नहीं उठाए। अगर जल्द ही इस दिशा में कार्रवाई नहीं हुई तो जिले में साइबर अपराध पर नियंत्रण और भी मुश्किल हो सकता है।

श्री श्याम वीर सिंह, सीओ हाथरस कहना है

-साइबर क्राइम में कोई थाना प्रभारी नहीं है, लेकिन वहां की देख रेख के लिए इंस्पेक्टर आशीष को लगाया गया है। जिसे साइबर अपराध के फरियादियों को मदद मिल सके।

The Grain of the Deal: Why Punjab's Farmers Need Not Fear the Indo-US Trade Pact

Sheena Sandhu
A retired civil servant

In the fertile plains of Punjab, where agriculture is as much a political identity as it is a livelihood, the term "trade deal" often arrives with a heavy baggage of skepticism. The recent India-US Interim Trade Deal is no exception, triggering a wave of "false narratives" that suggest a surrender of domestic interests. However, a close reading of the Department of Commerce's recent communication to the Punjab Chief Secretary reveals a strategy defined by "carefully calibrated" safeguards and a "fortress" approach to India's most sensitive crops.For the Punjabi farmer, the anxiety centers on two fronts: the potential influx of cheap American staples and the erosion of the Minimum Support Price (MSP) ecosystem. Yet, the facts of the agreement suggest these fears are misplaced.

The Fortress of Exclusion

The hallmark of this deal is the "Exclusion Category". In a move to protect the backbone of the North Indian agrarian economy, the Government of India has ensured that there are no tariff concessions on primary staples. Specifically, Wheat and Rice the twin pillars of Punjab's procurement systemare entirely outside the scope of the agreement. Furthermore, the protection extends to the burgeoning dairy and poultry sectors. Despite long-standing American demands for market access in these areas, India has maintained a "zero-concession" stance on Dairy, Poultry, Honey, and Soyameal. Even the ambiguous phrasing of "additional products" in diplomatic joint statements has been explicitly clarified: it does not, and will not, include these sensitive sectors.

> For the Punjabi farmer, the anxiety centers on two fronts: the potential influx of cheap American staples and the erosion of the Minimum Support Price (MSP) ecosystem.

Calibrated Access, Not Open Borders

Where concessions have been made, they are surgical rather than sweeping. For products where domestic demand consistently outstrips local productionsuch as Apples, Walnuts, and Soyabean Oilthe government has opted for quota-based concessions.

These are not open-ended invitations. These quotas are described as a "small fraction" of current global imports, designed solely to diversify supply chains and fill domestic gaps without depressing the prices earned by Indian growers. Similarly, the limited import of Non-GM Red Sorghum and animal feed is intended to reduce input costs for India's own livestock industry, thereby making our domestic dairy and poultry farmers more competitive globally.

The Rs 14 Lakh Crore Frontier

While the safeguards act as a shield, the deal's real value lies in its role as a sword for Indian exports. The agreement provides preferential access to a US import market valued at over Rs14 lakh crore.

For Punjab, this translates into immediate opportunities for "strength areas". Basmati rice, spices, and processed fruit products—juices, pulps, and jamswill benefit from preferential tariffs, allowing Punjab to transition from being the nation's granary to a global hub for high-value agri-exports. Furthermore, the calibrated quota for high-quality cotton is a strategic nod to the textile industry, aimed at boosting value-added exports which, in the long run, sustains the demand for local cotton.

The Bottom Line

In the world of international trade, the "Interim" nature of this deal is a safeguard in itself, allowing for adjustments as negotiations continue. The Union Ministry's directive to the Punjab government is clear: the deal is a balance of "opportunities and safeguards". By insulating the MSP-linked staples and targeting growth in high-value exports, the deal seeks to modernize the Punjabi farmer's market reach without compromising their security. It is a transition from a defensive posture to a strategic oneensuring that the harvest of Punjab finds a premium place on the global stage.

Animals in Distress

As rising tensions and missile threats push residents to leave parts of the Middle East, animal rescue groups in Dubai say they are witnessing a troubling increase in abandoned pets, with many dogs, cats, fish and turtles being left behind as families scramble to evacuate the region.

Shelters and rescue organisations across the city are struggling to manage a sudden spike in the number of animals being deserted.

The growing crisis has become particularly concerning for groups such as K9 Friends, which say they have been flooded with requests from pet owners seeking to surrender their animals or asking for help rehoming them before departing the country.

Animal welfare organisations say the surge appears to be linked to residents making hurried plans to leave amid uncertainty in the region. Many owners, they claim, are finding it difficult to navigate the complex procedures required to relocate pets internationally.

Animal rescue experts say the best thing for people to do is to board their pets in the commercial boarding facilities available throughout the UAE and keep the pet there till they return to the country or till they can arrange for their travel overseas.

Veterinarians in Dubai have also reported a noticeable increase in inquiries from pet owners about euthanising their animals.

Some owners, faced with expensive relocation costs, extensive paperwork requirements and limited availability of pet-friendly flights, have allegedly approached clinics asking for even healthy pets to be put down instead of taking them along.

In some photographs, dogs can be seen tied to lamp posts without food or water, while other animals appear to have been abandoned on the streets under the intense heat. Animal welfare volunteers say they have also encountered cats and puppies left outside homes or rescue shelters in crates.

In one particularly distressing incident reported by The Sun, an animal rescuer found a cat along with four kittens abandoned in a crate outside a residence.

Rescue organisations say they are now urgently trying to arrange foster homes and temporary shelters as the number of abandoned animals continues to rise.

Hundreds of posts about deserted pets have begun appearing on local social media groups, where volunteers are sharing photographs and appealing to residents to adopt or temporarily care for the animals.

Some reports have also suggested that pets have been left behind along desert routes leading towards the Oman border, as residents attempt to exit the region by road during the ongoing tensions.

Animal welfare advocates say the situation underscores the vulnerability of domestic animals during periods of conflict, instability and displacement.

For many shelters that were already operating at full capacity, the sudden influx of abandoned pets has created an overwhelming challenge and serves as a stark reminder that in moments of panic and uncertainty, the most helpless and voiceless companions are often the ones left behind.

Potential Treatment for Nicotine Addiction

There may be another approach to cure cigarette addiction. Researchers observed that theta-burst transcranial magnetic stimulation (TBS), which uses powerful, rapidly fluctuating magnetic field pulses to influence brain activity, can promote self-control, reduce cravings, and, as a result, lead to reduced smoking.

People with nicotine dependence tend to have significant structural and functional differences in the brain, compared to healthy non-smokers. Smoking cigarettes has been shown to be associated with less grey matter, which means they have less neurons and other cells in the brain.

Research suggests these differences may affect inhibitory control (IC), which is our control over automatic urges and response to stimuli – what enables humans to stop an impulsive reaction to something.

"Having difficulties with IC may make it harder to avoid smoking when the urge arises, in response to all the cues and contexts in the environment that trigger the behavior to light a cigarette," said lead author Brett Froeliger, PhD, professor of Psychiatry.

TBS refers to when magnetic pulses are applied to the brain in bursts of three and come in two forms: continuous TBS (cTBS) and intermittent TBS (iTBS). cTBS consists of applying these three bursts repeatedly for 40 seconds, whereas iTBS applies the same number of pulses irregularly for more than 190 seconds.Magnetic stimulation has been used to treat other mental illnesses and disorders. cTBS has been experimentally tested to treat generalized anxiety disorder, whereas iTBS

> Research suggests these differences may affect inhibitory control (IC), which is our control over automatic urges and response to stimuli what enables humans to stop an impulsive reaction to something.

to the left dorsolateral prefrontal cortex — a part of your brain responsible for cognitive processes — is FDA-approved for treating major depressive disorder.

The study involved 37 participants, mostly in their late 40's, and examined the effects of both cTBS and iTBS to the right inferior frontal gyrus, a brain region heavily involved with IC. Researchers found that cTBS improved IC, whereas both cTBS and iTBS reduced cravings and, subsequently, smoking.

"Identifying treatments that improve IC may help reduce smoking and can potentially help with preventing relapse following when a person attempts to quit smoking," Froeliger said, adding, "Treatments that improve IC may also help disrupt the cycle of drug use among individuals with other substance use disorders; however, further research is needed to examine the clinical value of TBS for treating substance use disorders."

"Effects of Hyperdirect Pathway Theta-Burst Transcranial Magnetic Stimulation on Inhibitory Control, Craving, and Smoking in Adults with Nicotine Dependence: A Double-Blind Randomized Crossover Trial" was recently published in Biological Psychiatry CNNI.

State of Pakistan-Afghanistan Conflict

Vicky Nanjappa

Pakistan is likely to escalate attacks in Afghanistan as the war in Iran rages on. Islamabad has come under immense pressure to join the war in Iran, especially after Saudi Arabia was hit by missile strikes.

According to reports, Pakistan is planning a major escalation in Afghanistan so that it can buy time or try to avoid joining the war in Iran. This would act as a major diversionary tactic, and Pakistan could use this as an excuse not to join the war.

The pressure stems from the Strategic Mutual Defence Agreement that Pakistan and Saudi Arabia signed on September 17, 2025. The central clause states that any aggression against either country shall be considered as an aggression against both. This wording was modelled on the defence principles, which are similar to NATO's Article 5.

Pakistan had last month declared that it was in an open war with Afghanistan. Islamabad blames without evidence that the Afghan Taliban is backing the Tehreek-e-Taliban Pakistan (TTP).

When the Israeli and US forces struck Iran, Pakistan's foreign minister, Ishaq Dar, was attending an Organisation of Islamic Cooperation (OIC) meeting in Riyadh. Dar, while speaking at the Senate on March 3, said that Pakistan had personally reminded Iran's Foreign Minister, Abbas Araghchi, of Pakistan's defence obligations to Saudi Arabia.

> Pakistan never anticipated that it would need to fulfil its obligations. Pakistan clearly did not anticipate that Iran would carry out strikes on several Middle East countries.

Pakistan never anticipated that it would need to fulfil its obligations. Pakistan clearly did not anticipate that Iran would carry out strikes on several Middle East countries. The strike on Saudi Arabia caught Pakistan off guard, and this resulted in pressure mounting on the leadership. Pakistan is believed to have come under tremendous pressure, and many are reminding the country of the commitment it has towards Saudi Arabia. However, Pakistan is in no mood to join the war at the moment as it does not want to be caught up in the tussle between Iran and Saudi Arabia. Pakistan also cannot go against the United States in this war, as it has boasted about how close relations are today. Pakistan even signed a minerals deal with the Donald Trump administration, and this has made matters even more complex.

Pakistan has long used attacks on Indian soil as a major diversionary tactic to cover up its own internal problems. A strike on India at the military level is not at all an option this time. Pakistan is already overwhelmed with its internal battles, and outfits such as the TTP and Balochistan Liberation Army (BLA) have only made matters worse for the country.

Escalating the battle in Afghanistan will come at a cost, but Pakistan would be ready to take that risk. This is a better option for Islamabad when compared to going to war in Iran, the official added. Pakistan is caught in such a difficult situation that it cannot afford to anger Saudi Arabia, Iran and the United States.

If Pakistan decides to escalate the war in Afghanistan, Iran or Saudi Arabia would not interfere. Both countries are caught up in a tough situation themselves. The US too would not say much as the Trump administration has already made it clear that while it would like to interfere, it still respects Pakistan's right to self-defence.

Security analysts say that they are closely monitoring the situation in Afghanistan, as there are ample inputs of a major escalation by Pakistan, only so that they can use it as a diversionary tactic.

However, the experts add that the escalation in Afghanistan would only be a temporary solution. In the days to come, this tightrope walk for Pakistan will only get trickier and harder.

Malaika Arora calls Navjot Sidhu her friend for life on Kapil show

Malaika Arora in a surprising revelation revealed that veteran politician and former cricketer Navjot Singh Sidhu is one of her closest friends, saying their bond has grown stronger over the years.

Speaking during a recent episode of the comedy show The Great Indian Kapil Show, Malaika opened up about the rare possibility of forming deep friendships in the later stage of life. She further described Sidhu, fondly known as "Sherry," as a true friend of hers.

"After a certain age we say that we don't make many friends. In fact, we can't even make one because no one has time. But I have made a true friend in Sherry, literally," Malaika said.

She added, "The biggest thing is that my love for him is that true love where he cannot hurt my heart all my life."

For the uninitiated, Malaika and Sidhu previously have shared the judging panel on the popular talent reality show India's Got Talent, where their camaraderie and playful banter often became a highlight of the show.

On the same show, Sidhu went on to praise his BFF Malaika for her discipline and personality.

"I have never seen a more grounded celebrity," Sidhu said. He added that despite her glamourous public image, she remains very focused and organised in her personal routine.

"Her feet are firmly on the ground... she eats on time. She has an entourage of 56," he said during the conversation.

Malaika Arora had also revealed that Navjot Singh Sidhu sends 'White Makhan' for her every 15-20 days.

The host Kapil Sharma was heard telling Malaika, "Ma'am, Amritsar's food is very famous - Kulcha. Have you seen the white butter (Makhan) on kulcha? It reminds me of you."

Before Malaika could react, Navjot Singh Sidhu asked her, "Malaika mam, what do you get from my house?"

Malaika then revealed that within a gap of every 15-20 days, Navjot Singh Sidhu sends her white butter, some snacks, along with some Jaggery (Gud). "Every 15 or 20 days, he sends me white butter from his house, along with some snacks and jaggery," said Malaika.

To this, Kapil objects, saying that Navjot Singh Sidhu met Malaika only last year and sends her so much stuff, and they have known each other for almost 20 years now, still, he has never even given him even fennel seeds and jaggery (Saunf and Gud), further drawing laughter deon the audience.

Ileana D'Cruz sneaks a quick selfie during baby break

Actress Ileana D'Cruz, on Tuesday, shared a candid moment from her life as a mother, further posting a quick selfie that she clicked during a short break while feeding her new born baby. Taking to her social media account, the actress shared a monochrome close-up picture of herself. In the picture, Ileana is seen looking into the camera with her hair naturally falling around her face. Sharing the post, she captioned it as, "Nothing profound. The light was gorgeous and I had 3 seconds between feeding my feral little toddler. hi ."

The actress embraced motherhood for the second time in June last year. She had delighted fans by announcing the arrival of her baby with an adorable social media post. Sharing an adorable photograph of the newborn, the post read, "introducing KEANU RAFE DOLAN. BORN ON JUNE 19TH 2025." Along with the picture, she had written, "Our hearts are so full."

For the uninitiated, Ileana married Michael Dolan in 2023 and the couple are parents to two children. On the professional front, Ileana has worked in several Hindi and South Indian films over the years.

Sai Pallavi, Junaid Khan promise love and loss in Ek Din trailer

The trailer of the upcoming film 'Ek Din' starring Sai Pallavi and Junaid Khan was unveiled on Wednesday. It shows Junaid Khan explaining a fortune bell that grants a wish for true love when the bell is rung. As he speaks, he looks at Sai Pallavi's character, Meera, and quietly wishes that she could be his. He says he wants his wish to come true even if it's for one day.

The trailer hints at a warm and heartfelt love story. Junaid comes across as an endearingly awkward boy, bringing innocence and vulnerability to his role, while Sai appears confident, composed and self-assured. This contrast creates a chemistry that feels both engaging and relatable, making their story even more compelling to watch.

The trailer is set to the vocals of Arijit Singh, who announced his retirement from playback singing.

The film itself seems to promise a magical, gentle and classic love story, something that has become increasingly rare in contemporary Bollywood. There is a certain old-world charm and emotional sincerity in the storytelling that reminds audiences of the romantic narratives that once defined the genre.

The film marks the reunion of Aamir Khan and filmmaker Mansoor Khan after a significant hiatus, reviving one of Hindi cinema's most cherished creative partnerships. Together, they have worked on films like 'Qayamat Se Qayamat Tak', 'Jo Jeeta Wohi Sikandar', 'Akele Hum Akele Tum', and 'Jaane Tu... Ya Jaane Na'. With 'Ek Din', the duo returns to the romance genre, sparking fresh excitement among fans. Their coming together once again has heightened curiosity, with audiences keen to witness the charm they recreate on screen.

Produced under the banner of Aamir Khan Productions, 'Ek Din' is directed by Sunil Pandey and produced by Aamir Khan, Mansoor Khan, and Aparna Purohit. The film is set to release in theaters on May 1, 2026.

Pooja Batra's sunset moment steals the spotlight

Actress Pooja Batra shared a stunning sunset moment on social media, revealing how the magical hour shifts her mood and energy. The actress took to Instagram to post a striking photograph of herself gazing at the sunset through a large window overlooking a waterfront.

In the image, Pooja could be seen standing with her back to the camera, dressed in a shimmering gold backless gown that cascades to the floor. Her soft curls rest on her shoulders as she looks out at the sky. For the caption, she wrote: "Sunsets transport me to a different vibe." Talking about Pooja, she began modeling at a young age and has participated in over 250 modelling events and ad campaigns. She gained

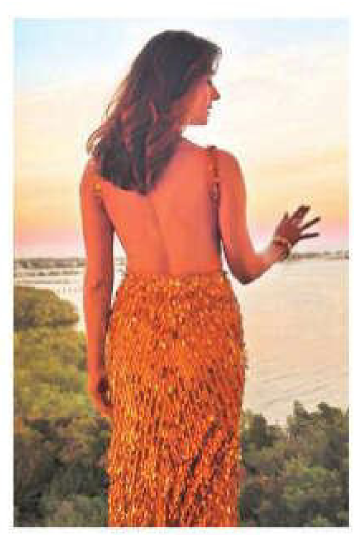

prominence in 1993 when she was crowned Miss India International. The actress entered Bollywood in 1997 with her debut film 'Virasat', starring Anil Kapoor, and later appeared in 'Bhai' with Suniel Shetty.

Pooja, who is is related to Second Lieutenant Arun Khetarpal, a martyr decorated with India's highest military honour, the Param Vir Chakra, made a name for herself in Bollywood with films such as 'Haseena Maan Jayegi', 'Dil Ne Phir Yaad Kiya', 'Kahin Pyaar Na Ho Jaaye', 'Nayak: The Real Hero', and 'Taj Mahal: An Eternal Love Story', which was showcased at the Cannes Film Festival in 2004, among others. She was last seen on screen in 2021 in 'Squad', an action thriller directed by Nilesh Sahay.

It stars Rinzing Denzongpa, Pooja Batra and Malvika Raaj in lead roles. The film centers around an elite STF squad tasked with the responsibility of protecting the granddaughter of a scientist who possesses a blueprint of a lethal cyborg program.

Shahid Kapoor's floral surprise for Mira Rajput at work

Actor Shahid Kapoor made his wife Mira Rajput happy and got her smiling as he surprised her with a beautiful bouquet while she was at work. Taking to her social media account, Mira shared a glimpse of the romantic gesture and captioned it as, "Mid day surprise at work."

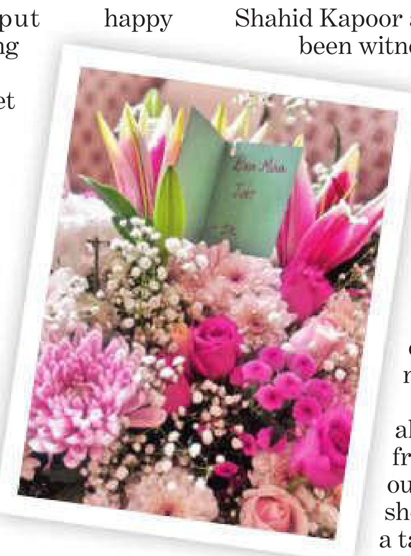

The picture shared by Mira featured a large and elegant bouquet filled with pink lilies, roses, chrysanthemums and baby's breath flowers arranged beautifully.

Tucked between the flowers was a small note card addressed to Mira. The card read, "Dear Mira Just – SK," indicating the bouquet was sent by Shahid Kapoor.

For the uninitiated, Mira lovingly calls Shahid Kapoor as SK, something that has been witnessed in their videos on social media. Recently, Shahid Kapoor had given his fans a glimpse of a heartfelt family moment and shared a picture of his adorable children, Misha and Zain. The actor accompanied one of the posts with a note that read, "Give them everything..... NOTHING matters more!"

Meanwhile, Mira had also shared a snapshot from a family breakfast outing. The picture showed Shahid seated at a table with Mira and their two children, enjoying a relaxed meal together. The pictures probably seem to be from Shahid Kapoor's recent birthday getaway.

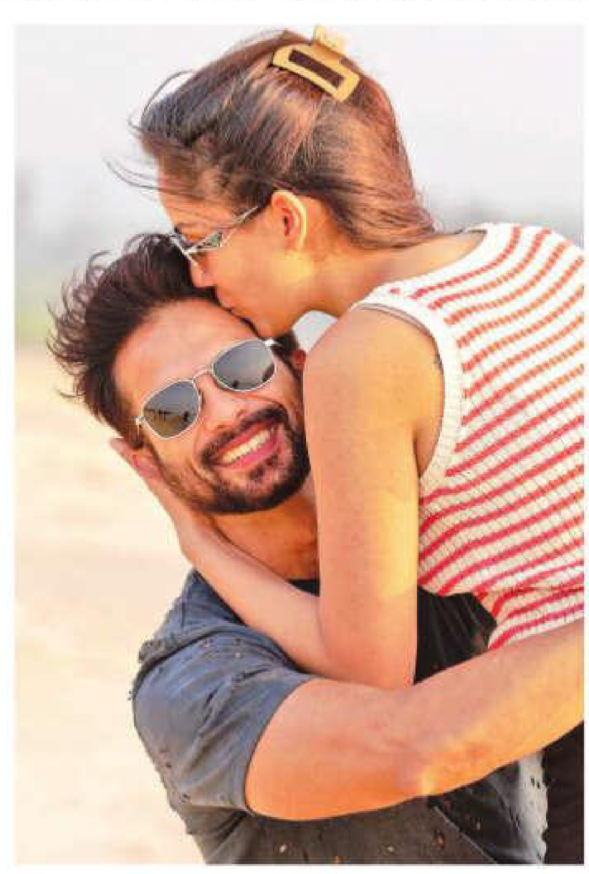

सप्त दिवसीय विशेष शिविर के छठे दिवस पर 'स्वास्थ्य जागरूकता' विषय पर स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन

दैनिक बुलंद मंजिल

चंदौसी। एन. के. बी. एम. जी. पीजी कॉलेज चंदौसी की राष्ट्रीय सेवा योजना की दोनों इकाइयों के सप्त दिवसीय विशेष शिविर के छठे दिवस पर 'स्वास्थ्य जागरूकता' विषय पर स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन कार्यक्रम अधिकारी डॉ शीतल एवं डॉ प्रियंका के संयोजन में प्राथमिक विद्यालय करेला चंदौसी में आयोजित किया गया। शिविर का आरंभ स्वयंसेविकाओं तमन्ना वार्ष्णेय, मीनाक्षी शर्मा, खुशी द्वारा मां सरस्वती की वंदना एवं स्वागत गीत गाकर किया गया। भावना आर्य, मानसी द्वारा लक्ष्य गीत गया गया। शिविर के प्रथम सत्र में सवयंसेविकाओं को डॉ हरविंदर सिंह, राजकीय संयुक्त चिकित्सालय, चंदौसी के सुपरविजन में डॉक्टर की टीम ने सभी स्वयंसेविकाओं के हीमोग्लोबिन एवं बीपी की जांच की तथा समय-समय पर होने वाली शारीरिक स्वास्थ्य समस्याओं के प्रति छात्राओं को जागरूक किया और उन्हें परामर्श भी दिया। इस कार्यक्रम में छात्राओं ने अपनी शारीरिक समस्याओं के संबंध में प्रश्न भी किया। जिनका उत्तर डॉक्टर साहब के द्वारा दिया गया। अंत में डॉक्टर साहब द्वारा जिन स्वयं सेविकाओं में खून की कमी पाई गई उनको आयरन एवं कैल्शियम की टैबलेट भी वितरित की गई। अंत में स्वयं सेविकाओं द्वारा विभिन्न प्रकार के हैंडीक्राफ्ट्स भी बनाए गए तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए गए। कार्यक्रम में कर्मचारी सीता व मुकेश का विशेष सहयोग रहा ।

आपसी भाई चारे का संदेश देते हैं होली मिलन एवं ईद उल फितर के त्यौहार : मस्जिद इमाम मोहम्मद फुरकान

दैनिक बुलंद मंजिल

रमजान के पाक महीने में गरीबों की सेवा करने वालों पर अल्लाह की बरसती है रहमत

सौंधन/संभल। क्षेत्र के सोंधन गांव में हिंदू-मुस्लिम एकता और आपसी भाईचारे की मिसाल देखने को मिलती है। यहां स्थित शाही जामा मस्जिद के शाही इमाम कारी मोहम्मद फुरकान ने रमजान के पवित्र महीने के मौके पर लोगों को आपसी सद्भाव और भाईचारे का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि रमजान का महीना रहमत, बरकत और मगफिरत का महीना होता है। यह महीना इंसान को सब्र, इबादत और जरूरतमंदों की मदद करने की सीख देता है। उन्होंने बताया कि रमजान के तीन अशरे होते हैं। पहला अशरा रहमत का, दूसरा मगफिरत का और तीसरा जहन्नम से निजात का माना जाता है। अब रमजान का तीसरा और आखिरी अशरा शुरू हो चुका है, इसलिए मुसलमानों को ज्यादा से ज्यादा इबादत कर अल्लाह से अपने गुनाहों की माफी मांगनी चाहिए।
कारी मोहम्मद फुरकान ने कहा कि रमजान के आखिरी दिनों में शबे कद्र की मुबारक रात भी आती है, जिसे हजार महीनों से बेहतर बताया गया है। इस रात में की गई इबादत का सवाब अल्लाह तआला कई गुना बढ़ाकर देता है। उन्होंने रोजेदारों से अपील की। कि वे इबादत के साथ-साथ गरीबों और जरूरतमंदों की मदद भी करें। उन्होंने सोंधन गांव की मिसाल देते हुए कहा कि यहां हिंदू और मुस्लिम समुदाय के लोग वर्षों से मिलजुल कर रहते हैं। गांव में शाही जामा मस्जिद और मंदिर एक-दूसरे के बिल्कुल पास स्थित हैं, लेकिन इसके बावजूद यहां हमेशा आपसी भाईचारा और सद्भाव बना रहता है। दोनों समुदाय के लोग एक-दूसरे के त्योहारों में भी सहयोग करते हैं। उन्होंने कहा कि यही गंगा-जमुनी तहजीब देश की असली पहचान है और सभी को इसे बनाए रखने के लिए मिलकर प्रयास करना चाहिए।

नाला निर्माण के कारण हो रहे जल भराव से व्यक्ति की मौत को लेकर व्यापार मंडल में अधिशासी अधिकारी को सोपा ज्ञापन

दैनिक बुलंद मंजिल / ब्यूरो चीफ विनय कुमार राठौर

चन्दौसी। अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल युवा इकाई द्वारा अधिशासी अधिकारी को ज्ञापन सौंपते हुए बताया की नाला निर्माण के कारण हो रहे जल भराव से सीकरी गेट में एक व्यक्ति की मौत हो गई है। यह घटना बहुत ही दुखद है और इसके लिए संबंधित ठेकेदार की लापरवाही जिम्मेदार है। जिसको लेकर अखिल भारतीय व्यापार मंडल के पदाधिकारी ने नगर पालिका अधिशासी अधिकारी से मांग की नाला निर्माण कार्य वैकल्पिक व्यवस्था करके सुकराया जाए, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएं न हों। इसके लिए नगर पालिका द्वारा एक विशेष टीम का गठन किया जाए जो नाला निर्माण कार्य की निगरानी करे।,नई सड़क का निर्माण कार्य जल्द से जल्द पूरा किया जाए, ताकि लोगों को आवागमन में परेशानी न हो। इसके लिए नगर पालिका द्वारा विशेष प्रयास किए जाएं।,संबंधित ठेकेदार को ब्लैकलिस्ट किया जाए, ताकि भविष्य में ऐसी लापरवाही न हो। इसके अलावा ठेकेदार के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।,पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा दिया जाए, ताकि उनके परिवार का भविष्य सुरक्षित हो। इसके लिए नगर पालिका द्वारा एक विशेष पैकेज की घोषणा की जाए। नगर पालिका द्वारा भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए विशेष उपाय किए जाएं, जैसे कि नाला निर्माण कार्य के दौरान सुरक्षा के विशेष इंदाज किए जाएं।,नगर पालिका के अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की जाए, ताकि वे अपने काम को सही से करें।,इस घटना की जांच के लिए एक विशेष जांच कमेटी का गठन किया जाए, ताकि दोषियों को सजा दिलाई जा सके।,नगर पालिका द्वारा लोगों को जागरूक किया जाए, ताकि वे अपने आसपास की समस्याओं के बारे में जानकारी दे सकें।, नगर पालिका द्वारा एक हेल्पलाइन नंबर जारी किया जाए, ताकि लोग अपनी समस्याओं की रिपोर्ट कर सकें।,नगर पालिका द्वारा भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए एक विशेष योजना बनाई जाए। अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल युवा इकाई के जिला अध्यक्ष सागर गुप्ता के नेतृत्व में ज्ञापन दिया गया और कहाआशा करते हैं कि आप हमारी मांगों पर विचार करेंगे और जल्द से जल्द कार्रवाई करेंगे। ज्ञापन सपना वालों में मुख्य रूप से शाह आलम मंसूरी, सागर गुप्ता,इरफान खान, असीम अग्रवाल, सौरभ अग्रवाल, मोहित सक्सेना, सचिन शर्मा,अभय ठाकुर अ,निल गुप्ता, शिवांशु अग्रवाल,सचिन मिश्रा, लोकेश सोलंकी,उमेर शमसी, जुबेर कुरेशी आदि मौजूद रहे।

कार ने ई रिक्शा को मारी जोरदार टक्कर दो युवक घायल

दैनिक बुलंद मंजिल / ब्यूरो चीफ विनय कुमार राठौर

चन्दौसी। मुरादाबाद आगरा नेशनल हाईवे पर थाना वनियाठेर के समीप रसूलपुर कैली के पास तेज रफ्तार स्विफ्ट डिजायर कार ने ई - रिक्शा को मारी जोरदार टक्कर जिसमें रिक्शा चालक व अन्य व्यक्ति गंभीर रूप से हुआ घायल।

गुरुवार को दोपहर के समय तेज रफ्तार स्विफ्ट डिजायर कार ने ई - रिक्शा चालक को जोरदार टक्कर मारी जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया और उसमें बैठी एक सवारी भी गंभीर रूप से घायल हो गई। मौके पर पहुंची थाना बनियाठेर प्रभारी सचिन कुमार व पुलिस क्षेत्राधिकार दीपक कुमार ने आनन फानन में घायलों को सीएससी चंदौसी के लिए पहुंचाया जहां चिकित्सक ने एक की हालत गंभीर बताते हुए जिला अस्पताल रेफर किया। बताया जाता है की ई रिक्शा चालक शिवकुमार व सुरजीत चंदौसी सीकरी गेट निवासी है।

ओटीपी नहीं तो गैस नहीं ओटीपी लाओ गैस ले जाओ

रामरतन एच पी गैस एजेंसी मालिक ने बताया की बिना ओटीपी के किसी नहीं मिलेगी गैस

बुलंद मंज़िल/भूरे सिंह यादव

सौंधन संभल तहसील क्षेत्र के गांव सौंधन मोहम्मदपुर में रामरतन एच पी गैस पर बुकिंग उपभोक्ता हो रहे हैं परेशान सौंधन मोहम्मदपुर में स्थित रामरतन एच पी गैस ग्रामीण पर लगभग सात हजार कनैक्शन है और बीस गांव जुड़े हुए हैं सौंधन मोहम्मदपुर, मिलक ,भमोरी पट्टी, सारंगपुर, खरसपा ,नारंगपुर ,रझेड़ा सलेमपुर, गौहत ,सिहाबली, खिरनी, आमवती, तारनपुर ,कैला देवी, मुजाहिदपुर, रुदायन, निवोरा, बिचपुरी ,सकिन शोभापुर खालसा, खानूपुरा,आदि गांव जुड़े हैं ' उपभोक्ता धन्नू ने बताया की में गैस एजेंसी पर सिलेंडर लेने गया तो मैने बुकिंग की तो काफी देर तक ओटीपी नहीं आने पर बहुत देर तक बैठना पड़ा पातीराम ने बताया की गैस बुकिंग को हो रही परेशानी अरविंद कुमार ने बताया की मैने बुकिंग को लेकर फोन किया गया पर बुकिंग नहीं हो पा रही है गैस एजेंसी मालिक रामरतन ने बताया की गैस एजेंसी पर तो पर्याप्त मात्रा में है पर उपभोक्ताओं बिना ओटीपी के गैस वितरण नहीं की जा रही है सुबह से शाम तक गैस एजेंसी पर उपभोक्ता पहुंचते रहे उपभोक्ताओं से जानकारी की तो बताया की गैस बुकिंग को लेकर सरकारी नंबरों से बुकिंग को लेकर काफी प्रयास किया पर बुकिंग नहीं हो पा रही है उपभोक्ताओं ने बताया की गैस एजेंसी पर तो पर्याप्त मात्रा में गैस उपलब्ध है पर जो बुकिंग नंबर टोल फ्री नंबर दिए गए थे उनसे कोई संपर्क नहीं हो पा रहा जिससे गैस उपभोक्ताओं को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

जनसुनवाई में एसपी ने सुनीं फरियादियों की समस्याएं, त्वरित निस्तारण के दिए निर्देश

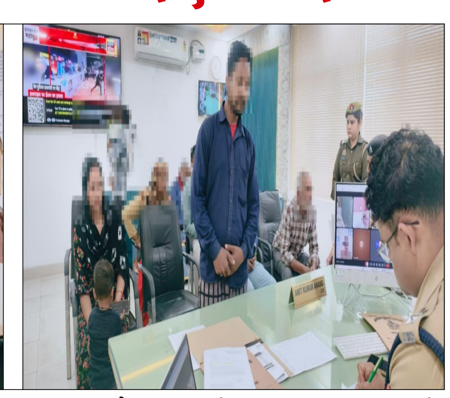

दैनिक बुलंद मंज़िल/ जितेंद्र यादव

अमरोहा। पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद ने पुलिस कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई के दौरान फरियादियों की समस्याएं सुनीं और उनके त्वरित व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जनसुनवाई में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे लोगों ने भूमि विवाद, पारिवारिक कलह, मारपीट, धोखाधड़ी और अन्य मामलों से संबंधित अपनी शिकायतें प्रस्तुत कीं।
पुलिस अधीक्षक ने प्रत्येक शिकायतकर्ता की समस्या को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित थाना प्रभारियों व अधिकारियों को मामलों की निष्पक्ष जांच कर शीघ्र कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनसुनवाई का उद्देश्य आम जनता को न्याय दिलाना और उनकी समस्याओं का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करना है। किसी भी शिकायत को अनदेखा न किया जाए और पीड़ितों को अनावश्यक रूप से परेशान न किया जाए। एसपी ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि सभी मामलों में पारदर्शिता बनाए रखें और शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि यदि किसी मामले में लापरवाही पाई गई तो संबंधित के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।
जनसुनवाई के दौरान पुलिस के अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे और शिकायतों के निस्तारण की प्रक्रिया को गंभीरता से आगे बढ़ाया गया।

गांव सुजान में अवैध शराब और जुए के अड्डे से महिलाएं परेशान, कार्यवाही की मांग

गांव में नए-नए युवाओं का हो रहा भविष्य खराब उनको पिलाई जा रही अवैध शराब, महिलाएं बोली पुलिस नहीं करती है इनके खिलाफ कोई कार्यवाही

अनिल चौधरी, बुलंद मंजिल

हाथरस। कोतवाली हाथरस जंक्शन क्षेत्र के गांव सुजान में अवैध शराब की बिक्री और जुआ खिलाने के आरोप को लेकर गांव की महिलाएं काफी परेशान हैं। महिलाओं का कहना है कि गांव में रहने वाले एक व्यक्ति के आतंक के कारण उनका रास्ते से निकलना भी मुश्किल हो गया है।

ग्रामीण महिलाओं के अनुसार गांव का ही मुशीर नामक व्यक्ति कथित रूप से शराब बेचने का काम करता है। वहां लोगों को बैठाकर शराब पिलाई जाती है और जुआ भी खिलाया जाता है। महिलाओं का आरोप है कि वहां मौजूद शराबी और जुआ खेलने वाले लोग रास्ते से गुजरने वाली महिलाओं पर अभद्र टिप्पणियां करते हैं और अश्लील इशारे करते हैं, जिससे उन्हें भारी असुविधा और मानसिक तनाव का सामना करना पड़ रहा है।

गांव की महिला नसीमा बेगम पत्नी साजिद का कहना है कि कई बार इस बात का विरोध किया गया, लेकिन विरोध करने पर आरोपी और उसके साथियों ने महिलाओं से मारपीट करने की धमकी दी।

ग्रामीणों का आरोप है कि क्षेत्रीय पुलिस के संरक्षण के कारण आरोपी के हौसले बुलंद हैं। बताया जा रहा है कि पूर्व में चंदपा कोतवाली पुलिस ने भी उसके खिलाफ कार्रवाई की थी और उसके खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमे दर्ज बताए जा रहे हैं। गांव की महिलाओं ने प्रशासन से अवैध शराब और जुए के इस अड्डे पर सख्त कार्रवाई करने की मांग की है, ताकि गांव में शांति व्यवस्था बनी रह सके और महिलाएं सुरक्षित तरीके से आवागमन कर सकें।

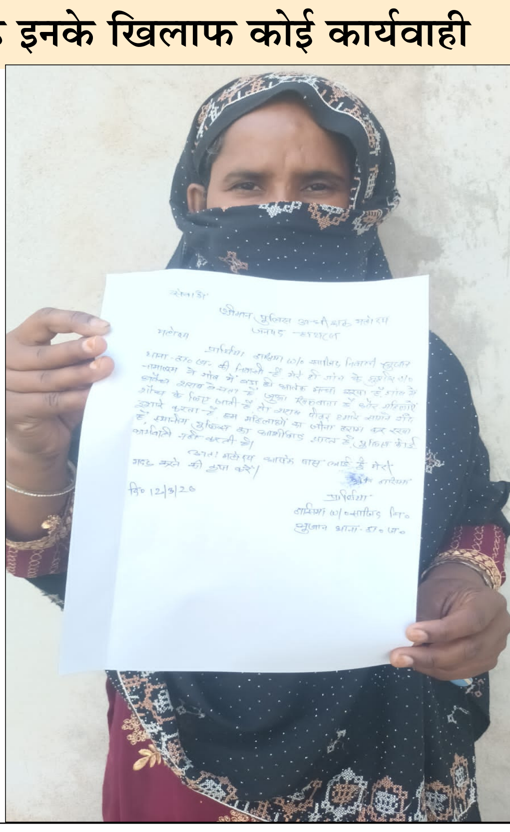

खेत में नरकंकाल मिलने से क्षेत्र में सनसनी, पुलिस जांच में जुटी

बुलंद मंज़िल मौहम्मद फैजान

बिजनौर। थाना नांगल सोती क्षेत्र के ग्राम मायापुरी चमरोला के बीच बनियापुर मौजा में एक महिला किसान मुनेश देवी के खेत में एक नर कंकाल मिलने से सनसनी फैल गई` इसकी जानकारी ग्रामीणों ने पुलिस को दी इसके बाद मौके पर बड़ी संख्या मे ग्रामीणों की भीड़ एकत्र हो गई।घटनास्थल पर पहुंचे नांगल थानाध्यक्ष अमर सिंह राठौड़ ने गहन जांच की जहां प्रारम्भिक जांच में एक नरमुंड तथा हड्डियों के कुछ टुकड़े पाए गए । थानाध्यक्ष ने मामले की जानकारी उच्च अधिकारी को दी तथा फॉरेंसिक टीम ने भी मौके पर पहुंचकर नर कंकाल के सैंपल एकत्र किए। पुलिस ने जांच पड़ताल के बाद अवशेषों को राजकीय जिला चिकित्सालय की मोर्चरी में सुरक्षित रखवा दिया है` पुलिस अधीक्षक अभिषेक झा ने घटना की जानकारी ली तथा आवश्यक निर्देश दिए।पुलिस क्षेत्राधिकारी नितेश प्रताप सिंह के अनुसार पोस्टपार्टम के बाद ही कुछ स्पष्ट हो पाएगा की अवशेष कितने पुराने हैं और वह नर है या किसी महिला का सुनिश्चित करने के लिए डीएनए सैंपल भी सुरक्षित रखवाया जाएगा` पुलिस के अनुसार मामले की गहन जांच की जा रही है, पोस्टमार्टम की प्रक्रिया के बाद अवशेष का नियम अनुसार अंतिम संस्कार कराया जाएगा ।